शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 63 | गुवाहाटी | गुरुवार, 28 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आगामी चुनावों में कांग्रेस का होगा सूपड़ा साफ : पीयूष पेज 3
वाइब्रेंट गुजरात के 20 साल, प्रधानमंत्री ने कहा- हमारा बोया छोटा बीज बन गया... पेज 4
दुनिया में विकास की भावना का पोषक है भारत : योगी पेज 5
देश की जनता 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार बनाएगी प्रधानमंत्री : फणींद्र पेज 8

असम-मेघालय सीमा : गुलेल और तीर से किए गए एक-दूसरे पर हमले

गुवाहाटी (हि.स.)। असम-मेघालय सीमा पर फिर से बुधवार को विवाद शुरू हो गया। असम-मेघालय सीमा पर दोनों राज्यों की जनता में सीमा को लेकर झड़पें हुई। यह घटना मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले और असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के बीच एक सीमावर्ती गांव लापांगेप में हुई। सीमा विवाद के कारण गांव के दोनों पक्षों के बीच हिंसा हुई। दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर तीर-कमान चलाकर हमला कर दिया। जिससे इलाके में माहौल गरमा गया। हालांकि, झड़पों में कोई घायल नहीं हुआ। लेकिन, क्षेत्र के लोगों ने कहा कि उन्हें इस तरह के विवादों के कारण लगभग हर दिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि दोनों राज्यों की सरकारों ने सीमावर्ती गांव की समस्या पर ध्यान नहीं दिया। असम के सीमावर्ती निवासियों के अनुसार, वे सीमा विवाद से तंग आ चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस विवाद के कारण समय-समय पर होने वाली झड़पों के समाधान की दिशा में कार्रवाई करने का आग्रह किया है। उधर बुधवार सुबह स्थिति शांत लेकिन तनावपूर्ण रही क्योंकि दोनों राज्यों के पुलिस बलों ने ग्रामीणों को उस स्थान पर एकत्र होने से रोक दिया जहां झड़प हुई थी। पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए असम के पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में अपने समकक्षों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में अफस्पा की अवधि छह माह के लिए बढ़ी

इंफाल। मणिपुर में हिंसा के बीच बुधवार को अफस्पा का दायरा बढ़ा दिया गया। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों को फिर से अफस्पा के तहत रखा गया है। इसमें मुख्य रूप से घाटी के 19 पुलिस स्टेशनों को शामिल नहीं किया गया है। यानी कि 19 पुलिस स्टेशनों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। बुधवार को सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया कि मणिपुर के 19 पुलिस स्टेशनों को छोड़कर पूरे क्षेत्र को छह महीने के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया जाता है। बताया गया कि अफस्पा -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल-नगालैंड में भी छह महीने के लिए बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश में अफस्पा (सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम) को 1 अक्तूबर 2023 से छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने दो अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं, दोनों राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद ये फैसले लिए गए हैं। गृह -शेष पृष्ठ दो पर

मेजर और उसकी पत्नी पर नाबालिग नौकरानी को प्रताड़ित करने का आरोप

डीमा हसाउ। असम के रहने वाले एक मेजर और उसकी पत्नी पर नाबालिग नौकरानी को प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उन पर पॉस्को, एमसी/एसटी एक्ट,

प्रताड़ना, बाल मजदूरी और गुलामी की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। असम के रहने वाले मेजर शैलेंद्र यादव और उनकी पत्नी ने आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि लड़की सीढ़ियों -शेष पृष्ठ दो पर

दो छात्रों की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन और रैलियां

इंफाल। मणिपुर की राजधानी इंफाल में दो छात्रों के अपहरण और हत्या के विरोध में बुधवार को लगातार दूसरे दिन हजारों छात्रों ने शहर में रैलियां निकाली। दो युवकों की हत्या के खिलाफ विरोध रैली निकाली गई। प्रदर्शन के दौरान कई छात्र घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने दी। इंफाल के मोइरंगखोम में मुख्यमंत्री सचिवालय

से करीब 200 मीटर दूर पथराव कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने बुधवार को कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। भीड़ में कई छात्र घायल हो गए हैं। स्टूडेंट्स दो युवकों के अपहरण और हत्या के विरोध में राज्य की राजधानी के हाऊ मैदान से शुरू हुई एक रैली में भाग लिए। दोनों युवक जुलाई -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बब्बर खालसा के साथ दाऊद के संबंध का पर्दाफाश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने खालिस्तानी आतंकवादी समूह और अंडरवर्ल्ड के बीच संबंधों के जाल का पर्दाफाश किया है। जांच इस बात पर भी प्रकाश डालती है कि कैसे कनाडा और यूरोप के कुछ देश खालिस्तानी आतंकवाद और भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रजनन स्थल बन गए हैं। अदालती दस्तावेज इन परेशान करने वाले संबंधों की सीमा को दर्शाते हैं। एनआईए के निष्कर्षों के अनुसार, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) मुख्य रूप से यूरोप और उत्तरी अमेरिका में रहने वाले सिख समुदाय से धन प्राप्त करता है, जिसका उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों में किया जाता है। बीकेआई को कनाडा के विभिन्न शहरों में सिख रैलियों और धन उगाहने वाले कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से आयोजित करने और उनमें भाग लेने के लिए जाना जाता है। विदेशों में एकत्र किया गया ये धन भारत को लक्षित करने वाली गतिविधियों में अपना रास्ता खोजता है। एनआईए के निष्कर्षों से भारत के सर्वाधिक वांछित अपराधियों में से एक कुख्यात अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

14 देशों के 40 खालिस्तानियों ने वॉशिंगटन में की खुफिया बैठक

वाशिंगटन। खालिस्तान को लेकर खतरनाक मंसूबों वाली एक बड़ी बैठक सितंबर के पहले सप्ताह में अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में की गई। इस बैठक में दुनिया के चौदह देशों के 40 खालिस्तानी चरमपंथियों ने शिरकत की। इस दौरान बैठक में मौजूद चरमपंथियों ने तय किया कि खालिस्तान की आवाज उठाने और जनमत संग्रह में सिखों को शामिल करने के लिए हर तरह के खतरनाक कदम तक उठाने होंगे। गुपचुप तरीके से वॉशिंगटन में आयोजित की

खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सितंबर के पहले सप्ताह में अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में दुनिया भर के 14 मुल्कों से आए खालिस्तानी चरमपंथियों की एक बड़ी बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का आयोजन भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से समूची दुनिया में खालिस्तान को लेकर भारत के विरोध में बड़ी साजिश रचने के लिए किया गया था।

गई इस बैठक की जानकारी केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के हाथों लगी है। जानकारी के मुताबिक उन देशों में खालिस्तानी चरमपंथियों के प्रभाव को और बढ़ाने की बात कही गई, जहां पर अभी तक सिख समुदाय इस तरह के विवाद में बिल्कुल नहीं पड़ा है। तकरीबन 87 देश में अपनी खतरनाक खालिस्तान मुहिम को बढ़ावा देने के लिए *मिशन सिख जॉइंट* को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों को मिले इनपुट के हवाले से पता चला कि सितंबर के पहले सप्ताह आयोजित की गई इस बैठक में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, -शेष पृष्ठ दो पर

गणपति पंडाल में आग नड्डा और बावनकुले को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई (हि.स.)। पुणे जिले में स्थित लोकमान्य गणेशोत्सव मंडल के पंडाल में मंगलवार को अचानक आग लग जाने से अफरा-तफरी मच गई। इस घटना की सूचना मिलने के बाद फायरब्रिगेड के जवानों ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फायरब्रिगेड के जवानों ने आग पर काबू पा लिया और घटनास्थल पर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

आतंकवादी हाफिज के बेटे का अपहरण, आईएसआई में हड़कंप

पेशावर। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफिज सईद के बेटे कमालुद्दीन सईद के अपहरण का समाचार है। दावा किया जा रहा है कि कमालुद्दीन सईद को कल शाम कार सवारों ने अगवा कर लिया। यह सनसनीखेज खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि इस खबर को

लेकर कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है लेकिन सोशल मीडिया पर कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों के ट्विटर हैंडल से दावा किया गया है, कि हाफिज सईद का बेटा कमालुद्दीन सईद कल शाम से लापता है। कुछ और ट्विटर हैंडल से दावा किया गया है, कि हाफिज सईद के बेटे के गायब होने के बाद आतंकी संगठनों और पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई में हड़कंप मच गया है और कमालुद्दीन सईद की तलाशी के लिए जमीन आसमान एक किए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है, कि कमालुद्दीन सईद कल शाम से लापता है और इसका कोई सुराग नहीं मिल -शेष पृष्ठ दो पर

चुनावों को लेकर भाजपा अध्यक्ष ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 29 सितंबर को पार्टी महासचिवों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, अरुण सिंह, तरुण चुग सहित चुनावी राज्यों के प्रभारी भी शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार बैठक में चुनावी राज्यों को लेकर अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और मिजोरम में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति पर चर्चा होगी।

उज्जैन में 12 साल की लड़की के साथ दरिंदगी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में एक 12 साल की लड़की के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया। दरअसल, उज्जैन शहर में एक सड़क पर 12 साल की एक लड़की खून से लथपथ पाई गई और उसकी मेडिकल जांच में पुष्टि हुई कि उसके साथ बलात्कार किया गया था। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने कहा कि लगभग 12 साल की एक लड़की सोमवार को उज्जैन के महाकाल पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित एक सड़क

पर खून से लथपथ पाई गई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी प्रारंभिक चिकित्सा जांच में पुष्टि हुई कि उसके साथ बलात्कार किया गया था। उन्होंने कहा कि लड़की संभवतः उत्तर प्रदेश की रहने वाली है। उसके पास न तो कोई पहचान पत्र है और न ही वह पुलिस को अपना नाम और पता ठीक से बता पा रही है। एसपी ने कहा कि चूंकि नाबालिग की हालत गंभीर थी, इसलिए उसे आगे के इलाज के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

समस्त जीवों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बताया गया है; क्योंकि उसके पास आत्मविवेक और आत्मज्ञान है।
- **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

न्यूज गैलरी

कसाइयों को गाय बेचते हैं इस्कॉन मंदिर वाले : मेनका गांधी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सांसद मेनका गांधी ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पूरी संस्था को एक बड़ा धोखेबाज कहा है। साथ ही यह आरोप लगाए हैं कि वह अपनी गौशालाओं से गाय को देश के कसाइयों को बेचते हैं। इन आरोपों पर अब इस्कॉन की तरफ से सफाई पेश की गई है। उन्होंने अपने ऊपर लगाए लगाए गए सभी आरोपों को झूठे और बेबुनियाद बताए हैं। सांसद मेनका गांधी की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल -शेष पृष्ठ दो पर

अंगदाता परिवार देवता समान है और अंगदान भी देशभक्ति : भागवत

सूरत (हि.स.)। डोनेट लाइफ संस्था की ओर से अंगदाता परिवारों का सम्मान कार्यक्रम बुधवार को अठवालाइन्स स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुआ जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के हाथों 63 आर्गन डोनर परिवारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने कहा कि अंगदाता परिवार देवता समान है और अंगदान भी देशभक्ति है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि मातृभूमि के पुत्र के रूप में एक-दूसरे से जुड़कर और दूसरे की पीड़ा को अपना समझ सके -शेष पृष्ठ दो पर

न्यायपालिकाओं में भी बढ़नी चाहिए महिला भागीदारी : राष्ट्रपति

जबलपुर (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि न्यायपालिका में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। वर्तमान में उच्चतम न्यायालय सिर्फ नौ फीसदी और उच्च न्यायालयों में केवल सिर्फ 14 फीसदी महिला जज हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण देश के लिए आवश्यक है। राजनीति में 33 फीसदी महिला आरक्षण क्रांतिकारी कदम होगा। राष्ट्रपति बुधवार को जबलपुर में मप्र उच्च न्यायालय के नए भवन के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने समारोह में 460 करोड़ की लागत से बनने वाले मप्र उच्च न्यायालय के नए भवन का शिलान्यास किया।

मुख्य कार्यक्रम ट्रिपल आईटीडीएम के ऑडिटोरियम में हुआ। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ ने पुष्प गुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रपति का स्वागत किया। जस्टिस शील नागू ने राज्यपाल को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत अन्य जनप्रतिनिधि, न्यायालय से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महिला में न्याय करने का नैसर्गिक भाव होता है। एक मां कभी बच्चों में भेद -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल : तीन तलाक की मान्यता को एससी ने किया रद्द

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि इस्लामिक समुदाय में तीन तलाक की प्रथा को मान्यता नहीं दी जा सकती है। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि नेपाल के मौजूदा कानूनों के अनुसार तलाक के अलावा अन्य प्रथागत व किसी संप्रदाय विशेष की व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस्लामिक शरिया कानून के आधार पर दिया गया तलाक महिलाओं के साथ अन्याय है। सुप्रीम कोर्ट के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मेरे नाम से कोई घर नहीं, देश की बहनों के नाम से घर बनवा दिए : पीएम

छोटा उदेपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को छोटा उदेपुर के बोडेली में आयोजित समारोह में जिले को 5206 करोड़ रुपए के प्रकल्पों की भेंट दी। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आदिवासी जनता के विकास संबंधी कई योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने अपने प्रचारक जीवन के दौरान छोटा उदेपुर के प्रवासों के संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय बाद बोडेली आए हैं, लेकिन पहले वे बारंबार और त्योहारों पर अक्सर बोडेली आते थे। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र किया और कहा कि इस पर देश की एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति की मुहर लगेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उमरगाम से अंबाजी तक आदिवासी पट्टा के विकास

की भेंट देने का उन्हें मौका मिला है। गुजरात के 22 जिलों और साढ़े 7 हजार ग्राम पंचायतों में वाईफाई पहुंचने का काम आज पूरा हुआ है। इंटरनेट की उत्तम सुविधा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मिलने वाली है। छोटा उदेपुर, वडोदरा में बिताए अपने पुराने दिनों को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले वे सामान्य कार्यकर्ता के रूप में बस से आते-जाते थे। लिंबडी, कालोल, हालोल यह उनका रूट था। बस में आते, सभी से मिलते, कार्यक्रम में शामिल होते और इसके बाद वापस लौट जाते थे। नारेश्वर भी वे अक्सर जाते थे। छोटा उदेपुर की परिस्थिति को उन्होंने बहुत नजदीक से देखा है। सरकार में आने के बाद उन्हें लगा कि इस आदिवासी पट्टी का विकास करना है। इसके लिए कई योजनाएं बनाई गईं। इसका लोगों को लाभ मिल रहा है। छोटा उदेपुर को देखकर ऐसा लगता है कि परिश्रम रंग लाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छे स्कूल व सड़कें बनी हैं।

शहरों और नागरिकों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार करें भविष्य का रोडमैप : राष्ट्रपति

भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि शहरों और नागरिकों की जरूरत का आकलन कर विकास का रोडमेप तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर चिंता जाहिर करते हुए स्मार्ट शहरों में किये जा रहे कार्यों को सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में और टिकाऊ विकास पर और अधिक काम किये जाने की जरूरत है। शहरी विकास में समग्र निवेश पिछले दशकों में दोगुना से अधिक हुआ है। स्मार्ट सिटी मिशन का इसमें बढ़ा योगदान है। राष्ट्रपति मुर्मू बुधवार को इंदौर में इंडिया स्मार्ट सिटी कान्क्लेव-2023 को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने समारोह में आईसी अवार्ड सेरेमनी में विजेता शहरों और राज्यों को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने कहा कि इन्दौर ने भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है। इंदौर देश की स्मार्ट सिटीज में भी सबसे ऊपर है। उन्होंने इंदौर के निवासियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन के अधिकारियों, केंद्र सरकार के संबद्ध विभागों तथा अन्य सभी स्टेकहोल्डर्स की सराहना की। उन्होंने इंडिया स्मार्ट सिटीस अवार्ड कॉन्टेस्ट 2022 में मध्य प्रदेश द्वारा बेस्ट स्टेट का गौरव प्राप्त करने पर राज्य के सभी निवासियों, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उनकी पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने राज्य के सभी स्मार्ट शहरों में किए जा रहे कार्यों से जुड़े लोगों की सराहना भी की। साथ ही सर्वश्रेष्ठ केंद्रशासित प्रदेश का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए चंडीगढ़ और राज्यों के प्रदर्शन के आधार पर दूसरा स्थान प्राप्त करने के लिए तमिलनाडु तथा संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त करने के लिए राजस्थान और उत्तर प्रदेश को भी बधाई दी।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
जनरल सर्जन
डॉ. आर वेंकटसुब्रमणियम, MS., DNB, MNAMS, MRCS, FNB (Laparascopic Surgery)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
8 अक्तूबर, 2023 को
जो मरीज पीलिया रोग, (जौंडिस), अल्सर्स, पेट में जलन, लीवर समस्या, पथरी (गोलब्लडर स्टोन) खून की (उलटी)मोशन में ब्लड से परेशान हैं और सर्जरी की आवश्यकता /लेपेरोस्टोपिक सर्जरी में अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

आईआईटी गुवाहाटी ने पानी से तेल अलग करने वाला तंतु विकसित किया

गुवाहाटी। आईआईटी गुवाहाटी के अनुसंधानकर्ताओं ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने एक ऐसा तंतु विकसित किया है, जो पानी से तेल को अलग कर सकता है। इससे तेल रिसाव के कारण होने वाले समुद्री

प्रदूषण से निपटने में मदद मिलेगी। आईआईटी गुवाहाटी के रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर वैभव गौड़ ने बताया कि चावल की भूसी का इस्तेमाल कर सिलिका नैनो पार्टिकल्स आवरण वाला कपास तंतु विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद समुद्री तेल प्रदूषण के उपशमन के लिए कृषि अपशिष्ट को उपयोगी मूल्यवर्धित उत्पाद में बदलना था। सुतापा दास के साथ यह शोधपत्र लिखने वाले गौड़ ने कहा कि औद्योगिक अपशिष्ट या हादसे के कारण होने वाले तेल रिसाव से जलीय पारितंत्र को अपूरणीय क्षति होती है तथा स्कीमिंग या वहां पर आग लगाने की प्रविधियां निष्प्रभावी, महंगी साबित होती हैं तथा उनसे और प्रदूषण फैलता है। गौड़ ने कहा कि हमारी प्रौद्योगिकी के पर्यावरण के लिए कई फायदे हैं। धान की भूसी कृषि सह उत्पाद है और उसमें सिलिका होता है। उसमें आमतौर पर गैरवैज्ञानिक ढंग से चलाया जाता है, फलस्वरूप वायु प्रदषण होता है।

मनाह नेशनल पार्क 1 अक्तूबर से पर्यटकों के लिए खुलेगा

गुवाहाटी (हिंस)। जीवों को पास से देखने के शौकीन पर्यटकों के लिए अच्छी खबर है। मनाह नेशनल पार्क को देसी व विदेशी पर्यटकों के लिए 1 अक्तूबर से खोला जाएगा। यह जानकारी बुधवार को मनाह के फील्ड डायरेक्टर राजेन चौधरी ने दी है। उन्होंने बताया कि मानसून के कारण राष्ट्रीय उद्यान 5 जून से बंद था। बेकी नदी का जलस्तर कम हो जाने के कारण पार्क में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। अब अक्तूबर से देशी-विदेशी पर्यटक मनाह नेशनल पार्क की सैर कर सकेंगे।

हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भरलुमुख इलाके से पुलिस ने हेरोइन की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि बीती रात भरलुमुख थाना क्षेत्र से हेरोइन के साथ समीर माजूमदार (22) और अकाश गुसी (19) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 1.29 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया। हेरोइन के अलावा पुलिस ने दोनों के पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किया है।

एनडीआरएफ की 12वीं बटालियन ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की दी दिवसीय प्रथम, द्वितीय, नौंवी और 12वीं वाहिनियों के बीच अंतर बटालियन-जोनल फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता का समापन हो गया। बुधवार को टूर्नामेंट के फाइनल मैच में 12वीं वाहिनी ने एक रोमांचक मुकाबले में प्रथम वाहिनीं को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की है। मुख्य अतिथि प्रथम वाहिनी एनडीआरएफ के कमांडेंट एचपीएस कंडारी ने समापन समारोह में विजेता, उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह प्रतियोगिता 26 सितंबर से शुरू हुई थी।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
ऑब्स्टेट्रिसियन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. विनुथा अरुणाचलम MBBS, MD (Obstetrics & Gynaecology,) DNB (OBG)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
8 अक्तूबर, 2023 को
जिस मरीज को गर्भधारण में कठिनाई है, बार-बार एबॉर्सेन्स हो जाता है, गर्भाशय और ऑवेरी में घाव (ट्यूमर्स) हो, असामान्य रक्त आता हो (ब्लीडिंग) श्वेत डिसचार्ज और किसी प्रकार का स्त्री रोग है, वे अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

असम-मेघालय सीमा...

के साथ समन्वय कर रहे हैं। लापांगप गांव के बुजुर्ग (वाहे श्नोंग) देइमोनमी लिंगदोह ने दावा किया कि गांव के किसान अपने धान के खेतों की देखभाल कर रहे थे, उन पर खेतों के पास छिपे असम के लोगों ने गुलेल, धनुष और तीर से हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले के बारे में जानकर, हमारे गांव के लगभग 250-300 लोग घटनास्थल पर गए और धनुष-बाण और गुलेल से जवाबी कार्रवाई की, जिससे कल पूरे दिन तनाव बना रहा। उन्होंने जिला प्रशासन से उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। 22 नवंबर को असम-मेघालय अंतर्राज्यीय सीमा के एक विवादित खंड पर मुकरोह में गोलीबारी की घटना में पांच मेघालय निवासियों और असम के एक वन रक्षक सहित कम से कम छह लोग मारे गए थे। दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच अंतर्राज्यीय सीमा को पुनर्गठित करने के लिए आधिकारिक वार्ता उन्नत चरण में है, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री वार्ता के एक और दौर के लिए अगले महीने की शुरुआत में बैठक करने वाले हैं। पिछले साल, असम और मेघालय ने मतभेद वाले छह क्षेत्रों में विवाद को सुलझाने के लिए एक सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। सूत्रों ने बताया कि मतभेद वाले बाकी छह क्षेत्रों पर बातचीत अग्रिम चरण में है।

मणिपुर के पहाड़ी ...

कानून एक अक्तूबर, 2023 से प्रभावी होगा। जानकारी के अनुसार, इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, सेकमाई, लैमसांग, पास्टोल, वांगोई, पोरोंप्रैट, हेंगांग, लामलाई, इरिबुंग, लीमाखोंग, थौबल, बिष्णुपुर, नंबोल, मोइरंग, काकचिन और जिरबाम पुलिस स्टेशनों को अफस्पा से बाहर रखा गया है। बता दें कि मणिपुर में मई से हिंसा जारी है। मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी हिंसा में अब तक कई लोगों की जानें गई हैं। वहीं, कई लोग घायल हुए हैं। बीते दिन ही मणिपुर में तनाव की स्थिति को देखते हुए फिर से इंटरनेट बैन कर दिया गया। मणिपुर में हाल ही में हुए दो छात्रों की हत्या के बाद तनाव की स्थिति बढ़ गई है, जिससे ऐसे कदम उठाने पड़े। मणिपुर सरकार ने राज्य में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को तत्काल प्रभाव से एक अक्तूबर, 2023 की शाम 7:45 बजे तक निलंबित करने का निर्णय लिया है।

अरुणाचल-नगालैंड में ...

मंत्रालय की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, नगालैंड के डीमापुर, न्यूलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों और खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा दक्षिण, क्षेत्रों, कोहिमा जिले में जुब्जा और केजोचा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकों में अफस्पा को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। अफस्पा का विस्तार नगालैंड के मोकोकचुंग जिले के मंगकोलेम्बा, मोकोचुंग-1, लोंगथो, तुली, लोंगकेम और अनाकी *सी* पुलिस स्टेशनों, लोंगलेंग जिले के यांगलोक पुलिस स्टेशन, वोखा जिले के भंडारी, चंपांग और रालन पुलिस स्टेशनों, घटाशी, पुघोबोटो, सातखा, जुन्हेबोटो जिले में सुरुहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनातो पुलिस स्टेशन क्षेत्र में भी किया गया है। एक अलग अधिसूचना में, गृह मंत्रालय ने कहा कि अफस्पा कानून को अरुणाचल प्रदेश के जिले तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग में अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है और नामसाई जिले के नामसाई, महादेवपुर और चौखम पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में भी यह प्रभावी होगा। सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम अफस्पा एक ऐसा कानून है जो सेना और अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को छापेमारी और अभियान चलाने और बिना किसी पूर्व सूचना या गिरफ्तारी वारंट के कहीं भी किसी को भी गिरफ्तार करने की अनुमति देता है।

मेजर और उसकी ...

से गिर गई थी, तभी उसे चोट लग गई। डीमा हसाउ के एसपी मयंक कुमार ने बताया कि नाबालिग लड़की का आरोप है कि मालकिन मेरे काम से खुश नहीं रहती थीं। इसीलिए मुझे कमरे में बंद कर देतीं, बाल खींचती और बेलन से पीटती थीं। वो मेरे कपड़े उतारकर तब तक पीटतीं, जब तक मैं लहूलुहान नहीं हो जाती। कई बार उन्होंने मुझे अपना खून चाटने तक को मजबूर किया। पुलिस ने बताया कि लड़की के दांत टूटे हुए हैं। शरीर पर जलने के निशान हैं। मेडिकल रिपोर्ट में पता चला कि उसकी नाक की हड्डी टूटी हुई है। जीभ पर गहरे घाव हैं। कपल करीब 6 महीने से नाबालिग को प्रताड़ित कर रहा था। वे ज्यादातर समय लड़की को बिना कपड़ों के रखते थे। जब वो खाना मांगती तो उसे डस्टबिन से खाना खिलाते। 6 महीने बाद घर लौटी तो आपबीती सुनाई आरोपी मेजर शैलेंद्र यादव ने असम की रहने वाली नाबालिग लड़की को अपने बच्चों की देखभाल के लिए काम पर रखा था। मेजर हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में तैनात था, इसीलिए लड़की को अपने साथ ले गया। यहां लड़की को करीब 6 महीने तक प्रताड़ित किया गया। असम लौटने पर लड़की ने अपने परिवार को आपबीती सुनाई। परिवार ने पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित की मां का कहना है कि जब मेरी बेटी घर लौटी तो हम मुश्किल से उसे पहचान सके। वह सिर्फ 16 साल की है, लेकिन बुजुर्ग दिखने लगी है। उसके दांत टूटे हैं और चेहरे पर जलने के निशान हैं। उसके कान कटे हुए हैं और बात करने में भी परेशानी हो रही थी।

दो छात्रों की हत्या...

से लापता हो गए थे और जिनकी तस्वीरें हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। अधिकारियों ने बताया कि छात्र *हमें न्याय चाहिए* के नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री बीरेन एन सिंह के बंगले की ओर बढ़ रहे थे। पुलिस ने बच्चों के बीच घोषणा करके गुस्से को शांत करने की कोशिश की। पुलिस ने अपने घोषणा में कहा कि छात्र प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री और राज्यपाल दोनों से मिलने की अनुमति देने की व्यवस्था की जा रही है। रैली का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता लान्थेंगबा ने संवाददाताओं से कहा कि हम मांग करते हैं कि दोनों छात्रों के हत्यारों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए और उनके अंतिम संस्कार के लिए उनके शव बरामद किए जाएं। हम अपनी शिकायतों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री से भी मिलना चाहते हैं। कैसे हम अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं जब हमारे दोस्तों और सहपाठियों की बेरहमी से हत्या की जा रही है।

बब्बर खालसा के...

बीकेआई के संबंधों का भी पता चला। जांच में बीकेआई और दाऊद इब्राहिम के बीच सांठगांठ का खुलासा हुआ है, जिसके तार लश्कर-ए-तैयबा और इंडियन मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठनों तक फैले हुए हैं। खुलासा हुआ है कि 2002 में एक बैठक हुई थी, जहां बीकेआई के नेता लखबीर सिंह का करीबी इकबाल बंटी अब्दुल करीम टुंडा को कराची में दाऊद के आवास पर लाया था। पाकिस्तान, उत्तरी अमेरिका और यूरोप में तैनात आतंकवादियों के साथ, बीकेआई की उपस्थिति भारत की सीमाओं से कहीं अधिक विस्तारित हो गई है। इसके अलावा, बीकेआई संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड में सक्रिय रहता है, जो सुरक्षा के लिए वैश्विक खतरा पैदा करता है। एनआईए की जांच से यह भी पता चला है कि बीकेआई पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के समर्थन से पाकिस्तान से अपना अभियान जारी रखती है। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा जून में सरे में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों के संभावित संबंध का आरोप लगाने के बाद भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के बीच उपरोक्त निष्कर्ष सामने आए हैं। सरकार ने बार-बार कनाडा सहित विदेशों में आतंकवादियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराए जाने की बात कही है।

14 देशों के 40 खालिस्तानियों ...

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, हांगकांग, पुर्तगाल, इटली, स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, सिंगापुर और कीनिया से आए 40 खालिस्तानी चरमपंथियों ने तकरीबन दो दिन तक बैठक में मंथन किया कि किस तरह से खालिस्तान की आवाज को दुनिया के अलग-अलग देश में रह रहे सिख कम्युनिटी में बढ़ाया जाए। भले इसके लिए कितनी भी खतरनाक प्लानिंग क्यों ना करनी पड़े। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस दौरान बैठक में जुटे 40 खतरनाक चरमपंथियों ने *मिशन सिख जॉइंट* के नाम से बड़े अभियान को आगे बढ़ाने की खतरनाक तरीके से साजिश रचनी शुरू की। जानकारी के मुताबिक कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के 14 प्रमुख खालिस्तान चरमपंथियों ने प्रस्ताव रखा कि जिन देशों में सिख समुदाय रहता है, वहां पर खालिस्तान की मांग और उसके लिए किए जाने वाले जनमत संग्रह को और बढ़ाने की आवश्यकता है। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान वॉशिंगटन की इस बैठक में खालिस्तान चरमपंथी एमआर धालीवाल भी मौजूद था। खुफिया एजेंसी को मिली जानकारी के मुताबिक इस बैठक में तय किया गया कि दुनिया के तकरीबन 87 देश में रह रहे सिखों की हर छोटी बड़ी आबादी में खालिस्तान के लिए माहौल बनाया जाए। सूत्रों के मुताबिक जिस मिशन को वॉशिंगटन इस बैठक में आगे बढ़ाने की रणनीतियां बनाई गई हैं, वह बेहद खतरनाक हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी को मिले इनपुट के आधार पर पता चला है कि शुरुआती दौर में जिन देशों के लिए यह खतरनाक साजिश की जा रही है, वहां पर सिखों को भावनात्मक रूप से अपने साथ जोड़ने की पहली रणनीति शामिल है। जानकारी के मुताबिक सिखों के उत्पीड़न से लेकर भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के बाद हुई त्रासदी पर भावनात्मक रूप से सभी सिखों को जोड़ने की बात कही गई है। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान तय यही हुआ है कि जिस तरह कनाडा में गुरुद्वारों के माध्यम से सिखों के बीच में खालिस्तान की बात पहुंचाई जा रही है, ठीक उसी तर्ज पर दुनिया के अलग-अलग देश में इसे आधार बनाकर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। इसमें ऑडियो वीडियो और चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से खालिस्तानियों ने खतरनाक मंसूबों को आगे बढ़ाने की साजिश रची है। जानकारी के मुताबिक खालिस्तानी आतंकी गुरु पतवंत सिंह पन्नू समेत मोनिंदर सिंह बुआल, परमिंदर सिंह पंगली और भगत सिंह बराड़ जैसे लोगों ने न सिर्फ कनाडा, बल्कि वॉशिंगटन में भी लगातार साजिशों को अंजाम देने की तैयारी कर रखी हैं। कनाडा में तो बाकायदा भारत के खिलाफ खालिस्तान मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए पंजाब के युवाओं को ह्यूमन ट्रैफिकिंग के माध्यम से बुलाने की खतरनाक साजिशें रचनी शुरू कर दी थीं, जो अभी भी चल रहीं हैं।

गणपति पंडाल में आग...

कुलिंग का काम जारी है। जानकारी के अनुसार पुणे में आज भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले पूजा-अर्चना कर रहे थे। इसी दौरान उक्त गणेश मंडल में अचानक आग लग गई। इसकी सूचना मिलते ही फायरब्रिगेड के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और यहां फंसे जेपी नड्डा तथा बावनकुले सहित अन्य नागरिकों को बाहर निकाला। इसके बाद फायरब्रिगेड के जवानों ने आग पर काबू पा लिया।

आतंकवादी हाफिज के ...

रहा है। टाइम्स अल्जेब्रा नाम के ट्विटर हैंडल से दावा किया गया है, कि कमालुद्दीन सईद लापता हो गया है और उसे अज्ञात लोग अपने साथ ले गए हैं। ट्विटर हैंडल से बिग ब्रेकिंग न्यूज पब्लिश की गई है, जिसमें दावा किया गया है, कि भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी हाफ़्जि सईद का एक बेटा कमालुद्दीन सईद कल से लापता है। आगे दावा किया गया है, कि कमालुद्दीन सईद को पेशावर से कुछ अज्ञात कार सवार ले गए हैं। आईएसआई अभी भी उसका पता लगाने में सफल नहीं हुई है और उसका कोई सुराग नहीं है। इस घटना के बाद आईएसआई और अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन सदमे में हैं। पाकिस्तानी एजेंसियों में हड़कंप इसलिए भी मचा है, क्योंकि पिछले दिनों कई वांटेड आतंकियों की हत्या की गई है, जिसमें भारत के भगोड़े खालिस्तानी आतंकी भी शामिल हैं। वहीं, पिछले साल हाफिज सईद के घर के पास बम धमाका भी हुआ था और पाकिस्तानी एजेंसियों ने दावा किया था, कि हाफिज सईद को मारने की कोशिश की गई थी।

उज्जैन में 12 साल...

मंगलवार को इंदौर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि महाकाल थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच और सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है ताकि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। इस बीच, मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमल नाथ ने मांग की कि पीड़िता को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए और मामले के आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए। उज्जैन में एक छोटी बच्ची के साथ बेहद क्रूर बलात्कार का मामला देखकर दिल दहल जाता है। 12 साल की बेटी के साथ जिस तरह का जघन्य अपराध हुआ और जिस तरह से वह अर्धनग्न होकर शहर के कई इलाकों में घूमती रही। नाथ ने बुधवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कहा कि नग्न अवस्था और सड़क पर बेहोश होने से पहले, मानवता को शर्मसार करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश में कानून का राज खत्म हो गया है और अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं जबकि जनता परेशान है। उधर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक लड़की के साथ बलात्कार की घटना को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य में बेटियों के साथ दुष्कर्म के लिए सिर्फ अपराधी नहीं, बल्कि प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार भी गुनहगार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इस घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधा और दावा किया कि महिलाओं के साथ दुष्कर्म के सबसे ज्यादा मामले मध्य प्रदेश में होते है। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में लगभग 12 वर्षीय एक लड़की सोमवार को सड़क पर खून से लथपथ हालत में पाई गई और चिकित्सा जांच में उसके साथ बलात्कार किए जाने की पुष्टि हुई है। खड़गे ने *एक्स* पर पोस्ट किया किमोदी जी जगह-जगह घूमकर महिला आरक्षण का सपना दिखा रहे हैं, और वाहवाही बटोरने की कोशिश कर रहे हैं।

अंगदाता परिवार देवता ...

और उसके सुख-दुख में सहभागी हो तो वही व्यक्ति जन है। वर्तमान समय में अंगदान ही देशभक्ति है। उन्होंने मनुष्य को समाज के लिए जीने और समाज के लिए मरने की बात कही। भागवत ने कहा कि नर में से नारायण बनकर शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक रूप से सक्षम बनकर समाज रूपी भगवान के चरणों में अच्छा दान करना चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि सूरत के लोगों में सूरत और सीरत दोनों है, जो कि भाग्य से मिलता है। सूरत स्वच्छता में समग्र देश में दूसरे नंबर पर है, इसी तरह अंगदान जैसे कार्य में भी सूरत अग्रसर रहे, यह उम्मीद है। अंगदान एक अच्छा कार्य है और जहां संघ की जरूरत पड़ेगी वहां समाज के साथ मिलकर कार्य करेंगे यह भरोसा है। सूरत और दक्षिण गुजरात में अंगदान के संबंध में जागरूक करने वाली संस्था डोनेट लाइफ के अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला ने कहा कि डोनेट लाइफ ब्रेन डेड व्यक्ति के परिवारजनों को अंगदान के महत्व के बारे में समझा कर उनसे अंगदान करवाकर आर्गन फेल मरीजों को नवजीवन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि अभी तक भारत में 94 फीसदी लोगों को अंगदान के बारे में जानकारी नहीं है। हर साल 12 लाख व्यक्तियों में से महज एक व्यक्ति का अंगदान हो पाता है। यह अनुपात दूसरे देश की तुलना में बहुत कम है। संस्था ने अब तक सूरत समेत पूरे देश में कुल 1173 अंगों और टीश्यू का दान करवा कर देश और विदेश के 1077 व्यक्तियों को नवजीवन प्रदान कराया है। इस कार्यक्रम में भारतीय पोस्ट विभाग की ओर से अंगदान थीम पर एक खास कवर जारी किया गया। सम्मान समारोह में 106 ग्रीन कोरिडोर बनाने के लिए सूरत शहर पुलिस, सूरत एयरपोर्ट ऑथरिटी और सूरत सिविल अस्पताल, स्मीमेर अस्पताल को भी सम्मानित किया गया। अंगदान के प्रति लोगों को प्रतिज्ञा कराई गई। कार्यक्रम में समस्त गुजरात मोढ-मोदी समाज के अध्यक्ष सोमाभाई मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पश्चिम क्षेत्र कार्यवाह यशवंत भाई चौधरी, रामकृष्ण एक्सपोर्ट के मालिक गोविंद भाई धोलकिया भी मौजूद रहे।

न्यायपालिकाओं में भी ...

नहीं करती। महिलाओं की भागीदारी न्यायपालिका के हित में होगी। न्यायपालिका का लक्ष्य सरल, सुलभ, त्वरित न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदालतों में पेंडेंसी और पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर बड़ी चुनौती है। देश की ट्रायल कोर्ट्स में 4.5 करोड़ केस पेंडिंग हैं। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगू भाई पटेल में कहा कि मैं चाहूंगा कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट भी अपने आदेशों को हिंदी में सुनाने की दिशा में पहल करे। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ ने कहा कि मैं चाहता हूं कि मेरे राज्य यानी मध्य प्रदेश का न्याय सिस्टम सबसे अच्छा हो, ताकि लोगों के साथ अन्याय ना हो। न्याय सिस्टम को ठीक करने के लिए हर दिन, हर घड़ी, हर पल मेहनत करना पड़ता है, ताकि भविष्य में अच्छा रिजल्ट देख पाएं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि 134 साल पुरानी हाई कोर्ट की बिल्डिंग थी। इसकी आवश्यकताएं भी बदल गईं। बिल्डिंग के लिए माइक्रो प्लानिंग की गई है। उन्होंने कहा कि हम ऐसा न्याय भवन बनाएंगे जो कि आने वाले 134 साल तक फिर भवन की जरूरत ना पड़े। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों से मांग की है कि जिस तरह से कोविड के समय ऑनलाइन सुनवाई होती थी, उसी तरह टेक्नोलॉजी और नई व्यवस्थाओं के साथ फैसला लेना चाहिए, यह सोचना होगा। उन्होंने कहा कि जो गंभीर मामले हैं, उन पर किस तरह शीघ्र न्याय मिल सके, इस पर भी विचार किया जाना चाहिए।

नेपाल : तीन तलाक ...

न्यायाधीश टंक बहादुर मोक्तान और हरिप्रसाद फुयाल की संयुक्त पीठ द्वारा दिए गए फैसले में कहा गया कि नेपाल में इस्लामिक मान्यता के अनुसार दिए गए तलाक के आधार पर दूसरी शादी की छूट नहीं है। अदालत ने सभी धर्मों और धार्मिक आस्था को मानने वाले पुरुषों के लिए समान कानून लागू होने की बात कही है। तलाक के बाद दूसरी शादी की मान्यता को लेकर काठमांडू के रहने वाले मुनव्वर हसन के खिलाफ उनकी पहली पत्नी साविया तनवीर हसन द्वारा दायर रिट पर निचली अदालतों के फैसले में सुधार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तलाक और बहुविवाह में अन्तर होने की बात स्पष्ट कर दी है। कोर्ट ने कहा कि बहुविवाह करना नेपाल में कानूनन जुर्म है और इस्लामिक मान्यताओं के आधार पर तलाक के बाद होने वाला निकाह बहुविवाह ही माना जाएगा। अदालत ने कहा कि कुरान में महिलाओं के साथ भेदभाव करने और पुरुषों को विशेषाधिकार देने की बात कहीं नहीं लिखी है इसलिए तीन तलाक का प्रसंग ही गलत है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तीन तलाक को लेकर दिए गए फैसले का जिक्र करते हुए नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत की उच्चतम न्यायालय ने भी तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित कर दिया। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने *तलाक-ए-बिद्दत* के मुद्दे को एक आपराधिक कृत्य माना है और इसे अवैध घोषित कर दिया है।

कसाइयों को गाय ...

होने के बाद यह मामला सामने आया। इस वीडियो में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस्कॉन पर आरोप लगाए कि वह गौशालाएं स्थापित करता है, जिसके लिए वह सरकार से जमीन का टुकड़ा लेता है और बाद में उससे लाभ उठाता है। मेनका गांधी सांसद के अलावा एक पशु अधिकार कार्यकर्ता भी हैं। संस्थान पर निशाना साधते हुए मेनका गांधी ने इस्कॉन का अपना एक अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा कि मैं हाल ही में आंध्र प्रदेश में स्थित अनंतपुर गौशाला गई थी, जो इस्कॉन द्वारा संचालित होता है। वहां पर गायों की स्थिति एकदम खराब थी। गौशाला में कोई भी बछड़ा नहीं था, जिसका मतलब है कि वह गाय के बच्चे को बेच देते हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए कहा कि संस्थान अपनी गाय कसाइयों को बेच देता है जो उन्हें मार देते हैं। बताया जा रहा है कि मेनिका गांधी का यह वीडियो तकरीबन एक महीने पुराना है। संस्थान पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए इस्कॉन ने अपना पक्ष सामने रखा है। इस्कॉन के राष्ट्रीय प्रवक्ता युधिष्ठिर गोविंदा दास ने कहा कि हमारा संस्थान न सिर्फ भारत, बल्कि विश्व स्तर पर गाय और बैल की सुरक्षा और देखभाल करता है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां गायों की सेवा जीवन भर की जाती है, न कि उन्हें कसाइयों को बेचा जाता है।

सिलचर में सात करोड़ की हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस को नशे के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सोनाई क्षेत्र के काबुगंज में कल रात की गई एक छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक बोलेरो गाड़ी से 88 हेरोइन से भरे साबुनदानी को जब्त किए। साबुनदानी से कुल 1.15 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि जब्त हेरोइन की कीमत करीब सात करोड़ रुपए है। पुलिस ने कहा कि तस्करों ने पड़ोसी राज्य से हेरोइन की आपूर्ति करने और कछार होते हुए बाहरी राज्य में आपूर्ति करने की योजना बनाई थी। उल्लेखनीय है कि पुलिस टीम हेरोइन जब्त करने के साथ ही तीन तस्करों को गिरफ्तार करने में सफल रही। गिरफ्तार तस्करों की पहचान धोलाई भागाबाजार के बहारुल लश्कर, रोहित लस्कर और राहुल लस्कर के रूप में हुई है।

आगामी चुनावों में कांग्रेस का होगा सूपड़ा साफ : पीयूष

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि उन्होंने कुछ दिन पहले थोड़ा गलत कहा था कि कांग्रेस को उखाड़ फेंकूंगा या कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दूंगा। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस का सफाया हो ही चुका है। मीडिया को दिए इस बयान में मंत्री ने कहा कि मैं अहंकारी नहीं हूं। मैंने कहा था कि मैं कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दूंगा, लेकिन, कांग्रेस पहले से ही साफ है। उन्होंने कहा कि कोलियाबोर से लेकर सदिया तक दो को छोड़कर कांग्रेस के कोई विधायक नहीं हैं? इधर, नलबाड़ी

से लेकर जोनाई तक एक को छोड़कर कहीं कांग्रेस के विधायक नहीं हैं। ऊपरी असम में कांग्रेस के केवल तीन विधायक हैं। दोनों तरफ कांग्रेस के तीन-तीन विधायक हैं। पहाड़ों में भी इसके विधायक नहीं हैं। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस केवल अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में है। अल्पसंख्यक विधायक होने के नाते शायद ही उनके पास एक भी ऐसे विधायक हैं जो अल्पसंख्यक वोटों से जीतने की कुबत रखते हैं। वे कहीं नहीं हैं। इसलिए मैंने गलत उद्धृत किया कि मैं कांग्रेस को साफ कर दूंगा। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। मंत्री ने दोहराया कि हमें सफाई करने की जरूरत नहीं है, कांग्रेस पूरी तरह से साफ है आने वाले चुनावों में कांग्रेस और भी साफ हो जाएगी।

बरपेटा के कलैरडिया में अजगर बरामद

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के आलोपति चर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले कलैरडिया में बुधवार सुबह अजगरों को बचाने को लेकर हंगामा मच गया। पता चला है कि कलैरदिया गांव के नूर मोहम्मद अली के बेटे इंजमामुल हक ने नींद से उठकर घर के पिछले हिस्से में बैंगन की खेती देखी। बैंगन के खेत में जाल में लिपटे विशालकाय अजगर को देखकर युवक डर गया। इससे गांव में मचा हड़कंप। करीब 10 फीट लंबाई में अजगर घायल पाया गया। स्थानीय लोगों का अनुमान है कि अजगर के डंठल का वजन करीब 25 किलो होगा. अजगर को देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ देखी जा रही है. इस खबर से गांव में हड़कंप मच गया है। अंत में लोगों ने अजगर को बरामद कर थाने में जमा कर दिया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की मातृ शोक में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रंगिया (विभास)। रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता की मां जमुनाबाला डेका का गत 15 सितंबर को निधन हो गया। यह खबर पाकर सोमवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा कामरूप जिले के सुतारकूची गांव स्थित विधायक कलिता के घर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले स्व. जमुनाबाला डेका के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया और उनकी आत्मा की शांति की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से बातचीत करते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री के स्व. माता जमुनादेवी के निधन पर उनसे मिलने के लिए उपस्थित होने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तथा रंगिया के विधायक भवेश कलिता द्वारा उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई है। बता दें कि इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अपने विधानसभा क्षेत्र के बेजेरा उच्चत्तर माध्यमिक

विद्यालय के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बेजेरा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय को आदर्श विद्यालय के रूप में पुनर्निर्मित करने की जानकारी दी तथा विद्यालय की महा रजत जयन्ती पर विद्यालय को सुंदर विद्यालय भवन का उपहार देने की घोषणा की।

नगालैंड सरकार ने वाहनों की आवाजाही पर लगाई रोक

कोहिमा (हिंस)। नगालैंड सरकार ने मोन जिले के आंगजांगयांग उप-मंडल में हुई वाहन दुर्घटना के कारण असम के चराईदेव जिले में उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर मोन जिले से असम के सोनारी तक वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। नगालैंड प्रशासन द्वारा आज इस बाबत ट्रेवल एडवाइजरी जारी की गई है। नगालैंड के मोन जिले के डिप्टी कमिश्नर कार्यालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एहतियाती उपाय के रूप में, सार्वजनिक परिवहन और संबंधित गतिविधियों में लगे सभी वाहनों को मोन जिले से यात्रा करने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। स्थिति सामान्य होने तक असम के सोनारी, चराईदेव मार्ग से असम या डिमापुर नहीं जाएं। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि सोनारी, चराईदेव, असम मार्ग से यात्रा करने की योजना बनाने वाले सभी व्यक्तिगत तथा निजी वाहनों को सलाह दी जाती है कि वे उपर्युक्त मार्ग लेने से बचें और स्थिति सामान्य होने तक वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करें। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को नगालैंड के मोन जिले में असम के चराईदेव जिले के दो युवकों के अर्धनग्न शव बरामद होने के बाद से जिले में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है।

बांग्लादेश सीमा पर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर जब्त, महिला गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस को ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने आज बताया कि बीती रात बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर काटीगोरा के नाथनपुर में छापा मारकर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर जब्त की गई। गुप्त सूचना के आधार पर कलैन पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपी की 147वीं बटालियन ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर एक महिला के पास से ब्राउन शुगर के 16 पैकेट जब्त किए। जब्त ब्राउन शुगर का वजन करीब 190 ग्राम है। जिसका बाजार मूल्य करोड़ों रुपए है। कलैन थाने की पुलिस और असम राइफल्स को नाथनपुर के कुख्यात ड्रग्स डीलर अल्फाज उद्दीन और उसकी पत्नी हसना बेगम के घर में भारी मात्रा में ब्राउन शुगर जमा होने की सूचना मिली थी। इसकी पुष्टि होने के बाद बीती रात को कलैन थाना प्रभारी अविजित बरुवा के नेतृत्व में अल्फाज उद्दीन के घर पर छापेमारी की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेरी माटी मेरा देश शीर्षक पर आजादी की अमृत कथा यात्रा कार्यक्रम आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। असम सरकार के निर्देश पर बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अग्रणी शिक्षण संस्थान आलोपाति के डॉ. जाकिर हुसैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों और शिक्षण कर्मचारियों ने आज *मेरी मिट्टी मेरा देश* विषय पर आजादी की अमृत कथा यात्रा का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लागू किया। इस अवसर पर सुबह तड़के विद्यालय के छात्र-छात्राओं व अध्यापकों ने ग्रेटर गांव आलोपाति से होते हुए जुलूस निकाला और विभिन्न स्थानों से भूमि एकत्र कर विद्यालय में

संग्रहित किया। इसके बाद स्कूल परिसर में छात्रों के बीच विभिन्न प्रकार के देशभक्ति गीत, नृत्य आदि किए जाते हैं। इसके अलावा आजादी की अमृत कालह यात्रा के साथ मेल खाने के लिए आयोजित सभा के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर वीरांगना को श्रद्धा पूर्वक याद किया गया।

पूर्व मंत्री ताकू की आयोग के सदस्य नियुक्ति नीति में सुधार की अपील

इटानगर(हिंस)। पूर्व मंत्री बिदा ताकू ने अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री से अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) के सदस्य नियुक्ति नीति में सुधार के लिए हस्तक्षेप की अपील करते हुए कुछ सुझाव भी दिए। पूर्व मंत्री ताकू ने आज मीडिया को संबोधित करते हुए दावा किया कि नियुक्ति नीति की कमी और एपीपीएससी के अध्यक्षों सहित सदस्यों में अधिकतम राजनीतिक नियुक्ति के कारण आयोग की परीक्षा में बहुत सारे भ्रष्टाचार के मामले और पेपर लीक के मुद्दे सामने आ रहे हैं। आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के बारे में कुछ सुझाव देते हुए उन्होंने कहा कि आयोग का अध्यक्ष का पद सबसे वरिष्ठ और सबसे अनुभवी सेवारत सदस्य को दिया जाना चाहिए और देश के यूपीएससी और अन्य राज्य पीएससी में इसका पालन किया जाना चाहिए। सरकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति से पहले राज्य राजस्व विभाग से सतर्कता मंजूरी प्राप्त करनी चाहिए, उसे जातीयता/धर्म/क्षेत्र या मौलिक विचार के किसी अन्य संबंध के आधार पर किसी भी राजनीतिक दल, दबाव या हित समूह से संबद्ध नहीं होना चाहिए। 5 सदस्यों में से एक पद अरुणाचली महिला के लिए आरक्षित किया जाए और उसे अकादमिक रूप से अच्छी तरह से योग्य, उच्च सत्यनिष्ठा और नैतिकता वाला होना चाहिए। अन्य राज्य लोक सेवा आयोग की तरह आवश्यक योग्यता, अनुभव, कम से कम 3 वर्ष और उससे अधिक का कार्यकाल रखने वाले स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बाकी सदस्य ग्रुप-ए श्रेणी की सेवा पृष्ठभूमि से होने चाहिए, जिनके पास राज्य/केंद्र सरकार के तहत कम से कम 10 साल की सेवा होनी चाहिए। नियुक्ति के समय उस पर भ्रष्टाचार, दिवालियापन, मानसिक और शारीरिक रूप से दुर्बलता के सिद्ध आरोप नहीं होने चाहिए। क्षेत्र, लिंग, जातीयता और विभिन्न व्यवसायों के संतुलन प्रतिनिधित्व पर उचित ध्यान दिया जाना चाहिए। उसे नियुक्ति से पहले चल और अचल संपत्ति का विवरण घोषित करना चाहिए। सरकार भर्ती मामलों में आयोग के अधिकारियों की निगरानी के लिए आयोग में एक सतर्कता विंग का गठन किया जाना चाहिए, जिसकी अध्यक्षता एक वरिष्ठ स्तर का पुलिस अधिकारी, जो एसपी रैंक से कम न हो। उन्होंने ने अन्य कई सुझाव दिए।

तेममं ने सामूहिक गीतिकाओं का संगान कार्यक्रम आयोजित किया

गुवाहाटी (विभास)। आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या साध्वी श्री स्वर्णरेखा जी के पावन सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वाधान में स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा की अध्यक्षता में 221वें भिक्षु चरमोत्सव के शुभ अवसर पर भाई बहनों द्वारा सामूहिक गीतिकाओं का संगान किया गया। उसके पश्चात केंद्र द्वारा निर्देशित प्रकल्प के अंतर्गत 1 घंटे तक *भिक्षु म्हारे प्रगटयाजी भरत खेतर में* ढाल का सामूहिक संगान किया गया। इसमें लगभग 300 भाई बहनों की उपस्थिति रही। साध्वी श्री जी की प्रबल प्रेरणा से मंडल की बहनों द्वारा 13 घंटे का अखंड जाप भी किया गया। उक्त दोनों कार्यक्रमों में श्रावक श्राविकाओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया। मंत्री ममता दुग्गड़ ने साध्वी श्री जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा सभी का आभार ज्ञापन किया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री विनीता सुराणा ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

धर्म का काम करने से प्रभु प्रसन्न होते हैं : आचार्य श्री राम शर्मा

गुवाहाटी। श्री राम मंदिर रेलवे गेट नं 2, पुलिस रिजर्व के सामने गुवाहाटी में चल रही श्री मद भागवत कथा के षष्ठम दिवस में भगवान श्री कृष्ण ने 11 वर्ष की अवस्था में मथुरा नगर के लिए प्रस्थान किया। रास्ते में धोबी से वार्तालाप किया तत्पश्चात मथुरा के महल में मामा कंस से युद्ध के बाद उसे मोक्ष प्रदान किया। इसके बाद अपने नाना नानी माता देवकी एवं पिता वासुदेव को कैद से बाहर निकाला। कल सप्तम दिवस को कृष्ण सुदामा की दोस्ती, रुक्मिणी का चरित्र एवं सुदामा का अपने गांव लौट कर अपनी झोपड़ी खोजने की झांकी देखने को मिलेगी।

होजाई : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति की स्थानांतर पर प्रदर्शन शुरू

होजाई (निसं)। होजाई शहर के बीचो-बीच सुपरमार्केट के सम्मुख स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को उपयुक्त जगह स्थापित करने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन। गौरतलब है शहर के बीच ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए अब ब्रिज के दोनों और सड़कों के निर्माण के लिए सुरक्षित स्थान पर नेताजी की मूर्ति का स्थानांतर उपयुक्त जगह करना आवश्यक है। इस विषय को लेकर कई महीनो से नेताजी प्रतिमा संरक्षण समिति समाजसेवी विजय चक्रवर्ती की अगुवाई में प्रशासन व रेलवे अधिकारियों के सम्मुख इस विषय को उठा रहा है। इस विषय पर नेताजी प्रतिमा संरक्षण समिति के कई सदस्यों ने कहा कि नेताजी का अपमान नहीं होने दिय जाएगा। हाल ही में एक धरना प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते हुए नेताजी प्रतिमा संरक्षण समिति के सदस्यों ने कहा कि होजाई पुराना बाजार में उपयुक्त स्थान निर्धारित किए बिना नेताजी की प्रतिमा का स्थानांतरण नहीं होने देंगे। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन से अनुरोध किया कि जिला प्रशासन नेताजी की मूर्ति को पुराना बाजार में ही

स्थापित करने की व्यवस्था करें साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह आंदोलन जारी रहेगा और विकराल रूप भी ले सकता है। उल्लेखनीय है, असम में सबसे बड़ी कांस्य की मूर्ति 1995 में होजाई के पुराना बाजार में मुख्य सड़क पर पुलिस प्वाइंट के पास पूर्व मंत्री स्व. डॉ. डे ने स्थापित करवाई थी।

नगांव में जलझूलनी एकादशी पर श्री लक्ष्मी नारायण भगवान की सवारी निकाली गई

नगांव (निसं)। जल झूलनी एकादशी के अवसर पर सोमवार को श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी प्रांगण से श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर तक एक रेवाड़ी शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी मंदिर में स्थापित श्रीलक्ष्मी एवं श्रीसत्यनारायण भगवान की प्रतिमा को फूलों से सुसज्जित पालकी में बैठा कर भक्तों द्वारा पालकी को कंधे पर लेकर शोभा यात्रा के रूप नंगे पांव पैदल चलते हुए कृष्णाश्रम शिव मंदिर पहुंचे, जहां भगवान श्रीलक्ष्मी नारायण की प्रतिमाओं का पुजारी विजय कुमार दाधीच द्वारा विधिवत पूजन कर भोग लगाया गया एवं आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। तत्पश्चात पालकी को पुन: शोभायात्रा के रूप में श्रीसत्यनारायण ठाकुरबाड़ी तक लाया गया और भगवान की प्रतिमा को मंदिर के मंड में विराजित कर भोग लगाकर मंदिर प्रांगण में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद किल्ला,सुरेश खेड़िया, रमेश अजितसरिया, गोपाल रुठिया, नरेश बंसल, महेंद्र बगड़िया, महावीर झंवर, संजय केजरीवाल, अनिल मोर, दिनेश खेतावत, सौरभ

आदाबाड़ी में स्लीक मॉड्यूलर किचन व वार्डरोब शोरूम का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। देश की अग्रणी मॉड्यूलर किचन निर्माता कंपनी स्लीक की ओर से पूर्वोत्तर में एक्सक्लुसिव मॉड्यूलर किचन व वार्डरोब के शोरूम का शुभारंभ किया। महानगर के आदाबाड़ी मस्जिद के पास समीर कॉम्प्लेक्स के प्रथम तल्ले स्थित स्लीक मॉड्यूलर किचन व वार्डरोब का उद्घाटन मुख्य अतिथि तथा असमिया फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री वर्षा रानी बिशाया ने किया। इस मौके पर शोरूम के प्रमुख तथा प्रख्यात इंटीरियर डिजाइनर प्रकाश अग्रवाल सहित कई गणमन्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के मौके पर अभिनेत्री वर्षा रानी बिशाया ने कहा कि लोकप्रिय इंटीरियर फोरम की ओर से स्लीक मॉड्यूलर किचन व वार्डरोब के शोरूम के खुलने से गृहणियों की रसोई संबंधी सभी समस्याओं का हल अब एक ही छत तले हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी महिला अपने सपनों के घर की कल्पना करती है तो उसकी प्राथमिकता किचन होती है, जो परिवार के सभी लोगों को स्वस्थ रख सके। इस अवसर पर

शोरूम के प्रोपराइटर तथा जाने-माने इंटीरियर डिजाइनर प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि स्लीक मॉड्यूलर किचन व वार्डरोब के एक्सक्लुसिव शोरूम खोलने के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को रसोई ही नही बल्कि सम्पूर्ण घर से संबंधित सभी वस्तुएं एक छत तले उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी के साथ-साथ पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में ग्राहकों की मांग अनुसार स्लीक मॉड्यूलर किचन व वार्डरोब को तैयार कराने में हम सक्षम हैं। स्लीक ब्रांड की सबसे अच्छी विशेषता यह है कि इसमें वारंटी, स्थायित्व, गुणवत्ता से लैस है जो किसी भी अन्य कंपनी में तीनों चीजें एक साथ नहीं है। उन्होंने कहा कि आगामी दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में हम अपने प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए शुरुआती छूट दे रहे हैं, जो एक सीमा तक की खरीददारी पर लागू है। श्री अग्रवाल का कहना है कि हम अपने ग्राहकों के बजट अनुसार मॉड्यूलर किचन, वार्डरोब व एक्सेसरीज प्रदान करने में पूरी तरह सक्षम है। इसके अलावा फिटेड फर्नीचर की श्रेणी में क्रॉकरी यूनिट, टीवी यूनिट, मंदिर, स्टडी टेबल आदि भी उपलब्ध है। इस अवसर जानी मानी इंटीरियर डिजाइनर कोमल गोदुका, कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग) अनुज गुप्ता, वरिष्ठ प्रबंधक (बिक्री) ज्योतिर्मय सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

वाइब्रेंट गुजरात के 20 साल, प्रधानमंत्री ने कहा- हमारा बोया छोटा बीज बन गया विशाल वट वृक्ष

अहमदाबाद, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 20 वर्ष पूर्व वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत करने का उनका उद्देश्य गुजरात को देश का ग्रोथ इंजन बनाना था, इसीलिए दुनिया के निवेशक यहां आए। हालांकि, उस दौरान केंद्र सरकार ने इसके रास्ते में कई रोड़े अटकाए, लेकिन इसके बावजूद 20 साल पहले बोया गया छोटा सा बीज आज विशाल वट वृक्ष बन गया है। प्रधानमंत्री वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अहमदाबाद की साइंस सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इसमें उद्योग संघों, व्यापार और वाणिज्य क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों, युवा उद्यमियों, उच्च और तकनीकी शिक्षा महाविद्यालयों के छात्रों सहित अन्य लोगों की भागीदारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन आज एक पर्व बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसकी शुरूआत के दौरान केंद्र सरकार ने इसके रास्ते में कई रोड़े अटकाए। निवेशकों को धमकाया जाता था कि वह गुजरात में निवेश न करें। कोई मंत्री सम्मेलन में शामिल होने को राजी नहीं होता था। ऐसे समय में वाइब्रेट गुजरात ने अपनी शुरूआत कर अन्य राज्यों को भी इसके साथ जोड़ा। इसके बावजूद 2014 में केंद्र में खुद की सरकार बनी, तो उन्होंने इस लक्ष्य का विस्तार करते हुए भारत

को दुनिया की ग्रोथ इंजन बनाने की ठानी। आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। उन्होंने कहा, आज मुझे स्वामी विवेकानंद की बात याद आ रही है।

हर काम को तीन चरणों से गुजरना पड़ता है। पहले लोग इसका उपहास उड़ाते हैं। फिर विरोध करते हैं। बाद में उसे स्वीकार कर लेते हैं। 2001 में आए भीषण भूकंप से भी पहले गुजरात लंबे समय तक अकाल की स्थिति से जूझ रहा था। भूकंप से लाखों लोग प्रभावित हुए। इस बीच गोधरा की हृदय विदारक घटना हुई। उसके बाद गुजरात हिंसा की आग में जल उठा। उन्होंने बताया कि आज वाइब्रेंट गुजरात में 135 देश, 40 हजार प्रतिनिधि और 2 हजार से ज्यादा एक्जीबिटर्स शामिल होते हैं। वाइब्रेंट गुजरात की सफलता उनकी और राज्य की धनिष्ठा को दर्शाते हैं और इस बात को दशार्ते हैं कि उन्हें असीम स्नेह मिला है। उन्होंने कहा कि एक समय में गुजरात को केवल व्यापारी राज्य के तौर पर जाना जाता था। आज यहां पर कृषि, उद्योग और वित्तीय संस्थाओं का बहुत बड़े स्तर पर विस्तार हुआ है। इसके पीछे वाइब्रेंट गुजरात का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से अपील की कि वह उन क्षेत्रों की पहचान करें, जिसमें भारत विस्तार कर सकता है। इससे पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, यह सफलता का शिखर है। शिखर तक की यात्रा 300 व्यापारिक साझेदारों के साथ शुरू हुई। प्रधानमंत्री ने गुजरात को गिफ्ट सिटी धोलेरा जैसी विश्वस्तरीय परियोजनाएं दी हैं। समारोह में मौजूद देश के प्रमुख उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का सफर 28 सितंबर, 2003 को शुरू हुआ था, जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब यह वास्तव में एक वैश्विक कार्यक्रम बन गया, जिसने भारत में सबसे प्रमुख व्यावसायिक शिखर सम्मेलनों में से एक होने का दर्जा प्राप्त किया। पिछले 20 वर्षों में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट गुजरात को पसंदीदा निवेश गंतव्य बनाने से नए भारत को आकार देने तक विकसित हुआ है। वाइब्रेंट गुजरात की बेजोड़ सफलता पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गई और इसने अन्य भारतीय राज्यों को भी ऐसे निवेश शिखर सम्मेलनों के आयोजन के लिए प्रेरित किया है।

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब स्मार्ट सिटी में भी अव्वल: राष्ट्रपति

- इंदौर चार श्रेणियों में पहले पुरस्कार सहित सात पुरस्कारों से सम्मानित

इंदौर, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशनल सेंटर में इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड प्रतियोगिता-2022 के विजेताओं को सम्मानित किया। इंदौर को देश की नंबर वन स्मार्ट सिटी के साथ अर्बन एन्वायरनमेंट, वाटर, सेनिटेशन सहित अन्य श्रेणियों में पहला स्थान व तीन अन्य श्रेणियों में दूसरा स्थान मिला है। मध्य प्रदेश को भी नंबर 1 स्टैट का अवार्ड दिया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर ने भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है और अब स्मार्ट सिटी में भी सबसे ऊपर है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगम आयुक्त हर्षिका सिंह और स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने संबोधन की शुरूआत में सर्वश्रेष्ठ काम के लिए इंदौर की तारीफ की और मध्य प्रदेश के लोगों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मंच पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की परंपरा अतिथि देवो भवः है। इंदौर

हर दौर में आगे रहने का आदी हो गया है। स्मार्ट सिटी का सिरमौर हैं इंदौर। मालवा का चंदन और अभिनंदन है। जो इंदौर आता है वो इंदौर का होकर रह जाता है। इंदौर में कोई पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण का नहीं होता, यहां जो आता है, वो इंदौर का हो जाता है। इंदौर हर किसी को दिल से अपनाता है। स्वच्छता हो या स्मार्ट सिटी, हमने इसे जन आंदोलन बनाने का प्रयास किया। मध्य प्रदेश ने इन लक्ष्यों को यहां की जनता की मदद से हासिल किया है। अच्छे कार्यों में प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए, इससे पूरा देश तरक्की करेगा। समारोह में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि राज्य में स्मार्ट सिटी मिशन सपनों को असल में बदलने का प्रयास है। हमारा देश सभी दिशाओं में अतुल्य और अद्भुत भारत निर्माण की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने समारोह को संबोधित करते हुए इंदौर की जमकर तारीफ की। इंदौर शहर एक मॉडल बन गया है। मप्र ने बैंचमार्क स्थापित किया है। महामारी के दौरान स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर वार रूम बने।

इंदौर को मिला नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड - नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड में इंदौर को पहला स्थान मिला है, जबकि सूरत को दूसरा स्थान तथा आगरा को तीसरा स्थान मिला। सर्वश्रेष्ठ राज्य अवार्ड में मध्य प्रदेश को पहला स्थान मिला। सर्वश्रेष्ठ राज्य अवार्ड में तमिलनाडु को दूसरा जबकि राजस्थान और उत्तर प्रदेश को तीसरा स्थान मिला। राष्ट्रपति ने इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड प्रतियोगिता-2022 में विभिन्न श्रेणियों में 61 विजेताओं को सम्मानित किया।

पीएम मोदी और तिरंगे के अपमान पर क्षुब्ध रंजन ने की खालिस्तानियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भारत-कनाडा विवाद में केन्द्र सरकार के साथ आ गए हैं। उन्होंने तिरंगे के अपमान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कनाडा सरकार से भारत विरोधी गतिविधियों पर नियंत्रण की मांग की है। उल्लेखनीय है कि खालिस्तान समर्थक मंगलवार को कनाडा के कई शहरों में भारतीय मिशनों के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान खालिस्तानियों ने पीएम मोदी के कट आउट को लेकर प्रदर्शन करते हुए तिरंगे का अपमान कर रहे थे। पीएम ट्रूडो को बयान के बाद कनाडा के कई शहरों में प्रदर्शन की बात सामने आई है। प्रदर्शनकारी कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को हटाए जाने की मांग कर रहे थे। मामले में लोकसभा में विपक्ष के नेता चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्डबोर्ड फिगर को लात मारने और भारतीय झंडे को जलाने वाले खालिस्तानी

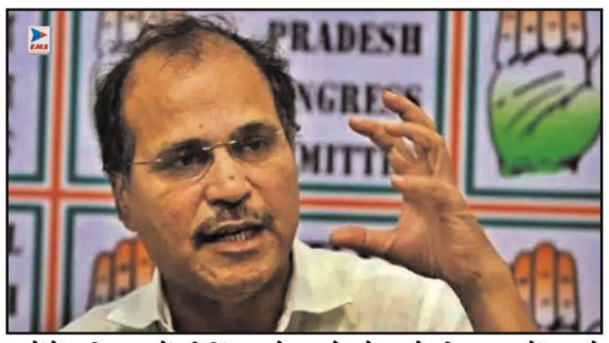

तत्वों के घृणित कृत्यों की निंदा करते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की। सूत्रों के मुताबिक, टोरंटो में करीब 100 प्रदर्शनकारियों ने तिरंगे को जला दिया जबकि, वैंकूवर में भारतीय कॉन्सुलेट के बाहर प्रदर्शनकारी जुटे। खबर है कि वैंकूवर में खालिस्तान समर्थकों की खास भीड़ नहीं पहुंची थी। इसके अलावा ओटावा समेत कई अन्य शहरों में भी इस तरह के प्रदर्शन देखे गए। सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से पहले ही कनाडा में रह रहे हिंदू परिवारों को देश छोड़ने की चेतावनी दी जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि बीते सप्ताह कनाडा की संसद में ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के तार भारत सरकार से जोड़े थे। उन्होंने आशंका जताई थी कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट का हाथ हो सकता है। निज्जर की कनाडा के सरी शहर में जून में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सिविल सेवकों ने नहीं किया आदेश का पालन, सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली में सिविल सेवकों ने जब केजरीवाल सरकार के आदेश का पालन नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। जानकारी के अनुसार आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शहर में सिविल सेवक सरकार के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं और शीर्ष अदालत से दिल्ली में सेवाओं पर नियंत्रण से संबंधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली अपनी याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और केंद्र से चार सप्ताह में मामले का संकलन तैयार करने को कहा। दिल्ली सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस मामले में असाधारण तत्परता है। सिविल सेवक आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अगले सप्ताह सात न्यायाधीशों की दो पीठें होंगी और उसके बाद कुछ संविधान पीठें होंगी। सिंघवी ने जवाब दिया, इस मामले को दूसरों पर प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि इसे किसी न किसी तरह से सीधा करना होगा। बार और बेंच ने बताया कि इसके बाद, सीजेआई ने दिल्ली सरकार और केंद्र से सभी लिखित प्रस्तुतियाँ पूरी करने और एक सामान्य संकलन बनाने के लिए कहा ताकि मामला सुनवाई के लिए तैयार हो सके। गौरतलब है कि मानसून सत्र के दौरान, केंद्र और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के बीच तीखी नोकझोंक के बीच, संसद ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी, जिसे दिल्ली सेवा विधेयक भी कहा जाता है।

मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाए केंद्र : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि मणिपुर में हो रही हिंसा को राज्य एवं केंद्र सरकार रोक पाने में विफल साबित हो रही हैं। वहां आए दिन हिंसा हो रही है। इस मुद्दे का शीघ्र समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाए और हम सभी मिलकर मणिपुर की समस्या का कोई समाधान निकालें असम के कलियाबोर क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हाल ही में मणिपुर में मासूम युवाओं का अपहरण कर उन्हें मारा गया। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जो काफी भयावह हैं। इन युवाओं के परिवारों के प्रति कांग्रेस सांत्वना व्यक्त करती है। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के उप नेता गोगोई ने कहा कि पार्टी की मांग है कि अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और सरकार उन पर ठोस कार्रवाई करे। दुःख की इस घड़ी में कांग्रेस मणिपुर के छात्रों, शिक्षक समाज और मणिपुर के हर नागरिक के साथ खड़ी है। मणिपुर का दर्द आज पूरा देश महसूस कर रहा है। मणिपुर में राज्य सरकार जिस तरह लाठियों और आंसू गैस के जरिए छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर

रही है, वह निंदनीय है। गोगोई ने कहा कि मणिपुर में करीब 5 महीने पहले हिंसा शुरू हुई, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी आज तक वहां नहीं गए। हम जानना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री ने बीते 05 महीनों में खुद कितनी बार मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह से बात की है? गोगोई ने कहा कि राज्य के हालात को देखते हुए कांग्रेस की मांग है कि बीरेन सिंह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान कई लोग मारे गए थे।

साझेदारी मोड में नए सैनिक स्कूल खोलने के पंजीकरण की तिथि बढ़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। साझेदारी मोड में नए सैनिक स्कूल खोलने के लिए आवेदन करने की पंजीकरण तिथि एक बार और बढ़ाई जा रही है। अब आवेदक 27 सितंबर से 25 नवंबर, 2023 तक एक बार फिर आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए सैनिक स्कूल सोसायटी (रक्षा मंत्रालय) के पोर्टल https:ainikschool.ncog.gov.in/ पर इच्छुक स्कूलों/ट्रस्टों/एनजीओ को एक बार फिर आमंत्रित किया गया है। मोदी सरकार के 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इससे पहले 16 सितंबर को 23 नए सैनिक स्कूलों को खोलने के प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई थी। इन्हें मिलाकर अब तक देश भर में 42 नए सैनिक स्कूलों के स्थापना हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने के दृष्टिकोण के पीछे का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सशस्त्र बलों में शामिल होने सहित बेहतर कॅरियर के अवसर प्रदान करना है। साझेदारी मोड पर नए सैनिक स्कूल खोलकर मोदी सरकार राज्य सरकारों/

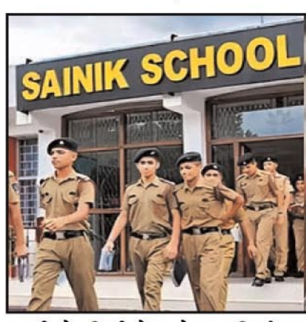

एनजीओ/ निजी क्षेत्र को राष्ट्र निर्माण की दिशा में केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने का अवसर प्रदान कर रही है। इससे पहले जिन 42 स्कूलों को सैनिक स्कूल के पैटर्न पर काम करने की अनुमति प्रदान की गई है, वे सब सैनिक स्कूलों के लिए निर्धारित मानदंडों का पालन करते हुए कक्षा 6 से शिक्षा प्रदान करेंगे। ये स्कूल पहले से ही काम कर रहे 33 सैनिक स्कूलों से अलग हैं। नए स्थापित किए जाने वाले स्कूल, संबंधित शिक्षा बोर्डों से संबद्धता के अलावा, सैनिक स्कूल सोसायटी के तत्वावधान में कार्य करेंगे और साझेदारी मोड में नए सैनिक स्कूलों के लिए निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करेंगे। इसके साथ-साथ वे अपने नियमित संबद्ध बोर्ड पाठ्यक्रम के अलावा, सैनिक स्कूल पैटर्न के छात्रों को अकादमिक प्लस पाठ्यक्रम की शिक्षा भी प्रदान करेंगे। एक बार फिर नए सैनिक स्कूलों के लिए आवेदन के लिए पोर्टल खोलने के साथ ही रक्षा मंत्रालय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऐसे स्कूल/ एनजीओ/ ट्रस्ट/ सोसायटी, जिन्होंने राउंड-1 और राउंड-2 के दौरान पहले से ही पंजीकरण और आवेदन किया था, उन्हें नए सिरे से आवेदन करने या दोबारा पंजीकरण शुल्क का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, पहले से पंजीकृत आवेदक को नई जानकारी के साथ पोर्टल पर अपना डेटा अपडेट करने की अनुमति दी जाएगी।

पावर ब्रोकर्स को खत्म करना सरकार की बड़ी उपलब्धि : धनखड़

झुंझुनू, (हि.स.)। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को पिलानी आए। यहां हेलीपैड पर बिट्स वाइस चांसलर प्रो. वी. रामगोपाल राव, डायरेक्टर प्रो. सुधीर कुमार बरई, जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव और एसपी श्याम सिंह आदि ने उनका स्वागत किया। हेलीपैड पर गार्ड ऑफ ऑनर के बाद उपराष्ट्रपति को बिट्स कैंपस ले जाया गया। जहां बिट्स ऑडिटोरियम में वे संस्थान के स्टाफ, फैकल्टी और स्टूडेंट्स से रूबरू हुए और उनसे बातचीत की। छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि फेल्योर से मत डरो और प्रयास करने से पीछे मत हटो, क्योंकि आज तक किसी भी तरह की उपलब्धि, अनुसंधान या अविष्कार बिना फेल्योर के पूरा नहीं हुआ। बिट्स के स्टूडेंट्स से उन्होंने कहा कि इस इंस्टीट्यूट की स्थापना देश को बदलने के लिए हुई है। यहां अध्ययन कर रहे सभी स्टूडेंट्स को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि वे आज उस संस्थान में पढ़ रहे हैं, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक या लाभ कमाना नहीं है। उपराष्ट्रपति ने अपनी जन्मभूमि को याद करते हुए कहा कि मेरा जन्म स्थान किठाना है। हालांकि मेरा असली जन्म सैनिक स्कूल में पढ़ने के दौरान हुआ। केन्द्रीय मंत्री के तौर पर अपने कार्यकाल और तत्कालीन राज्यसभा सांसद केके बिरला को याद करते हुए उन्होंने कहा कि बिट्स से उनका रिश्ता तीन दशक से अधिक पुराना है। अपने उद्बोधन में उपराष्ट्रपति ने मौजूदा दौर में देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि देश अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि उन अंग्रेजों को पछाड़ कर हम महाशक्ति बने हैं जिन्होंने हम पर सैंकड़ों साल तक राज किया। इस दशक के अन्त तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को जी 20 में शामिल करना, भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप कॉरिडोर देश की तरक्की के लिए गेम चेंजर साबित होगा। वर्ल्ड बैंक के चेयरमैन ने जी 20 सम्मेलन में कहा कि बीते पांच साल में जो आर्थिक तरक्की की है वो 47 साल में भी सम्भव नहीं थी।

एनआईए का लॉरेंस, बंबीहा, डल्ला के जुर्म के साम्राज्य पर बड़ा प्रहार, छह राज्यों में 51 स्थानों पर छापा

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गैंगस्टर्स लारेंस, बंबीहा और डल्ला के जुर्म के साम्राज्य पर बड़ा प्रहार किया है। आतंकवादियों और खालिस्तान समर्थकों से इनके गठजोड़ के साक्ष्य मिलने पर एनआईए ने मंगलवार रात छह राज्यों में 51 स्थानों पर दबिश दी। एजेंसी की टीमें सुबह तक इनके अड्डों को खंगालती रहीं। यह टीमें अभी भी देश के दुश्मनों के इन ठिकानों पर मौजूद हैं। एनआईए की इस कार्रवाई से गैंगस्टर टेरर नेटवर्क के स्थानीय गुर्गे भूमिगत हो गए हैं। यह छापे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर में मारे गए हैं। एजेंसी को पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में छुपे गैंगस्टर्स के संबंध खालिस्तानी आतंकियों से होने के साक्ष्य मिले हैं। एजेंसी के एक अधिकारी का कहना है कि छह राज्यों में तीन मामलों में लॉरेंस, बंबीहा और

अर्श डल्ला गिरोह के सहयोगियों से संबंधित 51 स्थानों पर यह कार्रवाई की गई है। पंजाब के भठिंडा और मोगा में अभी भी एनआईए की टीम मौजूद है। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई और बंबीहा गैंग का नाम उछल चुका है। ऐसे भी साक्ष्य मिले हैं कि लॉरेंस को टक्कर देने के लिए बंबीहा ने पाकिस्तान की मदद ली। अर्श डल्ला विदेश में छुपा हुआ है। वह वहीं से अपराध के साम्राज्य को चला रहा है। एजेंसी के रडार पर गोल्डी बराड़ जैसे वो गैंगस्टर्स भी हैं जो आतंकवाद को प्रश्रय दे रहे हैं। एजेंसी के हाथ ऐसे पुख्ता साक्ष्य लगे हैं कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के रास्ते भारत में न सिर्फ ड्रग्स की आपूर्ति की जाती है, बल्कि खूंखार आतंकवादियों को भेजा जाता है। पाकिस्तान इसके लिए इन गैंगस्टर्स की मदद लेकर उनकी तिजोरियों को भर रहा है। उन्हें अत्याधुनिक हथियार भी मुहैया करा रहा है। कनाडा में रह रहे कई खालिस्तान समर्थक और खालिस्तानी आतंकी लगातार आईएसआई के संपर्क में हैं।

विश्व पर्यटन दिवस पर 'ट्रैवल फॉर लाइफ' के संदेश वाली मेट्रो ट्रेन को दिखाई गई हरी झंडी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने बुधवार को द्वारका सेक्टर-21 में ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम के संदेशों वाली मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ट्रैवल फॉर लाइफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक मिशन है, जो वसुधैव कुटुंबकम के मूल्यों पर आधारित है। इसका अर्थ है इंसान को पूरे विश्व की चिंता करनी चाहिए, पूरा विश्व एक परिवार है और यही संदेश हमने जी-20 के मंच से दुनिया को दिया, जिसे पूरी दुनिया ने सराहा। स्वच्छता अभियान पर उन्होंने कहा कि पर्यटन से कई चीजें आपस में जुड़ी हैं। जैसे स्वच्छता का सभी को ख्याल रखना चाहिए। स्वच्छता अभियान सभी का अभियान है। इसलिए सभी को पर्यावरण का ख्याल रखना चाहिए। अजय भट्ट ने कहा कि

भारतीय संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम मंत्र को पूरे विश्व ने सराहा है। मानवता के मूल्यों को हर पटल पर भारत ने उजागर किया है। पहली बार विश्व पर्यटन दिवस 1980 में मनाया गया था। इस दिन की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र विश्व व्यापार संगठन ने की थी। 27 सितंबर के दिन विश्व पर्यटन दिवस मनाने की खास वजह थी, क्योंकि इसी दिन 1970 में संयुक्त राष्ट्र विश्व व्यापार संगठन को मान्यता मिली थी। इसीलिए यूएनडब्ल्यूटीओ की वर्षगांठ के दिन विश्व पर्यटन दिवस मनाने का फैसला लिया गया।

अफ्रीकी देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों ने आयुर्वेद के गुणों को जाना, एआईआईए का किया दौरा

नई दिल्ली, (हि.स.)। जी-20 ब्लॉक में शामिल होने के बाद अफ्रीकी देश पारंपरिक चिकित्सा और एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल की भारतीय प्रणालियों में रुचि ले रहे हैं। इस कड़ी में मंगलवार को पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीकी देशों के उच्चायुक्तों और राजदूतों के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान(एआईआईए) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने आयुर्वेद व एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अत्याधुनिक विज्ञान और एआईआईए की भूमिका के बारे में जाना। इस दौरान उन्होंने एआईआईए अस्पताल, ओपीडी,और आयुर्वेद के माध्यम से प्राथमिक और मुख्य स्वास्थ्य देखभाल, सहायक चिकित्सा आदि में हुई प्रगति के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जाना। इस मौके पर अपने वीडियो संदेश में आयुष और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोणोवाल ने अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि यह यात्रा भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की क्षमता के माध्यम से अफ्रीकी देशों में

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के उद्देश्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। सबार्नंद सोणोवाल ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा ने हमेशा वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इसकी क्षमता को पहचानता है। पारंपरिक चिकित्सा को मुख्य स्वास्थ्य देखभाल में शामिल करने से दुनिया भर में लाखों लोगों तक इसका लाभ पहुंचेगा। यह स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जन केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। एआईआईए की निदेशक डॉ. तनुजा नेसारी ने समूह को एआईआईए की मुख्य उपलब्धियों के बारे में बताया और कहा, "एआईआईए आयुर्वेद को वैश्विक समुदाय तक ले जाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और 50 से अधिक संगठन,प्रतिष्ठित संस्थान एवं विश्वविद्यालय के साथ शोधों के लिए समझौता ज्ञापन में किया गया है, जिनमें से 17 अंतरराष्ट्रीय ख्याति के हैं। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव पुनीत आर कुंडल, विदेश मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, आयुष मंत्रालय के प्रधान सलाहकार प्रमोद कुमार पाठक भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि एआईआईए को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था और तब से एआईआईए आयुष मंत्रालय के तहत एक शीर्ष संस्थान होने के नाते उत्कृष्टता का केंद्र बन गया है जो आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक नैदानिक उपकरणों व प्रौद्योगिकी के बीच तालमेल का उदाहरण है। एआईआईए भारत भर में पहला ए एनएएसी मान्यता प्राप्त आयुर्वेद संस्थान है, और यह एनएबीएच मान्यता प्राप्त अत्याधुनिक, अद्वितीय अस्पताल है जो समग्र और एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। सेवाएं प्रदान करने में एकीकृत आयुष ओपीडी, 30 सामान्य और सुपर स्पेशलिटी ओपीडी, एकीकृत रुमेटोलॉजी, दंत चिकित्सा, ऑन्कोलॉजी ओपीडी आदि मुख्य भूमिका निभाते हैं।

वाराणसी को मिला बेस्ट स्मार्ट सिटी का पुरस्कार, राष्ट्रपति ने नगर आयुक्त को दिया पुरस्कार

वाराणसी, (हि.स.)। इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड कंटेस्ट में वाराणसी स्मार्ट सिटी को नार्थ जोन (10 लाख से अधिक आबादी में) में बेस्ट सिटी के अवार्ड से सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश के इंदौर में बुधवार को शहरी एवं आवासन कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटीज कांक्लेव 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वाराणसी के नगर आयुक्त और वाराणसी स्मार्ट सिटी के सीईओ शिपू गिरि को बेस्ट सिटी अवार्ड प्रदान किया। वाराणसी को बेस्ट स्मार्ट सिटी अवार्ड मिलने पर मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा ने खुशी जताई। कौशलराज शर्मा ने कहा कि पुरस्कार मिलना गर्व का विषय है। भविष्य में भी वाराणसी स्मार्ट सिटी अन्तर्गत शहर के चहुंमुखी विकास के लिए तत्पर रहेगी। मुख्य महाप्रबंधक वाराणसी स्मार्ट सिटी डॉ. डी. वासुदेवन ने इस पुरस्कार को समस्त काशीवासियों का सम्मान बताया। उन्होंने कहा कि वाराणसी का अलौकिक एवं अध्यात्मिक रूप के साथ यह आधुनिक संगम काशी को उदीयमान कर रहा है। गौरतलब हो कि नॉर्थ जोन के आगरा, लखनऊ, देहरादून, श्रीनगर, शिमला समेत 30 से अधिक स्मार्ट सिटी में से वाराणसी को बेस्ट स्मार्ट सिटी के लिए चुना गया। इस पुरस्कार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन अन्तर्गत वाराणसी को परियोजनाओं के ससमय क्रियान्वयन, वित्तीय सतता, सक्सेज स्टोरी, परियोजनाओं की उपयोगिता, कुशल जनसहभागिता एवं फीडबैक प्रणाली के आधार पर चयनित किया गया। वाराणसी स्मार्ट सिटी ने जो प्रोजेक्ट किया है, उसे तय समय सीमा और गुणवत्ता के साथ किया है। वाराणसी स्मार्ट सिटी में 2018 से लगभग 1017.69 करोड़ की योजना स्वीकृत हुई थी। उसका कार्य पूरा हो चुका है। शहर के कई क्षेत्रों में अत्याधुनिक विकास किया गया है। वहीं करीब 329 करोड़ की लगभग 03 परियोजनाओं का काम प्रगति पर है। मार्च 2024 तक पूरा होने की संभावना है। इंदौर में वाराणसी का सुरक्षा कवच दिखाया गया। वाराणसी में लगे एडवांस सर्विलांस कैमरे के माध्यम से प्रदर्शनी में वाराणसी के सुरक्षा कवच को लाइव दिखाया गया। इसके अलावा रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, मच्छोदरी मॉडल स्कूल वाराणसी की गलियों का अत्याधुनिक तरीके से विकास, इंटीग्रेटेड सिटी कमांड सेंटर और कॉलोनी के पार्क को भी 360 डिग्री वर्चुअल रियलिटी टूर के माध्यम से दिखाया गया।

दुनिया में विकास की भावना का पोषक है भारत : योगी

- पीएम मोदी ने समाप्त की भेदभाव की भावना, पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण भारत एक
- विरासत पर करें गर्व, कर्तव्यों के प्रति रहें जागरूक

- ब्राह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महा- राज की 54वीं व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 09वीं पुण्यतिथि पर साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह का शुभारंभ

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया के अंदर विकास की भावना क्या होनी चाहिए, यह भारत ने ही दिया है। विगत नौ वर्षों से देश और दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत इसी भावना का प्रतिनिधित्व भी कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी युगपुरुष ब्राह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत आयोजित संगोष्ठी के क्रम में प्रथम दिन बुधवार को "एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना की आधारशिला" विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक संकल्प दिया। उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक एक भावना से सभी को संबल प्रदान किया। देश के 120 जनपद नक्सल प्रभावित थे, पूर्वोत्तर अराजकता से भरा था। पर, पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व में भेदभाव की भावना को समाप्त कर, विकास की योजनाओं से जोड़कर इन सभी क्षेत्रों को विकास की धारा में ला दिया। कश्मीर हो या कन्याकुमारी, अरूणांचल हो या द्वारिकापुरी, सभी देशवासियों को सीधे विकास की परियोजनाओं से जोड़कर एक दूसरे राज्यों से परस्पर संबंध बनाकर, भारत को समानभाव से समझने का अवसर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किला से पंच प्रण का संकल्प लेकर देशवासियों को यह भाव दिया कि हमें एक विकसित भारत का निर्माण करना है। जो गुलामी के प्रतीक हैं, उनसे मुक्ति पाकर स्वदेशी पर गर्व करते हुए आत्मनिर्भर बनाना होगा। एक तरफ गुलामी के अंश पर विराम लगाना है तो दूसरी तरफ अपनी विरासत पर गौरव करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह भारत देश ऐसा है जहा जन्म लेना दुर्लभ है, उसमें भी मनुष्य के रूप में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। हमें अपने तीर्थ, धर्म ग्रंथ और संस्कृति पर गर्व करने के साथ हर नागरिक से समान व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपने कर्तव्यों के प्रति सभी को जागरूक रहना होगा। पीएम मोदी के पंच प्रण ने देश में एक भाव पैदा किया है जिससे हम सभी का दायित्व राष्ट्र प्रथम का ही गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने अपना पूरा जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित कर दिया। इन महापुरुषों के आदर्शों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण को अपने दायित्व से जोड़कर हम सभी एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को सिद्ध करेंगे।

मथुरा जंक्शन प्लेटफार्म पर पटरी छोड़कर प्लेटफार्म में दौड़ी ईएमयू ट्रेन, पोल से टकराने के बाद टला हादसा

मथुरा, (हि.स.)। मंगलवार को दिल्ली के शकूर बस्ती से मथुरा जंक्शन के लिए रवाना हुई ईएमयू ट्रेन मंगलवार की रात्रि मथुरा जंक्शन प्लेटफार्म आने से पूर्व पटरी से उतरकर प्लेटफार्म पर चढ़ गई। इस दौरान आगे लगे बिजली के पोल से टकरा गई और बड़ा हादसा टल गया। दिल्ली साइड के ऐडिंग पाइंट पर ट्रेन के चढ़ने की जानकारी मिलते ही स्टेशन पर हड़कंप मच गया। आरपीएफ और जीआरपी के अलावा रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तकनीकी टीम ने आकर मोर्चा संभाला। प्लेटफार्म का करीब 30 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका था। उल्लेखनीय रहे कि ट्रेन से यात्रियों के उतरने के बाद उसे शंटिंग करके वापस शकूर बस्ती जाने के लिए प्लेटफॉर्म पर लगाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रेन की स्पीड अचानक बढ़ गई। वह ऐडिंग पाइंट को तोड़ते हुए प्लेटफार्म नंबर दो पर चढ़ गई। दिल्ली शकूर बस्ती स्टेशन से उत्तर रेलवे की ईएमयू ट्रेन संख्या 64910 प्रतिदिन चलती है। इस ट्रेन से बड़ी संख्या में दैनिक यात्री सफर करते हैं। मंगलवार को ट्रेन निर्धारित समय शाम 6 बजकर 20 मिनट पर शकूर बस्ती से चली। ट्रेन रात 10 बजकर 49 मिनट पर मथुरा जंक्शन स्टेशन पहुंची। यहां ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर लगी थी। प्लेटफॉर्म पर ट्रेन चढ़ते देख मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यात्री जान बचाने के लिए भागने लगे। इसकी वजह से यात्रियों के कुछ बैग ट्रेन के नीचे आ गए। लेकिन ट्रेन जब लाइट के पोल से टकरा कर रुक गई तो लोगों ने राहत की सांस ली। हादसे के बाद उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल से तकनीकी टीम मथुरा पहुंची। इसके साथ ही ट्रेन को प्लेटफॉर्म से हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। देर रात तक चली प्रक्रिया के बाद ट्रेन को प्लेटफॉर्म से हटाकर वापस रेल ट्रैक पर लाया गया। मथुरा स्टेशन के निदेशक एसके श्रीवास्तव ने बताया कि सभी यात्री पहले ही ट्रेन से उतर चुके थे। हादसे में किसी को भी चोट नहीं आई है। घटना का कारण पता करने को टीम गठित कर दी गई है। उन्होंने ट्रेन शकूर बस्ती से आती है, ट्रेन रात 10:49 बजे मथुरा जंक्शन पहुंची थी, ट्रेन की स्पीड, निर्धारित स्पीड से ज्यादा बढ़ गई। जिसकी वजह से ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका और ट्रेन प्लेटफॉर्म पर चढ़ गई। हम इस घटना के कारण की जांच कर रहे हैं। हालांकि इस हादसे के कारण प्लेटफार्म पर निर्धारित कुछ ट्रेनें प्रभावित हुई हैं।

कानपुर में दस फीसदी आंगनबाड़ी केंद्रों का भी नहीं शुरू हो सका निर्माण

- आंगनबाड़ी निर्माण कार्यो के प्रति ग्राम प्रधानों की रूचि नहीं

कानपुर, (हि.स.)। योगी सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के नौनिहालों की शिक्षा में सुधार लाने एवं संसाधन मुहैया कराने के लिए संकल्पबद्ध है। कानपुर नगर के ग्रामीण क्षेत्रों में 115 आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण कराने के लिए निर्देश जारी किया है। लेकिन अब तक दस फीसदी भी आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य नहीं शुरू हो सका। इसकी मुख्य वजह ग्राम प्रधान रुचि नहीं ले रहे है। उपायुक्त श्रम रोजगार मनरेगा कानपुर डीसी रमेश चन्द्र से बुधवार को हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में स्वीकार करते हुए बताया कि निर्माण के लिए समय से बजट होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र में पढ़ने वाले बच्चों को अब सरकारी भवन में शिक्षा मिले इसका प्रयास जारी है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद किराए के कमरों से मुक्ति मिल जायेगी। कानपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में 115 आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण के लिए प्रक्रिया जारी है। लेकिन निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं। उन्होंने बताया कि एक केन्द्र के निर्माण में 11 लाख 84 हजार रुपये की लागत आएगी। दो लाख रुपये पंचायत विभाग और दो लाख आईसीडी एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग देगा। शेष 07 लाख 84 हजार रुपये मनरेगा के मद से खर्च किया जाएगा। तीन विभागों के संयुक्त प्रयास से नौनिहालों को सरकारी भवन उपलब्ध कराया जाएगा। सभी केंद्रों के निर्माण कार्य कराने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। लेकिन अब तक दस फीसदी ही आंगनबाड़ी कार्य शुरू हो पाया है। इसकी मुख्य वजह है कि मनरेगा का कार्य कराने के लिए ग्राम प्रधान रूचि कम ले रहें है।

इको गार्डेन में भारतीय मजदूर संघ की रैली शुरू

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय मजदूर संघ ने बुधवार को पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार लखनऊ के ईको गार्डेन में जागो सरकार-मजदूर आपके द्वार के नारे के साथ रैली शुरू कर दी है। इस रैली में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से विभिन्न विभागों के असंगठित व संगठित क्षेत्र के हजारों कर्मचारी व बड़ी संख्या में महिलाएं इको गार्डेन पहुंची हैं। भारतीय मजदूर संघ के क्षेत्र संगठन मंत्री अनुपम ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि विभिन्न विभागों में कार्यरत नियमित, संविदा व आउटसोर्सिंग के लाखों कर्मचारियों की समस्याएं बहुत समय से लंबित पड़ी हैं। संगठन ने कई बार इन कर्मचारियों की समस्याओं को सरकार के सामने रखीं। लेकिन समस्याओं का निस्तारण में सरकार ने रूचि नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि अधिकांश विभागों में बड़ी संख्या में संविदा व आउटसोर्सग के कर्मचारी काम कर रहे हैं।

इनकी कोई नियमावली न होने की वजह से इन कर्मचारियों को कभी भी नौकरी से निकाल दिया जाता है और न ही उनको पूरा वेतन दिया जाता है। सामाजिक सुरक्षा भी नहीं है। यह सभी सुविधाएं प्रदान की जाये। अनुपम ने कहा कि आज की रैली के बाद यदि सरकार हमारी मांगों को नहीं मानती है तो मजदूर संघ प्रदेशव्यापी आन्दोलन करेगा।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, सरना धर्म कोड पर जल्द फैसला करने का किया आग्रह

रांची (झारखंड), (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आदिवासियों के सरना धर्म कोड की मांग पर जल्द और सकारात्मक फैसला करने का आग्रह किया है। यह जानकारी बुधवार को मुख्यमंत्री ने एक्स (ट्विटर) हैंडल पर दी है। उन्होंने पत्र की फोटो भी ट्विटर पर साझा की है। इस ट्वीट में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को टैग भी किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखा है कि देश का आदिवासी समुदाय पिछले कई वर्षों से धार्मिक अस्तित्व की रक्षा के लिए जनगणना कोड में प्रकृति पूजक आदिवासी/सरना धर्मावलंबियों को शामिल करने की मांग को लेकर संघर्षरत है। साथ ही पूरा विश्वास जताया है कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए तत्पर रहते हैं, उसी प्रकार इस देश के आदिवासी समुदाय के समेकित विकास के लिए पृथक आदिवासी/सरना धर्मकोड का प्रावधान सुनिश्चित करेंगे।

आदिवासियों के धार्मिक अस्तित्व की रक्षा एक गंभीर सवाल - मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा कि आदिवासी समाज के लोग प्राचीन परंपराओं एवं प्रकृति के उपासक हैं। पेड़ों, पहाड़ों की पूजा और जंगलों को संरक्षण देने को ही धर्म मानते हैं। साल 2021 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार देश में लगभग 12 करोड़ आदिवासी निवास करते हैं। झारखंड में आदिवासियों की संख्या एक करोड़ से भी अधिक है। झारखंड की एक बड़ी आबादी सरना धर्म को मानने वाली है। इस प्राचीनतम सरना धर्म का जीता-जागता ग्रंथ स्वयं जल, जंगल, जमीन और प्रकृति है। सरना धर्म की संस्कृति, पूजा पद्धिति, आदर्श और मान्यताएं प्रचलित सभी धर्मों से अलग है। मुख्यमंत्री ने लिखा है कि झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के आदिवासी समुदाय पिछले कई सालों से सरना धर्म कोड की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रकृति पर आधारित आदिवासियों के पारंपरिक धार्मिक अस्तित्व के रक्षा की चिंता निश्चित तौर पर एक गंभीर सवाल है। हेमंत सोरेन ने कहा है कि सरना धर्म कोड की मांग इसलिए उठ रही है ताकि प्रकृति का उपासक यह आदिवासी समुदाय अपनी पहचान के प्रति आश्वस्त हो सके। वर्तमान में जब समान नागरिक संहिता की मांग कतिपय संगठनों द्वारा उठाई जा रही है, तो आदिवासी समुदाय की इस मांग पर सकारात्मक पहल उनके संरक्षण के लिए जरूरी है। यदि सामाजिक न्याय के सिद्धांत पर इनका संरक्षण नहीं किया गया तो इनकी भाषा, संस्कृति के साथ इनका अस्तित्व भी समाप्त हो जाएगा।

लालू यादव की सजा बढ़ाने पर दिसंबर में सुनवाई करेगा हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में चारा घोटाला के देवघर कोषागार से अवैध निकासी से संबंधित लालू प्रसाद सहित छह सजायाफ्ता की सजा बढ़ाने को लेकर दाखिल याचिका की आंशिक सुनवाई हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बुधवार को सीबीआई के आग्रह को देखते हुए दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह में सुनवाई की अगली तिथि निर्धारित की। पूर्व में कोर्ट ने दो सजायाफ्ता फूलचंद सिंह और आरके राणा का नाम इस केस से हटाने का आदेश दिया था।एक हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कोर्ट को बताया गया था कि फूलचंद सिंह और आर के राणा की मृत्यु हो गई है, जिसके बाद कोर्ट ने इस याचिका से इनका नाम हटाने का आदेश दिया था। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा है कि देवघर कोषागार से अवैध निकासी मामले में लालू प्रसाद, बेक जूलियस, सुबीर भट्टाचार्य सहित छह सजायाफ्ता को तीन से छह साल की सजा सुनाई गई है। इन्हें सीबीआई ने इन्हें अधिकतम सजा देने की मांग करते हुए याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि लालू प्रसाद को इस मामले में साढ़े तीन साल की सजा मिली है। इन्हें अधिकतम सात साल की सजा मिलनी चाहिए।

देवघर मंदिर के विकास कोष में मिले पैसों की हुई गिनती

देवघर, (हि.स.)। भादो महीने में बाबा मंदिर का विकास कोष खोला गया। मंदिर में कुल 19 विकास कोष हैं, जिसमें 12 लाख से ज्यादा की राशि दान के रूप में मिले। बाबा मंदिर प्रभारी सह एसडीओ दीपांकर चौधरी के निर्देशानुसार विकास कोष खोला गया। सहायक प्रभारी सह देवीपुर सीओ सुनील कुमार और बाबा मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त की देखरेख में मंदिर परिसर में लगे सभी विकास कोष को खोला गया। मंदिर परिसर में कुल 19 विकास कोष हैं. कोष खोलने के बाद भादो माह में भक्तों के द्वारा किये गये दान को निकाला गया। इन विकास कोष से निकले नोट व सिक्कों की संख्या काफी अधिक मात्रा में होने की वजह से सभी मंदिर कर्मियों को इसकी गिनती में लगाया गया। इससे पहले सावन की पूर्णिमा के एक सिंतबर को अंतिम बार विकाष कोष खोला गया था। इस दौरान कुल 12 लाख, 28 हजार 562 रुपये की आमदनी बाबा मंदिर विकास कोष से हुई। इसके अलावा दान पात्र से नेपाली 5080 रुपए भी प्राप्त हुए हैं।

झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने अपर मुख्य सचिव को लिखा पत्र

रांची, (हि. स.)। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने झारखंड पुलिस के आरक्षी की तरह वेतन और अन्य भत्ता होमगार्ड जवानों को देने की मांग की है। इस संबंध में बुधवार को एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। साथ ही इस्की प्रतिलिपि झारखंड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्नि शमन सेवा मुख्यालय के महानिदेशक सह महासमादेष्टा को भी दी है। लिखे गए पत्र में कहा गया है कि वर्तमान में होमगार्ड जवानों को इस महंगाई के दौर में मात्र 500 प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय का भुगतान किया जाता है। जबकि पड़ोसी राज्य बिहार में सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा न्यायादेश के आलोक में बिहार राज्य के होमगार्ड जवानों को पुलिस आरक्षी के समतुल्य न्यूनतम वेतन एवं अन्य भत्ते के बराबर सामान्य कार्य का समान वेतन का लाभ दिया जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि झारखंड उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा पारित न्यायादेश के आलोक में झारखंड राज्य के होमगार्ड जवानों को पुलिस आरक्षी के समतुल्य न्यूनतम वेतन एवं अन्य भत्ते के बराबर समान कार्य का समान वेतन का लाभ जल्द लागू करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जदयू नेता रमेश सिंह ने मुख्यमंत्री से फारबिसगंज शहर की समस्या को लेकर कराया ध्यान आकृष्ट

अररिया, (हि.स.)। जदयू के प्रदेश सचिव और छातापुर विधानसभा के प्रभारी रमेश सिंह ने पटना स्थित एक अणे मार्ग में मुख्यमंत्री आवास पर सीएम के साथ हुई बैठक में फारबिसगंज शहर में व्याप्त समस्याओं को लेकर ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन भी सौंपा। मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में जदयू नेता ने बताया कि फारबिसगंज रेलवे स्टेशन शहर के मध्य स्थित होने के कारण शहर दो भागने बंट गया है। जिससे आमजनों को जाम की समस्या से दिनभर रूबरू होना पड़ता है। पुराना रेलवे ढाला के पास ज्योति सिनेमा मोड़ के पास फुट ओवरब्रिज के साथ अंडर पास शहर की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने जल निकासी वाले क्षेत्र सीताधार में भू माफियाओं के द्वारा रैयती जमीन को आवासीय में निबंधन कराकर बहाव क्षेत्र में घर बन जाने के कारण जल जमाव और बाढ़ जैसी समस्या से हरेक साल होने वाली परेशानी से भी सीएम को अवगत कराते हुए सीताधार को बचाने के लिए सकारात्मक प्रयास करने की मांग की। विघटित मार्केटिंग यार्ड में बिना लाइसेंस के ही सैकड़ों दुकानें लगाने के कारण राजस्व को हो रहे नुकसान सहित फोरलेन सड़क से महिला कॉलेज होते हुए पटेल चौक तक बनी सड़क में भारी अनियमितता बरते जाने पर भी ध्यान आकृष्ट कराया। जदयू नेता ने फारबिसगंज को जिला बनाने की वर्षों से उठ रही मांग के आलोक में सामरिक और सुरक्षा के दृष्टिकोण से फारबिसगंज को जिला बनाने की मांग जदयू नेता ने की और कहा कि फारबिसगंज जिला बनने की सारी मापदंड को पूरा करता है।पूर्व में सरकार को स्थानीय प्रशासन की ओर इसका प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है।

जदयू के पूर्व एमएलसी रणवीर नंदन ने दिया पार्टी से दिया इस्तीफा

पटना, (हि.स.)। जदयू के पूर्व एमएलसी रणवीर नंदन ने बुधवार को जदयू से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को इस संबंध में अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने इस्तीफा देने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं किया है।इस्तीफा में उन्होंने लिखा है कि मैं जदयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। रणवीर नंदन की पहचान नीतीश कुमार के काफी करीबी नेता के रूप में रही है। यहां तक कि उनके द्वारा आयोजित कई पूजा समारोहों में नीतीश कुमार जाते रहे हैं।डॉ रणवीर नंदन राजनीति के सक्रिय रहने के साथ ही शिक्षण के पेशे से जुड़े रहे हैं। वे बीएन कॉलेज पटना में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। पिछले कुछ दिनों से रणवीर नंदन लगातार पार्टी की विचारधारा से अलग बयान दे रहे थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर एकजुट हुए विपक्षी दलों पर उन्होंने निशाना साधा था। उन्होंने विदेश में जाकर भारत की दलीय राजनीति की चर्चा करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना भी की थी। पार्टी के नीतियों के विरोध में उन्होंने 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन पर बधाई भी दी थी।

चिराग की सीट पर मांझी की नजर, जमुई लोकसभा सीट पर ठोंका दावा

जमुई (ईएमएस)। चिराग पासवान की सीट पर पूर्व सीएम जीतन राम मांझी की नजर अटक गई है। उन्होंने जमुई लोकसभा सीट पर अपने बेटे की दावेदारी जता दी है। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक और बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी ने सीएम नीतीश कुमार को एक बार फिर निशाने पर लिया है। मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार भले ही मुंह मियां मिट्ठू बनें, लेकिन बिहार में 17 साल से जिस तरह उन्होंने बिहार में काम किया है, उसका इतिहास आगे लिखाएगा तो उनकी भर्त्सना ही लिखी जाएगी। मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुआ है, पुल पुलिया टूटे हैं और नौजवानों ने पलायन किए हैं। नीतीश कुमार का नाम लोग ब्लैकलिस्टेड के रूप में जानेंगे। जमुई में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के गरीब बचाओ आम सभा को संबोधित करते हुए जीतन राम मांझी के बेटे संतोष मांझी ने जमुई लोकसभा सीट पर अपनी दावेदारी भी ठोक दी। आम सभा के मंच से हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने जमुई लोकसभा सीट पर अपनी पार्टी की दावेदारी की बात कही।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जमुई लोकसभा सीट से पहले सांसद भोला मांझी हुए थे और इस इलाके में उनके जाति के लोगों की संख्या अधिक है, इसलिए वह चाहेंगे कि एनडीए जमुई सीट हम पार्टी को दे। बेटे और पूर्व मंत्री संतोष सुमन की मांग पर पिता जीतन राम मांझी ने भी हामी भरी। बता दें कि जमुई लोक सभा सीट से चिराग पासवान दो बार से सांसद चुने जा रहे हैं। पत्रकारों का सवाल का जवाब देते हुए जीतन राम मांझी ने कहा कि उनके बेटे ने जज्बे को दिखाया है। जमुई सीट से पहले सांसद गोला मांझी हुए थे और इस क्षेत्र में मुसहर भुईंया जाति की संख्या अधिक है इसलिए उनकी मांग है कि यह सीट एनडीए हमारी पार्टी को दे। गठबंधन में सीटों का अदला बदली होती है, अब एनडीए के नेता इस पर विचार करेंगे। मांझी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के दिवास्वप्न देख

संपादकीय

कांग्रेस पर हावी अर्बन नक्सल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस की वर्तमान स्थिति पर भोपाल से जिस प्रकार का हमला बोला है, उसके बाद से कांग्रेस और उसके समर्थकों में हलचल मच गई है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने एक ऐसा कड़वा सच कह दिया, जिसे कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता भी मन ही मन स्वीकार करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 10 लाख भाजपा कार्यकर्ताओं के महाकुंभ को संबोधित करते हुए कहा- "कांग्रेस अब नेता नहीं चला रहे हैं, कांग्रेस अब ऐसी कंपनी बन गई है जो नारों से लेकर नीतियां तक आउटसोर्स कर रही है। यह ठेका अर्बन नक्सलियों के पास है, इसलिए कांग्रेस जमीन पर भी खोखली हो रही है, कार्यकर्ता निराश हो रहे हैं"। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में कितनी सत्यता है, इस बात का सबूत उन सब एक्टिविस्टों एवं आंदोलनजीवियों ने दे दिया, जिनकी सहानुभूति नक्सलियों, माओवादियों एवं इस्लामिक कट्टरपंथी समूहों के प्रति रहती है। कांग्रेस के नेताओं से अधिक यह सवाल ऐसे ही एक्टिविस्टों की ओर से पूछा जा रहा है कि 'अर्बन नक्सल' कौन है? कुछ कम्युनिस्ट बुद्धिजीवी तो आगे बढ़कर 'अर्बन नक्सल' की महानतम परिभाषाएं गढ़ रहे हैं। यानी एक तरह से ये सब 'अर्बन नक्सल' को परिभाषित करते हुए बताना चाह रहे हैं कि जो लोकतंत्र और संविधान के समर्थक हैं और सांप्रदायिकता के विरोधी हैं, वे अर्बन नक्सल हैं। 'अर्बन नक्सल' किसे कहा जाता है, यह देश का सामान्य नागरिक भी जानता है इसके बाद भी कांग्रेस के समर्थक बुद्धिजीवी एक भिन्न प्रकार की परिभाषा, कहना होगा कि सर्वथा विपरीत अर्थ बतानेवाली परिभाषाएं अर्बन नक्सल के लिए कर रहे हैं। लोकतंत्र, संविधान एवं सामाजिक समरसता को दीमक की तरह खोखला करने में लगी ताकतों को अर्बन नक्सल कहा गया है। जिन्होंने भारत के टुकड़े-टुकड़े करने के उद्देश्य से बुद्धि को बंदूक बना लिया है, उन्हें अर्बन नक्सल गया है। फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री की बहुचर्चित पुस्तक 'अर्बन नक्सल' में इस संबंध में विस्तार से चर्चा आती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा है, उसकी सत्यता कांग्रेस की नीतियों एवं आचरण से भी झलकती हैं। जिस तरह से जेएनयू में भारत विरोधी नारेबाजी के समर्थन में कांग्रेस खड़ी हुई थी, वह कांग्रेस का मूल चरित्र तो नहीं है? उस समय भी आम लोग हैरान रह गए थे। तब भी सबने यही प्रश्न पूछा था कि आखिर कांग्रेस में निर्णय कौन ले रहा है और उसके सलाहकार कौन लोग हैं? पिछले कुछ दिनों से सनातन का खुलकर विरोध किया जा रहा है, उसे जड़-मूल से नष्ट करने के आह्वान हो रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के नेता चुप हैं। अपितु सनातन को नष्ट करने की मानसिकता रखनेवाली ताकतों के साथ कांग्रेस ने गठबंधन किया हुआ है। यह जो अर्बन नक्सल विचार है, वह भी सनातन का विरोधी है। वहीं, अन्य विषयों पर कांग्रेस के लोग मुखर हो जाते हैं, जबकि सनातन के मामले में चुप हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की स्थिति पर भी ठीक ही कहा। कांग्रेस को जब से नये सलाहकार मिले हैं, तब से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को पीछे कर दिया गया है। कांग्रेस के गंभीर एवं सुलझे हुए नेता नेपथ्य में दिखायी पड़ रहे हैं। कहना होगा कि कांग्रेस की वर्तमान दुरावस्था के लिए कहीं न कहीं वह स्थिति जिम्मेदार है, जिसकी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत किया है। परंतु समस्या यह है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व इस सच को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 10 लाख भाजपा कार्यकर्ताओं के महाकुंभ को संबोधित करते हुए कहा- "कांग्रेस अब ऐसी कंपनी बन गई है जो नारों से लेकर नीतियां तक आउटसोर्स कर रही है। यह ठेका अर्बन नक्सलियों के पास है, इसलिए कांग्रेस जमीन पर भी खोखली हो रही है, कार्यकर्ता निराश हो रहे हैं"। प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान में कितनी सत्यता है, इस बात का सबूत उन सब एक्टिविस्टों एवं आंदोलनजीवियों ने दे दिया, जिनकी सहानुभूति नक्सलियों, माओवादियों एवं इस्लामिक कट्टरपंथी समूहों के प्रति रहती है। कांग्रेस के नेताओं से अधिक यह सवाल ऐसे ही एक्टिविस्टों की ओर से पूछा जा रहा है कि 'अर्बन नक्सल' कौन है? कुछ कम्युनिस्ट बुद्धिजीवी तो आगे बढ़कर 'अर्बन नक्सल' की महानतम परिभाषाएं गढ़ रहे हैं। यानी एक तरह से ये सब 'अर्बन नक्सल' को परिभाषित करते हुए बताना चाह रहे हैं कि जो लोकतंत्र और संविधान के समर्थक हैं और सांप्रदायिकता के विरोधी हैं, वे अर्बन नक्सल हैं। 'अर्बन नक्सल' किसे कहा जाता है, यह देश का सामान्य नागरिक भी जानता है इसके बाद भी कांग्रेस के समर्थक बुद्धिजीवी एक भिन्न प्रकार की परिभाषा, कहना होगा कि सर्वथा विपरीत अर्थ बतानेवाली परिभाषाएं अर्बन नक्सल के लिए कर रहे हैं। लोकतंत्र, संविधान एवं सामाजिक समरसता को दीमक की तरह खोखला करने में लगी ताकतों को अर्बन नक्सल कहा गया है। जिन्होंने भारत के टुकड़े-टुकड़े करने के उद्देश्य से बुद्धि को बंदूक बना लिया है, उन्हें अर्बन नक्सल गया है। फिल्मकार विवेक रंजन अग्निहोत्री की बहुचर्चित पुस्तक 'अर्बन नक्सल' में इस संबंध में विस्तार से चर्चा आती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा है, उसकी सत्यता कांग्रेस की नीतियों एवं आचरण से भी झलकती हैं।

कुछ अलग

क्या है राहुल की मंशा

इसी साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी का दिलचस्प आकलन सामने आया है। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनकी पार्टी निश्चित रूप से जीतेगी, तेलंगाना में वह संभवतः जीतेगी। राजस्थान के बारे में उन्होंने कहा कि वहां मुकाबला कांटे का है और उन्हें लगता है कि पार्टी वहां भी जीत हासिल करने में सफल हो जाएगी। उनके इस बयान को दो तरह से समझा जा सकता है। एक तरह से देखा जाए तो उन्होंने चारों राज्यों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई है, लेकिन दूसरी तरह से देखें तो अपने इस बयान के जरिए उन्होंने राजस्थान में जीत के पार्टी के दावे को कमजोर करार दिया। हालांकि तेलंगाना के मामले में भी उन्होंने जीत की संभावना ही जताई, लेकिन राजस्थान खास तौर पर अहम इसलिए है कि वहां वर्तमान में कांग्रेस की ही सरकार है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के तमाम नेता दावा कर रहे हैं कि पार्टी अपनी सत्ता बचाने में कामयाब हो जाएगी। राहुल गांधी का यह आकलन इसलिए भी ध्यान खींचता है कि राजनीति में हार तय नजर आने की स्थिति में भी चुनाव नतीजे आने से पहले तक जीत के प्रबल दावे करने का ही चलन देखा गया है। खासकर बीजेपी के पिछले कुछ चुनाव अभियानों पर नजर डालें तो वहां अक्सर सीटों की असंभव लगने वाली संख्या के साथ जीत के दावे किए जाते रहे। कुछ मामलों में ये दावे कामयाब रहे तो कुछ में परिणाम उलटे साबित हुए, लेकिन यह चलन नहीं टूटा। ऐसे में विरोधी राहुल गांधी के इस बयान को कांग्रेस नेतृत्व का अभी से हार स्वीकार लेने का सबूत बता सकते हैं। हो सकता है कुछ धड़ों में इसे कांग्रेस की राजस्थान इकाई में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कमजोर करने की मंशा से प्रेरित भी बताया जाए। लेकिन राहुल समर्थकों की ओर से इसे उनकी साफ-सुथरी राजनीतिक शैली का प्रमाण भी बताया जा सकता है। कहा जा सकता है कि उन्हें थोथे दावों पर आधारित राजनीति से परहेज है और वह नहीं चाहते मतदाताओं के सामने झूठी तस्वीर पेश करके उनके वोटिंग बिहेवियर को गलत ढंग से प्रभावित किया जाए। बहरहाल, इस बयान के पीछे असल मकसद क्या है और उसे हासिल करने में किस हद तक कामयाबी मिलेगी, यह अभी भविष्य के गर्भ में है। आगे चलकर इसे एक अच्छे, प्रेरक बयान के उदाहरण के रूप में याद किया जाता है या हारी हुई लड़ाई लड़ रहे एक नेता की अप्रत्यक्ष स्वीकारोक्ति के रूप में, यह काफी कुछ आने वाले चुनावों के नतीजों पर भी निर्भर करेगा।

घरेलू बचत, महंगाई, बढ़ता व्यक्तिगत कर्ज, बढ़ते व्यक्तिगत खर्चे आदि को लेकर निम्न एवं मध्यम वर्ग परेशान है

गिरती घरेलू बचत एवं बढ़ती महंगाई से त्रस्त अर्थव्यवस्था

ललित गर्ग

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मासिक बुलेटिन में माना है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की घरेलू बचत दर वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशकों के निचले स्तर पर पहुंच गई। 18 सितंबर को जारी इन आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में देश की शुद्ध घरेलू बचत पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी कम रही है। 2021-22 में देश की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के 7 .2 फीसदी पर थी जो इस साल और घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5 दशक के निचले स्तर 5 .1 प्रतिशत पर आ गई है।

आगामी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव के मध्यनजर महंगाई का लगातार बढ़ते रहना चिंता का विषय है। घरेलू बचत, महंगाई, बढ़ता व्यक्तिगत कर्ज, बढ़ते व्यक्तिगत खर्चे आदि को लेकर निम्न एवं मध्यम वर्ग परेशान है। इस परेशानी के समाधान की बजाय सत्ता एवं विपक्ष दल एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मासिक बुलेटिन में माना है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की घरेलू बचत दर वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशकों के निचले स्तर पर पहुंच गई। 18 सितंबर को जारी इन आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में देश की शुद्ध घरेलू बचत पिछले साल की तुलना में 19 फीसदी कम रही है। 2021-22 में देश की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के 7.2 फीसदी पर थी जो इस साल और घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 5 दशक के निचले स्तर 5.1 प्रतिशत पर आ गई है। अनेक मोर्चों पर भारत की तस्वीर आशा का संचार कर रही है, लेकिन आर्थिक मोर्चें पर चिन्ता का सबब लगातार बना हुआ है, हालांकि समूची दुनिया में आर्थिक असंतुलन बना हुआ है, भारत ने फिर भी खुद को काफी संभाले हुए हैं। किसी देश की अर्थव्यवस्था इस पैमाने पर भी आंकी जाती है कि उसकी घरेलू बचत, प्रति व्यक्ति आय और क्रयशक्ति की स्थिति क्या है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब पचपन फीसद की गिरावट आई और यह सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 फीसद पर पहुंच गई। वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट पर सफाई देते हुए कहा है कि लोग अब आवास और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियों में अधिक निवेश कर रहे है। इसका असर घरेलू बचत पर पड़ा है। मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि संकट जैसी कोई बात नहीं है। सरकार ने यह भी कहा है कि पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 फीसद आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है। परिवारों के स्तर पर वित्त वर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध संपत्ति जोड़ी गई थी। 2021-22 में लगभग सत्रह लाख करोड़ और वित्तवर्ष 2022-23 में 13.8 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय संपत्तियां बढ़ी हैं। इसका मतलब है कि लोगों ने एक साल पहले और उससे पहले के साल की तुलना में इस साल कम वित्तीय संपत्तियां जोड़ी हैं। सरकार के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ,

क्योंकि वे अब कर्ज लेकर घर और वाहन जैसी भौतिक संपत्तियां खरीद रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में आवास और वाहन ऋण में दोहरे अंक में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि महामारी के बाद से लोग काफी सचेत हुए हैं। वे जोखिम वाले निवेश से बच रहे हैं। दूसरी बात बचत खातों पर ब्याज पर दर बहुत आकर्षक नहीं हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित बी-20 बैठक में बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा भी कि ब्याज दरें बढ़ाकर महंगाई नियंत्रित करने की कीमत आर्थिक विकास को चुकानी भारी पड़ सकती है। सरकार चाहे जो तर्क दे पर घरेलू बचत गिरना कोई शुभ संकेत नहीं कहा जा सकता। घरेलू बचत सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रभावी जरिया होती है। देश की कुल बचत में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाली बचत का लगातार गिरना निम्न और मध्यमवर्ग ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था के लिए चिंता की बात है। लगातार महंगाई का बढ़ना भी न केवल आमजन के लिये बल्कि सरकार के लिये चिन्ता का कारण है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के अनुमानों से पता चलता है कि जुलाई (7.4 प्रतिशत) की तुलना में अगस्त में यह घटकर 6.8 फीसदी हो गई है। यहां तक कि खाद्य वस्तुओं की महंगाई भी जुलाई के उच्चतम स्तर पर 11.5 फीसदी से घटकर अगस्त में 9.94 प्रतिशत हो गई। इन संकेतों से भले ही राहत की सांसें मिली हो, बावजूद इसके यह अब भी ज्यादा है। यह गिरावट मुख्यतः सब्जियों की कीमतों में कमी के कारण आई है, जो जुलाई की 37.4 फीसदी की तुलना में अगस्त में 26.1 प्रतिशत थी। हालांकि अनाज और दालों में महंगाई दोहरे अंकों में बनी हुई है, जिनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनजर गिरावट की संभावना फिलहाल नहीं दिख रही। आरबीआई ने स्वीकारा है कि खाद्य मुद्रास्फीति को काबू करना कठिन साबित हो रहा है। मगर अधिकारियों को महंगाई कम करने का महत्वपूर्ण काम सौंपा गया है। स्पष्ट है कि दबाव और प्रतिबंधों के माध्यम से महंगाई को काबू में करने के प्रयास काफी हद तक नाकाम रहे हैं। घरेलू आपूर्ति में कमी के कारण कई खाद्य वस्तुओं, विशेषकर अनाज व दालों में महंगाई रूकने का नाम नहीं ले रही है। गेहूं का उत्पादन गरमी और बेमौसम बारिश के कारण प्रभावित है। यही कारण है कि मई 2022 में गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया। चावल के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। दालों का भी यही हाल है। महंगाई अक्सर सत्तापक्ष के लिये राजनीतिक चुनौती बनती रही है, चुनावों में हार-जीत को बहुत गहराई से प्रभावित करने में महंगाई आधार बनती रही है। महंगाई कम करने के लिए हमें वैकल्पिक रास्ते तलाशने होंगे, जो आर्थिक विकास या किसानों के हितों को प्रभावित किए बिना उपभोक्ताओं की रक्षा करें। विकृत एवं असंतुलित बाजार व्यवस्था ने भी अनेक आर्थिक विसंगतियों को जन्म दिया है। एक आदर्श व्यवस्था का चिन्तन ही वर्तमान की आर्थिक समस्याओं का समाधान हो सकता है। वर्तमान सरकार ने गरीबी दूर करने में सफलता पाई है, लेकिन उसकी सोच अमीरी बढ़ाने की भी रही है। छोटे उद्योग, सबके पास अपना काम, हर व्यक्ति के लिये रोजगार की सुनिश्चितता, कोई भी इतना बड़ा न हो कि जब चाहे अपने से निर्बल को दबा सके। एक आदमी के शक्तिशाली होने का मतलब है, कमजोरों पर निरन्तर मंडराता खतरा। एक संतुलन बने। सबसे बड़ी बात है मानवीय अस्तित्व और मानवीय स्वतंत्रता की। इस पर आंच न आये और आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाये, ऐसी अर्थव्यवस्था की आज परिकल्पना आवश्यक है। तभी बढ़ती महंगाई, आय असंतुलन एवं घटती बचत पर काबू पाया जा सकता है। आय असमानता, महंगाई, बेरोजगारी एक कल्याणकारी राज्य की सबसे बड़ी विडंबना है। यह जब गंभीर रूप से उच्चतम स्तर पर पहुंच जाती है तो उदार आर्थिक सुधारों के लिए सार्वजनिक समर्थन कम हो जाता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि भारत में नव उदारवादी नीतियों से आर्थिक वृद्धि दर को जरूर पंख लगे हैं, लेकिन इससे अमीरों की जितनी अमीरी बढ़ी है, उस दर से गरीबों की गरीबी दूर नहीं हुई है।

दक्षिण में भाजपा के लिए मुश्किल, तमिलनाडु में बदल सकते हैं सियासी दोस्त और दुश्मन

विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन पर भी असर पड़ सकता है, जिसके फलस्वरूप तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस के बीच गठजोड़ भी प्रभावित हो सकता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अब करीब आठ महीने ही बचे हैं। ऐसे में अगर तमिलनाडु की राजनीति में उथल-पुथल और भ्रम की स्थिति बनी रही, तो जाहिर है कि इसका फायदा राज्य में सत्तारूढ़ दल यानी एमके स्टालिन की द्रमुक को मिलेगा। जयललिता के शासन काल में अन्नाद्रमुक भाजपा का एक भरोसेमंद और विश्वसनीय सहयोगी रहा है, जिसने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का समर्थन किया। जयललिता ने अन्नाद्रमुक के चुनावी घोषणा पत्र में इसे शामिल किया था। अन्नाद्रमुक समान विचारधारा वाली ऐसी पांचवीं पार्टी है, जो एनडीए से बाहर हुई है। अकाली दल, शिवसेना, जनता दल (यूनाइटेड) इत्यादि ने पहले ही अपना समर्थन वापस ले लिया और नरेंद्र मोदी सरकार से खुद को अलग कर लिया था। निश्चित रूप से इसने एनडीए को प्रभावित किया। अन्नाद्रमुक द्वारा भाजपा से रिश्ता खत्म करने के बारे में कई कारण बताए जा रहे हैं।

अन्नाद्रमुक का एनडीए से बाहर निकलना और लोकसभा चुनाव के लिए नए मोर्चे के गठन की घोषणा करना निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए एक बड़ा झटका है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी की रणनीति बना रही है। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम का असर तमिलनाडु की राजनीति पर पड़ सकता है और द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन की छोटी पार्टियां ज्यादा सीटें पाने के लिए अन्नाद्रमुक के साथ सौदेबाजी कर सकती हैं। इससे कांग्रेस भी प्रभावित हो सकती है। परिकल्पना कीजिए कि यदि यह सब होता है, तो इससे विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन पर भी असर पड़ सकता है, जिसके फलस्वरूप तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस के बीच गठजोड़ भी प्रभावित हो सकता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अब करीब आठ महीने ही बचे हैं। ऐसे में अगर तमिलनाडु की राजनीति में उथल-पुथल और भ्रम की स्थिति बनी रही, तो जाहिर है कि इसका फायदा राज्य में सत्तारूढ़ दल यानी एमके स्टालिन की द्रमुक को मिलेगा। जयललिता के शासन काल में अन्नाद्रमुक भाजपा का एक भरोसेमंद और विश्वसनीय सहयोगी रहा है, जिसने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का समर्थन किया। जयललिता ने अन्नाद्रमुक के चुनावी घोषणा पत्र में इसे शामिल किया था। अन्नाद्रमुक समान विचारधारा वाली ऐसी पांचवीं पार्टी है, जो एनडीए से बाहर हुई है। अकाली दल, शिवसेना, जनता दल (यूनाइटेड) इत्यादि ने पहले ही अपना समर्थन वापस ले लिया और नरेंद्र मोदी सरकार से खुद को अलग कर लिया था। निश्चित रूप से इसने एनडीए को प्रभावित किया। अन्नाद्रमुक द्वारा भाजपा से रिश्ता खत्म करने के बारे में कई कारण बताए जा रहे हैं। इस कहानी में अभी कई मोड़ आएंगे और इस बात की पूरी संभावना है कि अगले एक महीने में तमिलनाडु की राजनीति में काफी बदलाव आएगा। कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' में भी एक बड़ा संकट पैदा हो सकता है। यदि कांग्रेस को 20 लोकसभा सीटों की पेशकश की जाती है और वह अन्नाद्रमुक के साथ जाने के लिए तैयार हो जाती है, तो द्रमुक के अध्यक्ष एमके स्टालिन क्या करेंगे? नई दिल्ली में भाजपा नेताओं ने अन्नाद्रमुक पर आरोप लगाया कि वह सनातन धर्म वाले मुद्दे पर चुप रही। अमित शाह ने एडप्पादी पलानीस्वामी से स्पष्ट रूप से कहा था कि अन्नाद्रमुक द्वारा उदयनिधि स्टालिन की आलोचना करते हुए एक प्रेस बयान जारी किया जाए। लेकिन अन्नाद्रमुक द्वारा भाजपा और एनडीए गठबंधन से नाता तोड़ने के पीछे कुछ और कारण बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अन्नाद्रमुक चाहती थी कि भाजपा अपनी तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई को पद से हटा दे या उस पर अंकुश लगाए। लेकिन जब भाजपा ने इससे इन्कार कर दिया, तो अन्नाद्रमुक ने एनडीए से रिश्ता खत्म करने की घोषणा कर दी। बताया जाता है कि पिछले हफ्ते अन्नाद्रमुक के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने नई दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी और भाजपा नेता के अन्नामलाई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी, क्योंकि पिछले दिनों अन्नामलाई ने द्रविड़ नेता सीएन अन्नादुरई के खिलाफ एक आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। लेकिन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ऐसा नहीं करना चाहते थे। इस तरह से अन्नाद्रमुक सीट बंटवारे को लेकर नहीं, बल्कि राज्य भाजपा प्रमुख द्वारा अपने संस्थापकों के अपमान के कारण एनडीए गठबंधन से अलग हो गई। गौरतलब है कि अन्नामलाई पूरे तमिलनाडु में 'एन मन एन मक्कल' यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं और राज्य में पार्टी के लिए एक मजबूत आधार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए भाजपा नेतृत्व अन्नामलाई का समर्थन कर रहा है। यह यात्रा आगामी 11 जनवरी, 2024 को चेन्नई में खत्म होगी, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी यात्रियों को माला पहनाकर स्वागत किए जाने की उम्मीद है। भाजपा नेताओं को आधिकारिक तौर पर इस मुद्दे पर कुछ न बोलने की सलाह दी गई है। लेकिन कम से कम दो भाजपा नेताओं ने बताया कि 'उम्मीद की किरण' अब भी बची हुई है, क्योंकि भाजपा को अब तमिलनाडु में 'अपने पैर जमाने' और 2024 के लोकसभा चुनाव में छोटे दलों के साथ गठबंधन करने का मौका मिला है। भाजपा के सूत्रों ने यह भी कहा कि अन्नाद्रमुक के इस कदम का उद्देश्य अल्पसंख्यक मतों को लुभाना है। भाजपा को अब भी उम्मीद है कि 'अन्नाद्रमुक अपने फैसले पर फिर से विचार करेगी और एनडीए गठबंधन में बनी रहेगी।' आश्चर्य की बात है कि नई दिल्ली में भाजपा के कुछ शीर्ष नेता अब भी इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि अन्नाद्रमुक एनडीए में लौटेगी। पर्दे के पीछे उसे मनाने की कोशिश जारी है। जल्द ही एक शीर्ष स्तर का भाजपा नेता बातचीत शुरू करने के लिए चेन्नई पहुंचेगा। यदि भाजपा अन्नाद्रमुक को एनडीए में लाने में विफल रहती है, तो भाजपा 2022 में हैदराबाद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी में लाए गए प्रस्ताव पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें कहा गया था कि पार्टी दक्षिण भारत के छह राज्यों से 50 लोकसभा सीटें हासिल करने पर जोर देगी। भाजपा नेताओं को इस बात का एहसास है कि पार्टी ने गुजरात, राजस्थान और हरियाणा में अपना चरम हासिल कर लिया है, लेकिन उन्हें कुछ राज्यों, जैसे कि पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर के राज्यों और बिहार में भी ज्यादा सीटें खोने का डर है। जब तक भाजपा दक्षिण से ज्यादा सीटें नहीं जीतती, तब तक इस नुकसान की भरपाई कैसे की जा सकती है! अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी पलानीस्वामी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के समर्थन से चार साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। भाजपा के परोक्ष समर्थन के कारण ही उन्हें दो पत्तियों वाला चुनाव चिह्न मिला। पलानीस्वामी ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी ओ पन्नीरसेल्वम से कानूनी बाधाओं का मुकाबला किया।

देश दुनीया से

निवेशकों को बचाने आए सेबी के नए नियम

भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर इस समय दुनिया के बड़े देशों में सबसे तेज है। कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत में छोटे और मध्यम दर्जे के शहरों और गांवों में तेजी से विकास हो रहा है, बाजार भी बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में मोबाइल फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या कुल आबादी की करीब 88% है, गांव-गांव में तकनीकी सुविधाओं का लाभ पहुंच रहा है। आर्थिक स्थिति सुधरने से काफी लोग स्टॉक मार्केट में भी निवेश करने लगे हैं। यह बात सच है कि निवेशक अपनी धारणा सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी और खबरों से बनाते हैं। अगर निवेशकों को किसी कंपनी और प्रबंधन पर भरोसा है तो उस स्टॉक को हाई वैल्यूएशन मिलता है। इसी तरह शेयर प्राइस में तेजी निवेशकों के कंपनी पर विश्वास और उसे प्रदर्शन पर निर्भर होती है। लेकिन कभी-कभी बाजार के कुछ उतार-चढ़ाव अफवाहों के आधार पर या कुछ ऐसे तत्वों के हस्तक्षेप के कारण हो जाते हैं, जिनसे आम निवेशकों की सुरक्षा जरूरी हो जाती है। उदाहरण के तौर पर, पिछले दिनों अडाणी ग्रुप से रिलेटेड ऐसी कुछ घटनाएं हुई थीं। हिंडनबर्ग और ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रॉजेक्ट की रिपोर्ट जारी होने से इस कंपनी के शेयरों में गिरावट आई और आम निवेशकों पर भी इसका असर पड़ा। हालांकि ध्यान रखना चाहिए कि दोनों रिपोर्टों के बावजूद अडाणी ग्रुप में कुछ विदेशी निवेशक जैसे GQG पार्टनर्स, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी सहित और भी लोग निवेश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति की रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में 24 जनवरी से 27 फरवरी के बीच अडाणी ग्रुप में भारतीय निवेशकों को लगभग 29,200 करोड़ का नुकसान हुआ है। सेबी भी मामले की जांच कर रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि कुछ विदेशी निवेशकों सहित एक दर्जन कंपनियां अडाणी ग्रुप के शेयर में 'शॉर्ट' करने से मुनाफे में रहीं। कुछ निवेशकों द्वारा विशिष्ट कंपनियों में कृत्रिम तरीकों से भाव गिराना और उसका व्यक्तिगत लाभ उठाकर बेच देना कई देशों में गैर-कानूनी है। इसलिए यहां सवाल उठता है कि क्या अडाणी ग्रुप के बारे में जो आरोप लगाए गए, उनके विषय में तथ्यात्मक जांच की गई? वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक इंटरव्यू में शॉर्ट सेलिंग को लेकर सेबी के रोल पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि नियमों के समुचित पालन से कॉरपोरेट गवर्नेंस को बढ़ावा मिलता है, जिससे अर्थव्यवस्था निर्बाध रूप से बढ़ती है। गलत सूचना और अफवाह निवेशकों के विश्वास को हिला सकते हैं। बाजार और अर्थव्यवस्था पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। केवल विदेशी निवेशकों का ही नहीं, भारत के हजारों छोटे और मध्यम वर्गीय निवेशकों का भी नुकसान हो सकता है। अच्छी बात यह है कि सेबी के नए नियमों के मुताबिक अब कंपनियों को मीडिया में चल रही कंपनी से संबंधित सार्वजनिक निवेश की अफवाहों या खबरों की पुष्टि या खंडन करना होगा। यह सूचना दिए जाने के 24 घंटे के भीतर कंपनी को स्पष्टीकरण देना होगा। यह नियम शीर्ष 100 कंपनियों के लिए 1 अक्टूबर 2023 से लागू हो जाएगा और शीर्ष 250 कंपनियों के लिए 1 अप्रैल 2024 से। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने के लिए जरूरी है कि कॉरपोरेट गवर्नेंस की सुरक्षा और अनुपालन हो और अफवाहों को भारत के आर्थिक ढांचे में बाधा न बनने दिया जाए। इसके लिए सेबी, RBI, ED, स्टॉक एक्सचेंज और सरकार को मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही विश्व के अन्य विकसित केंद्रों के अधिनियमों को भी ध्यान में रखना होगा। सिंगापुर और दुबई हमारे लिए अच्छे उदाहरण हैं और दोनों ही देशों से निवेश हमारे देश में आता है। आशा करते हैं कि सेबी के नए नियम लागू होने से इस समस्या का काफी हद तक समाधान होगा।

भारत में मोबाइल फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या कुल आबादी की करीब 88% है, गांव-गांव में तकनीकी सुविधाओं का लाभ पहुंच रहा है। आर्थिक स्थिति सुधरने से काफी लोग स्टॉक मार्केट में भी निवेश करने लगे हैं। यह बात सच है कि निवेशक अपनी धारणा सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध जानकारी और खबरों से बनाते हैं। अगर निवेशकों को किसी कंपनी और प्रबंधन पर भरोसा है तो उस स्टॉक को हाई वैल्यूएशन मिलता है। इसी तरह शेयर प्राइस में तेजी निवेशकों के कंपनी पर विश्वास और उसे प्रदर्शन पर निर्भर होती है। लेकिन कभी-कभी बाजार के कुछ उतार-चढ़ाव अफवाहों के आधार पर या कुछ ऐसे तत्वों के हस्तक्षेप के कारण हो जाते हैं, जिनसे आम निवेशकों की सुरक्षा जरूरी हो जाती है।

दृष्टिकोण

बांग्लादेश में पस्त है विपक्ष, इसीलिए चुनावी मौसम में बेफिक्र हैं शेख हसीना

भारत की तरह बांग्लादेश में भी इस साल दिसंबर या अगले साल के प्रारंभ में आम चुनाव होंगे। भारत में विपक्ष कांग्रेस की अगुआई में 'इंडिया' गठबंधन बनाकर बैठकें कर रहा है और अपने अंतर्विरोधों की उलझी कड़ियां सुलझाते हुए नए उत्साह से आगे बढ़ रहा है, तो बांग्लादेश का विपक्ष अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अत्याचार, गिरफ्तारियों, साल-दर-साल चल रहे मुकदमों के बोझ तले दबकर चीख रहा है। इस साल राष्ट्रीय स्तर पर दो बार विपक्ष के लाखों कैडरों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन व घेराव किया, पर हर बार पुलिस की कार्रवाई से उनके हौसले पस्त करने की कोशिश हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पिछले चुनाव से पहले भी एक कार्यवाहक सरकार की देख-रेख में चुनाव की मांग रखी थी, पर 2011 में संविधान में संशोधन के बाद ऐसी सरकार गठित करने का प्रावधान ही खत्म कर दिया गया। अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर के मुताबिक, 'विपक्ष पिछले ढाई साल से सड़क पर उतरकर देश की शांति और विकास की राह में रोड़े अटका रहा है, जबकि हमारी प्रधानमंत्री का एजेंडा देश में विकास, लोकतंत्र और अमन बरकरार रखना है।' हालांकि खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी की संगठन सचिव और विदेश मामलों की प्रभारी शमा ओबेद इस्लाम रिंकू का कहना है, 'सत्तारूढ़ सरकार विपक्ष का पिछले ढाई सालों से दमन कर रही है। हमारे आंदोलन को कुचलने के लिए हुई पुलिस कार्रवाई में पिछले साल के अंतिम तीन महीनों में ही बीएनपी के 14 कार्यकर्ता मारे गए थे।' दो बार प्रधानमंत्री रह चुकीं खालिदा जिया को फरवरी 2018 में भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। 2019 में उन्हें खराब सेहत के चलते रिहा किया गया, शर्त यह थी कि वह ढाका में अपने घर में रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। इस तरह, 76 वर्षीया जिया चुनाव प्रचार में हिस्सा नहीं ले सकतीं। बीएनपी की प्रमुख जिया और उनके बेटे व बीएनपी के कार्यवाहक प्रमुख तारिक रहमान, जो फिलहाल लंदन में रहते हैं, के खिलाफ मामलों को वापस लेना है। उन्हें 2004 में हसीना पर हत्या के षड्यंत्र में शामिल होने के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 2018 के चुनाव से पहले बीएनपी के बाद जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण रद्द कर दिया गया। अब यह 'बांग्लादेश डेवलपमेंट पार्टी' के नाम से चुनाव में उतरने की तैयारी में है। हाल ही में अमेरिकी कांग्रेस के 14 सदस्यों ने बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए लिखा था, पर बांग्लादेशी सरकार ने साफ कहा कि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी देश उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। न्यायपालिका पर सरकार का शिकंजा पूरी तरह कसा हुआ है, इसमें कोई शक नहीं। 17 जनवरी, 2015 से 11 नवंबर, 2017 तक सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति सुरेंद्र कुमार सिन्हा के प्रकरण में जो हुआ, उससे एक तरह से सरकार के चेहरे से मुखौटा हट गया।

जयशंकर ने आश्वासन दिया कि अगर वह खालिस्तानी आतंकवादी से जुड़ी विशिष्ट जानकारी मुहैया कराते हैं तो इस पर कार्रवाई की जाएगी

न्यूयॉर्क ।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कनाडाई पक्ष को आश्वासन दिया कि अगर वह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़ी विशिष्ट जानकारी मुहैया कराते हैं तो इस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इस पर विचार करने के लिए तैयार हैं। न्यूयॉर्क में काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में जयशंकर ने निज्जर हत्याकांड को लेकर कहा, हमने कनाडाई लोगों से कहा कि यह भारत सरकार की नीति नहीं है। दूसरा, हमने कहा कि यदि आपके पास कुछ विशिष्ट है और यदि आपके पास कुछ प्रासंगिक है, तो हमें बताएं। हम इसे देखने के लिए तैयार हैं। दरअसल, कोई भी तस्वीर बिना संदर्भ पूरी नहीं हो सकती। खासतौर पर, कनाडा ने निज्जर की हत्या के बारे में दावे का समर्थन करने के लिए अभी तक कोई सार्वजनिक सबूत नहीं दिया है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ सालों में कनाडा में काफी संगठित अपराध हुए हैं और भारत सरकार ने इस बारे में कनाडा को काफी जानकारी दी है। जयशंकर ने कहा, बीते कुछ वर्षों में कनाडा ने वास्तव में अलगाववादी ताकतों, संगठित अपराध, हिंसा और अतिवाद से संबंधित बहुत सारे संगठित अपराध देखे हैं। वे सभी बहुत गहराई से मिश्रित हैं। हम विशिष्टताओं और जानकारी के बारे में बात कर रहे हैं। हमने उन्हें संगठित अपराध और नेतृत्व के बारे में बहुत सारी जानकारी दी है, जो कनाडा से संचालित होती है। बड़ी संख्या में प्रत्यर्पण अनुरोध हैं। आतंकवादी नेता हैं, जिनकी पहचान की गई है। विदेश मंत्री ने भारतीय राजनयिकों को धमकी और भारतीय वाणिज्य दूतावासों पर हमलों की इन घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि ये राजनीतिक कारणों से बहुत अनुमतिपूर्ण हैं। जयशंकर ने आगे कहा, हमारी चिंता यह है कि राजनीतिक वजहों से यह वास्तव में बहुत अधिक अनुमतिपूर्ण है। इसलिए हमारे पास ऐसी स्थिति है, जहां हमारे राजनयिकों को धमकी दी जा रही है, हमारे वाणिज्य दूतावासों पर हमला किया जा रहा है। इसमें से बहुत कुछ को अक्सर उचित ठहराया जाता है, क्योंकि यह कहा जाता है कि लोकतंत्र इसी तरह से काम करता है। यदि कोई मुझे कुछ विशिष्ट जानकारी देता है, तो इसे कनाडा तक सीमित नहीं होना चाहिए। लेकिन, अगर कोई ऐशी घटना है जो एक मुद्दा है और कोई मुझे एक सरकार के रूप में कुछ विशिष्ट जानकारी देता है, तो मैं उस पर गौर करूंगा।

पिछले हफ्ते की शुरुआत में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक विस्फोटक बयान दिया, जिसमें उन्होंने भारत सरकार पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया गया। उनके इस दावे को भारत ने स्पष्ट रूप से खारित किया है और इसेर बेतुका और प्रेरित बताया है।

न्यूज ब्रीफ

8 साल जेल में बिताने के बाद कोर्ट ने शख्स को बाइज्जत बरी किया, अमेरिका में हैरान करने वाला मामला

लॉस एंजिलिस। अक्सर देखने को मिलता है कि सालों जेल की सजा काटने के बाद कई लोग निर्दोष साबित होते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ अमेरिका के कैलिफोर्निया में, यहां 28 साल जेल की सजा काटने के बाद साबित हुआ कि आरोपी निर्दोष है। इसके बाद लॉस एंजिलिस काउंटी ने मंगलवार को आरोपी को रिहा कर दिया। आरोपी के ऊपर 30 साल पहले अपहरण, डकैती और बलात्कार के आरोप लगे थे। काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के ऑफिस ने एक बयान में कहा, डीएनए टेस्ट ने साल 1995 में साउथ गेट शहर में एक खड़ी कार में बैठे एक कपल पर हुए हमले में आरोपी गेरार्डो कैबनिलास को दोषमुक्त करने में मदद की। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी से संबंधित कनविक्शन इंटीग्रिटी यूनिट ने आरोपी कैबनिलास के मामले की दोबारा जांच की थी। इसके बाद पिछले हफ्ते जज ने गेरार्डो कैबनिलास की सजा को पलट दिया और उसे निर्दोष पाया पाते हुए उसकी स्थायी रिहाई का आदेश दिया। अटॉर्नी जज जॉर्ज गैस्कॉन ने एक बयान में कहा, न्याय की विफलता और हमारी आपराधिक कानूनी प्रणाली की विफलता के लिए मैं गेरार्डो कैबनिलास से माफी मांगता हूं। दरअसल, गेरार्डो कैबनिलास को साल 1996 में कोर्ट ने दोषी ठहराया था और इसके बाद उन्हें जेल हो गई थी। कैबनिलास ने निर्दोष होते हुए भी 28 साल जेल में बिताए। कैबनिलास पर आरोप था कि उसने साउथ गेट शहर में एक खड़ी कार में बैठे एक कपल पर पहला कर आदमी को कार से बाहर निकाला और महिला को एक घर में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। अधिकारियों ने कहा कि इसके दो दिन बाद उसी इलाके में एक कार सवार कपल के साथ लूटपाट हुई थी। हमलों के पीड़ितों कपल ने फोटो में पहचान करके गेरार्डो कैबनिलास की पहचान की थी। लेकिन बाद में कोर्ट की जांच में पीड़ितों ने बताया कि उनके ऊपर कैबनिलास की फोटो पर मुहर लगाने के लिए दबाव बनाया गया था। वहीं, बलात्कार किट पर किए गए डीएनए टेस्ट से पता चला कि इसमें गेरार्डो कैबनिलास शामिल नहीं था। वहीं, इनोसेंस प्रोजेक्ट ने कहा कि इस मामले में किसी अन्य संदिग्ध को कभी गिरफ्तार नहीं किया गया, हालांकि एक व्यक्ति ने बाद में एक अपराध करना कबूल किया था।

मैरिज हॉल में लगी आग में 100 की मौत, 150 घायल, सुरक्षा मानकों के विरुद्ध बाहरी आवरण पर ज्वलनशील सामग्री का दुरुपयोग

तेहरान। इराक के उत्तरी क्षेत्र के निनेवे प्रांत में स्थित एक मैरिज हॉल में आग लगने से 100 लोगों की मौत हो गई और 150 घायल हो गए। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ईसाई बहुल हमदानिया इलाके में हुई इस घटना को टेलीविज़न फ़ुटेज में जले मलबे को दिखाया गया। जहां यह घटना घटित हुई वह राजधानी बगदाद से लगभग 335 किलोमीटर मोसुल शहर बाहर है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ अल-बद्र ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। निनेवेह के प्रांतीय गवर्नर नजीम अल-जुबौरी ने कहा कि उपचार के लिए कुछ घायलों को क्षेत्रीय अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने आगाह किया कि आग से अभी तक हताहतों की कोई अंतिम संख्या नहीं है, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। आग लगने के कारण के बारे में तत्काल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कार्यक्रम स्थल पर आतिशबाजी के कारण आग की संभावना व्यक्त की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि मैरिज हॉल के बाहरी हिस्से को अत्यधिक ज्वलनशील आवरण से सजाया गया था जो देश में अवैध था। नागरिक सुरक्षा ने कहा कि अत्यधिक ज्वलनशील, कम लागत वाली निर्माण सामग्री के उपयोग के परिणामस्वरूप आग लगने से हॉल के कुछ हिस्से ढह गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि इराक में अधिकारियों ने हॉल पर क्लैडिंग का उपयोग करने की अनुमति क्यों दी। अमेरिका के नेतृत्व वाले आक्रमण के दो दशक बाद भी भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन स्थानिक बना हुआ है, जिसने सद्दाम हुसैन को उखाड़ फेंका था। विशेषज्ञों का कहना है कि शादी हॉल और अन्य जगहों पर जो आग लगी है, उन्हें सुरक्षा मानकों को अनुरुप डिज़ाइन नहीं किया गया था।

भारत-कनाडा विवाद : अमेरिका ने दोहराया अपना रुख

कहा- निष्पक्ष जांच की जरूरत, नई दिल्ली को सहयोग करना चाहिए

वॉशिंगटन ।
खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत और कनाडा के बीच जारी विवाद पर अमेरिका ने एक बार फिर बयान दिया है। कनाडा की ओर से भारत पर लगाए आरोपों को चिंता का विषय बताते हुए अमेरिकी विदेश विभाग ने अपना रुख दोहराते हुए कहा कि नई दिल्ली को जांच में सहयोग करने चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि इस मामले में पूर्ण और निष्पक्ष जांच की जरूरत है। मिलर ने कहा, हमने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर गौर किया है। हम इससे काफी चिंतित हैं। हमें लगता है कि इन आरोपों की पूर्ण और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कनाडाई सरकार ने कहा है कि वह ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि भारत सरकार को इसमें सहयोग करना चाहिए।

भारत-कनाडा संबंधों और अमेरिका-भारत संबंधों पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर मिलर ने कहा कि भारत अब भी अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है, लेकिन इस मामले पर अमेरिका नई दिल्ली से कनाडाई सरकार की जांच में सहयोग करने का अनुरोध कर रहा है।

उन्होंने आगे कहा, हम कनाडा की स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। हमने अपने कनाडाई समकक्षों के साथ घनिष्ठ रूप से सहयोग किया है। हमने भारत से इस जांच में सहयोग करने का आग्रह किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। भारत अब भी अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। हम कई मुद्दों पर भारत के साथ काम करते हैं, लेकिन निश्चित रूप से इस मामले पर हम उनसे कनाडाई जांच में सहयोग करने का आग्रह करते हैं।

बीते दिनों अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी कहा था कि वाशिंगटन कनाडा के आरोपों को लेकर काफी चिंतित है और इस मामले में जवाबदेही देखना चाहता है। ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका ने सीधे तौर पर भारत सरकार से बातचीत की है।

भारत-कनाडा के बीच अच्छे संबंध का अमेरिका हिमायती

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिका को भारत और कनाडा दोनों देशों की बराबर परवाह है। दोनों देशों के साथ अमेरिका के मजबूत रिश्ते हैं, साथ ही अमेरिका दोनों (भारत-कनाडा) के बीच अच्छे संबंधों का हिमायती है। नई दिल्ली में हिंद-प्रशांत सेना प्रमुख सम्मेलन (आईपीएसी) के सह-मेजबान के तौर पर मानेकशॉ केंद्र पर 30 देशों की सेनाओं के प्रतिनिधियों को संबोधित करने के बाद उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए तय करना जरूरी है कि देशों की संप्रभुता और सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाए। इसके साथ ही हमारे रिश्तों की संभावनाओं को भी गंभीरता से लेना चाहिए।

कनाडाई राजदूत ने भारत पर बोला हमला

वहीं, संयुक्त राष्ट्र में कनाडा के राजदूत बॉब रे ने फिर परोक्ष रूप से भारत पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विदेशी दखल के कारण लोकतंत्र खतरे में पड़ जाते हैं और देशों के बीच के संबंधों के नियम राजनीतिक सुविधा से नहीं बदले जा सकते। उन्होंने कहा, इसके साथ ही जब हम समानता के महत्व पर बेहद जोर देते हैं तो हमें मुक्त और लोकतांत्रिक समाजों के मूल्यों को भी बनाए रखना चाहिए। यदि हम उन नियमों पर टिके नहीं रहे, जिनपर हम पहले सहमत हुए हैं तो हमारे मुक्त और खुले समाज का ताना-बाना बिखरने लगेगा।

जो बाइडन के वफादार कमांडर ने सीक्रेट सर्विस एजेंट पर किया हमला, 4 महीने के बीच 10 सेवाकर्मी हो चुके शिकार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कुत्ते कमांडर ने अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के एक और कर्मचारी को काट लिया। चार महीने के अंदर ये 11वां हमला है। सीक्रेट एजेंट पर हमला सोमवार की सुबह करीब आठ बजे व्हाइट हाउस में हुआ। यूएसएसएस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिल्मी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया की चिकित्सा कर्मियों ने कर्मचारी का तुरंत इलाज किया, फिलहाल वह बिल्कुल ठीक है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, बाइडन का कुत्ता कमांडर जर्मन शेफर्ड शुद्ध नस्ल का है। उसने अक्टूबर 2022 और जनवरी के बीच कम से कम 10 बार गुप्त सेवा कर्मियों पर हमला किया है। कमांडर के काटने पर एक कानून प्रवर्तन अधिकारी को अस्पताल के चक्कर लगाने पड़े थे। आक्रामक व्यवहार करने वाला बाइडन का दूसरा कुत्ता कमांडर है। उसने सीक्रेट सर्विस कर्मियों और व्हाइट हाउस के कर्मचारियों को काफी बार काटा है। काटने की कई बार घटनाएं होने के बाद बाइडन के पहले कुत्ते जर्मन शेफर्ड मेजर को डेलावेयर भेज दिया गया था।बता दें कि गुप्त सेवा राष्ट्रपति और उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान करती है। इसके कई अधिकारी कार्यकारी व्हाइट हाउस और उसके विशाल मैदान के आसपास तैनात रहते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि बाइडन को दिसंबर 2021 में अपने भाई जेम्स से तोहफे के रूप में कमांडर मिला था। बाइडन के परिवार में एक बिल्ली विलो भी है।

दक्षिण चीन सागर

फ्लोटिंग बैरियर हटाने पर बीजिंग की फिलीपींस को चेतावनी, कहा- उकसावे की कार्रवाई न करें

बीजिंग ।
विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस और चीन के बीच तनाव लगातार बढ़ है। दरअसल, बीजिंग ने फिलीपींस के मछली पकड़ने वाले जहाजों को रोकने के लिए फ्लोटिंग बैरियर लगाए हुए थे। फिलीपींस ने इन्हें हटा दिया। इसके बाद मंगलवार को बीजिंग ने मनीला को चेतावनी दी है कि वह उनके लिए परेशानी पैदा न करे।

फिलीपींस के तटरक्षक बल ने एक दिन पहले बताया था कि उसने चीनी नौकाओं द्वारा लगाए गए फ्लोटिंग बैरियर को हटा दिया है। तटरक्षक बल के एक अधिकारी ने बताया कि फिलीपींस के पोत के पहुंचने पर तीन चीनी तटरक्षक नौकाओं और एक समुद्री मिलिशिया सर्विस बोट ने बैरियर लगाया।

मनीला का कहना है कि चीन ने स्कारबोरो शोल में 300 मीटर बैरियर के साथ उसके मछली पकड़ने के अधिकारों का उल्लंघन किया है। चीन दक्षिण चीन सागर के 90 फीसदी से अधिक हिस्से पर दावा करता है और उसने 2012 में इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था।

मनीला की कार्रवाई पर एक सवाल के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, हुआंगयान दाओ पर अपनी संप्रभुता और समुद्री अधिकारों और हितों की रक्षा करने का चीन का संकल्प अटल है। हम फिलीपींस से अपील करते हैं कि वे उकसावे की कार्रवाई न करें या परेशानी पैदा न करें। उन्होंने कहा, द्वीप और उसके आस-पास के जल क्षेत्र पर चीन की निर्विवाद संप्रभुता है और संबंधित जल क्षेत्र पर संप्रभु अधिकार और अधिकार क्षेत्र है।

22 सितंबर को फिलीपींस के मत्स्य पालन और जलीय संसाधन ब्यूरो के एक जहाज ने चीन की अनुमति के बिना हुआंगयान दाओ के निकवर्ती जल क्षेत्र में घुसपैठ की और उसके लैगून में प्रवेश करने का प्रयास किया। वांग वेनबिन ने कहा, चीन के तट रक्षक ने फिलीपींस के जहाज को अवरुद्ध करने और भगाने के लिए जो जरूरी था वह किया। चीनी विदेश मंत्रालय प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने जो कदम उठाए वे पेशेवर और संयमित थे।

दिन-रात के मिलन की तस्वीर जारी की स्पेस एजेंसी ने,अदभूत दिखाई दे रहा है यह नजारा

वॉशिंगटन ।
यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर दिन और रात के मिलन का एक अदभूत फोटा शेयर किया है। जब दिन और रात का मिलन हो और ठंड का आगमन हो रहा हो, उस वक्त इसे कैप्चर किया गया है। फोटो शेयर करते हुए स्पेस एजेंसी ने लिखा, सर्दियां आ रही हैं।

दिन और रात आधे-आधे में बंटे हुए नजर आ रहे हैं। स्पेस एजेंसी के मुताबिक, यह तस्वीर उस वक्त की है जब सूरज खगोलीय भूमध्य रेखा को पार कर रहा है और उत्तरी गोलार्ध में शरद ऋतु का आगमन हो रहा है। चमकते सूर्य ने 07: 50 बीएसटी से 08: 50 सीईएसटी पर खगोलीय भूमध्य रेखा को पार किया। यह ठंड आने का संकेत है। यह तस्वीर 23 सितंबर को सुबह 9 बजे मेटेओसेट सैटेलाइट से रिकॉर्ड की गई। तस्वीर इतनी मनमोहक है कि इसे महज दो दिन में 1: 75 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। हजारों लोगों ने कमेंट्स भी किए हैं। जानकारी के अनुसार, तस्वीर से स्पष्ट है कि शरद ऋतु उत्तरी गोलार्ध में शुरू हुई और दक्षिण गोलार्ध में वसंत का आगमन होने लगा।

इसी के साथ सूर्य दक्षिण की ओर पलायन कर रहा है। इस वक्त ग्रह के उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध को समान रूप से सूर्य की रोशनी मिलती है। लेकिन धीरे-धीरे दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य की चमक बढ़ती जाती है। तस्वीर इतनी साफ है कि लोग अपने-अपने देश को इसमें तलाशते नजर आए। कुछ लोगों ने इसे 'विषुव' बताया। दरसल, 'विषुव' शब्द संस्कृत से लिया गया है और इसका शाब्दिक अर्थ दिन और रात्रि के समान होने से है। हालांकि, किसी क्षेत्र में दिन और रात की लंबाई को प्रभावित करने वाले कई दूसरे कारक भी होते हैं।

उत्पीड़न का आरोप लगा पाकिस्तान भागे भारतीय पिता-पुत्र, अफगानिस्तान के रास्ते चमन इलाके में हुए दाखिल

इस्लामाबाद ।
अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले एक भारतीय पिता-पुत्र ने दावा किया है कि उन्होंने धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए नई दिल्ली में अपना घर छोड़कर पलायन किया है। मोहम्मद हसनैन और उसके बेटे इशाक आमिर ने पाकिस्तान-अफगान सीमा से अवैध रूप से पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के चमन इलाके में घुसपैठ की।

दोनों फिलहाल कराची में ईदी वेलफेयर ट्रस्ट के आश्रय गृह में हैं। हसनैन ने कहा, अगर पाकिस्तानी अधिकारी हमें जेल में डालना चाहते हैं तो हम उसके लिए तैयार हैं। हम बिना वैध दस्तावेजों के आए हैं पर हम शरण लेने की कोशिश करेंगे। हसनैन (70 वर्षीय) और आमिर (31 वर्षीय) नई दिल्ली के गौतमपुरी इलाके के रहने वाले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लंबे समय तक उत्पीड़न और धार्मिक अत्याचार का सामना करना पड़ा इसलिए उन्होंने पाकिस्तान भागने का फैसला किया। हसनैन ने कहा, हमें कराची पहुंचने में 14 दिन लगे। वहां पहुंचकर हमने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले दोनों पांच सितंबर को नई दिल्ली से दुबई के लिए रवाना हुए थे। दुबई में उन्हें अफगानिस्तान दूतावास से वीजा मिला। उसने कहा, हमें वीजा मिला और हम काबुल के लिए रवाना हुए, जहां से हम सड़क मार्ग से कंधार गए और वहां से हम चमन सीमा के जरिए पाकिस्तान में दाखिल हुए। दोनों एक अफगान एजेंट की मदद से सीमा पार करने में सफल रहे और बाद में उन्होंने टैक्सी ड्राइवर को कराची ले जाने के लिए 60,000 रुपये का भुगतान किया।

कराची पुलिस मान रही पीड़ित

कराची के पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण) असद रजा ने कहा कि दोनों पर जासूस होने का संदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें धार्मिक पूर्वाग्रह और उत्पीड़न का शिकार माना गया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

भारत-अमेरिका का अपने सहयोग को और मजबूत करने पर जोर', अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का बयान

वाशिंगटन ।
अमेरिका और भारत के बीच बीते कुछ वर्षों में व्यापार के साथ सैन्य रिश्ते भी तेजी से मजबूत हुए हैं। दोनों ही देशों ने स्वतंत्र हिंद-प्रशांत और चीन के खतरे के मद्देनजर अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना भी जारी रखा है।

अब संबंधों को नई गति देने के लिए दोनों देशों के अधिकारियों ने आंतरिक क्षमता व लॉजिस्टिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए चर्चा की।

2+2 इंटरसेशनल वार्ता

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने बताया कि भारत-अमेरिका 2+2 इंटरसेशनल वार्ता आयोजित हुई। इस दौरान, अधिकारियों ने हिंद महासागर क्षेत्र में संयुक्त समुद्री संबंधों के साथ-साथ अंतरिक्ष और साइबर डोमेन में सहयोग के विस्तार पर भी बात की।

इन लोगों ने किया नेतृत्व

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव वाणी राव और रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव विश्वेश नेगी ने किया। वहीं, अमेरिका का नेतृत्व हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. एली रैटनर और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने किया।

रणनीतिक प्राथमिकताओं पर भी चर्चा

पेंटागन के एक बयान में कहा गया कि अधिकारियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा विकास और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक प्राथमिकताओं पर भी चर्चा की। वार्ता में रक्षा एवं सुरक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, लोगों के बीच संबंध, स्वच्छ ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन सहित अमेरिका-भारत साझेदारी के दायरे में महत्वाकांक्षी पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला को आगे बढ़ाया।

रक्षा पक्ष पर, रैटनर और उनके समकक्षों ने अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए रोडमैप को लागू करने में दोनों देशों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा की। बयान में कहा गया है कि उन्होंने नई सह-उत्पादन पहलों पर प्रगति का स्वागत किया और आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा और पारस्परिक रक्षा खरीद समझौतों पर बातचीत को तेजी से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध जताई।

इसमें कहा गया है कि अधिकारियों ने अमेरिका-भारत संबंधों में परिवर्तनकारी गति को रेखांकित किया और इस बात की पुष्टि की कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और समृद्धि बनाए रखने के लिए दोनों देशों के बीच मजबूत साझेदारी आवश्यक है। पेंटागन ने कहा कि रैटनर ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ काम करने की रक्षा विभाग की प्रतिबद्धता पर सहमति जताई।

मेरी मिट्टी मेरा देश शहीदों के सम्मान में एक अनूठी पहल : धर्मबीर सिंह

नारनौल (हिंस)। मेरी माटी मेरा देश-माटी को नमन-वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत गांव मंढाणा में बुधवार को कलश यात्रा निकालकर कलश में मिट्टी व चावल एकत्रित किए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने शिरकत की। इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव भी मौजूद रहे। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम प्रधानमंत्री के द्वारा शहीदों के सम्मान में की गई एक अनूठी पहल है। इस अभियान के तहत पूरे देश भर से मिट्टी इकठ्ठी की जा रही है। इसी मिट्टी से दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के पास 7500 अमृत कलश से एक अमृत वाटिका का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने उपस्थित लोगों को पंच प्रण की शपथ दिलाई और युवाओं को इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत सभी गांवों में आजादी के सेना नायकों, सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले देशभक्त बलिदानियों के सम्मान में शिलाफलकम लगाकर पुष्प अर्पित किए जा रहे हैं। इस प्रकार स्वतंत्रता सेनानियों, सेना के वीर जवानों की शहादत को प्रणाम करते हुए देशभक्ति का भाव जन-जन में जागृत किया जा रहा है। इस अवसर पर बीजेपी जिलाध्यक्ष दयाराम यादव सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

देश की जनता 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार बनाएगी प्रधानमंत्री : फणींद्र

फतेहाबाद (हिंस)। भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा एक दिवसीय प्रवास पर पहली बार फतेहाबाद में भाजपा जिला कार्यालय में पहुंचे। यहां पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा व अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में एक दिवसीय प्रवास के दौरान कोर कमेटी की बैठक, प्रदेश कार्यकारणी, जिला पधाधिकारी, मंडल अध्यक्ष की बैठक व जिला मोर्चा अध्यक्ष, मोर्चा जिला महामंत्री, जिला संयोजक प्रकोष्ठ व जिला संयोजक विभाग की बैठकें आयोजित हुई। बैठकों में विशेष रूप से सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद सुनीता दुग्गल, भाजपा के जिला प्रभारी देव कुमार शर्मा, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, फतेहाबाद के विधायक दूड़ाराम, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भारत भूषण मिड्ढ़ा, राजपाल बैनीवाल, वेद जांगड़ा, प्रवीण जोड़ा व विस्तारक रमेश छिरंग ने शिरकत की। कार्यक्रम का मंच संचालन जिला महामंत्री जगदीश शर्मा ने किया। बैठकों को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री फणींद नाथ शर्मा ने कहा कि जन सेवा व राष्ट्र सेवा को अपना धर्म मानते हुए भारतीय जनता पार्टी अपना काम करती है। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है और जन-जन की पार्टी है। आज देश व प्रदेश की जनता भाजपा पार्टी व भाजपा सरकार की नीतियों व योजनाओं से बहुत खुश है। इससे स्पष्ट है कि 2024 के चुनावों में देश की जनता लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएगी और इसी प्रकार हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने बैठकों में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करें। बैठकों में उन्होंने संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा तथा समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के हो चुके कार्यों की समीक्षा की तथा आगामी सेवा कार्यों के लिए भी दिशा निर्देश दिए। बैठकों के दौरान उन्होंने मेरा बूथ सबसे मजबूत नारे पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अपने अपने बूथों, शक्ति केन्द्रों व पन्ना प्रमुख समितियों को दुरुस्त एवं मजबूत बनाए रखें। जिला कार्यालय में आयोजित हुई विभिन्न बैठकों में कोर कमेटी के सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, जिला पदाधिकारी, सभी मंडलों के अध्यक्ष, मोर्चों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

भजन गायक कन्हैया मित्तल के खिलाफ जालंधर में मामला दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जालंधर में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। यह केस ईसाई समुदाय ने दर्ज करवाया है। शिकायत में आरोप लगाया है कि कन्हैया मित्तल ने दिल्ली में एक जागरण के दौरान मंच से ईसाई समुदाय और उनके प्रभु यीशु के बारे में अपशब्द बोले थे। साथ ही महादेव शिव को यीशु मसीह का पिता करार दिया था। पंजाब क्रिश्चियन लीडरशिप के चेयरमैन पास्टर हरजोत सेठी और पंजाब के अध्यक्ष सुरजीत थापर की शिकायत पर कन्हैया मित्तल के खिलाफ थाना लांबड़ा में धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। ईसाई समुदाय की लीडरशिप का कहना है कि कन्हैया मित्तल ने समुदाय को नीचा दिखाने की कोशिश की है। इसाई समुदाय के प्रतिनिधियों ने एक पैन ड्राइव में वीडियो सेव कर एसएसपी देहात मुखविंदर भुल्लर को शिकायत के साथ सौंपी थी।

वादाखिलाफी के चलते नर्सेज करेंगी अनशन

जयपुर (हिंस)। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के प्रांतीय आह्वान पर एसएमएस अस्पताल के जेएमए सभागार में सम्पूर्ण राजस्थान के नर्सेज ने एक सितम्बर को समिति के पदाधिकारियो की एसीएस स्तर के साथ हुई वार्ता के आदेश जारी नहीं होने से पूरे राजस्थान की नर्सेज आहत है। प्रदेश संयोजन नरेंद्र सिंह शेखावत,राजेन्द्र सिंह राणा, एवम प्यारे लाल चौधरी ने संयुक्त बयान जारी कर कहा की एक सितंबर को जयपुर में 45 दिन से चल रहे आन्दोलन के अनशन को निदेशक राजपत्रित व अराजपत्रित दोनों ने अनशन तु ?वाकर 15 दिन के लिए स्तगित किया था। जिसे सरकार के वादा खिलाफी के चलते पूरे राजस्थान से आए सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में 29 सितंबर से एसएमएस के गेट नंबर तीन पर अनशन चालू करेगें व सरकार से वादा निभाओ दिवस मनाएंगे जिसके तहत सम्पूर्ण राजस्थान मे प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश प्रवक्ता अनेश सैनी ने बताया 2 अक्तूबर को सम्पूर्ण राजस्थान में सभी नर्सेज सामूहिक उपवास रखेंगे और फिर भी मांगें नहीं मानने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

राजस्थान में हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला करेंगे मेगा रोड शो

जयपुर (हिंस)। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी है। चौधरी देवीलाल की जयंती पर उनकी कर्मभूमि सीकर में विशाल ऐतिहासिक रैली करने के बाद जेजेपी अब राजस्थान में मेगा रोड शो करेगी। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला राजस्थान के कई विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो करेंगे और बड़ी संख्या में सीकर रैली में पहुंचने पर स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त करेंगे तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को सफल रैली के लिए बधाई देंगे। जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने रोड शो कार्यक्रमों के बारे में बताया कि अक्तूबर माह में हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला राजस्थान का दौरा करेंगे। वह इस दौरान दाता रामगढ़, सूरतगढ़, अजमेर, कोटपूतली, नवलगढ़ आदि विधानसभा क्षेत्रों में प्रदेश के लोगों से रूबरू होंगे। दिग्विजय

ने कहा कि सोमवार को सीकर में जेजेपी की ऐतिहासिक रैली से पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा जोश और उत्साह है। उन्होंने कहा कि जेजेपी ने सीकर रैली से प्रदेश में बदलाव लाने की नींव रख दी है। जेजेपी प्रधान महासचिव ने कहा कि राजस्थान में चुनाव नजदीक है और ऐसे में पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जेजेपी की नीतियों से अवगत करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुष्यंत चौटाला के रोड कार्यक्रमों से पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है और यह रोड शो कार्यक्रम राजस्थान में जेजेपी को और मजबूती देंगे। इन रोड शो कार्यक्रमों में डिप्टी सीएम के अलावा राजस्थान जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष पृथ्वी मील, प्रदेश प्रधान महासचिव रामनिवास यादव, राष्ट्रीय सचिव संजय चोपड़ा, महिला प्रदेश अध्यक्ष रीटा सिंह, पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह, पूर्व विधायक मनीराम सियाग, मोहन चौधरी, युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक मेहरिया, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद फारूख, हरियाणा के डिप्टी सीएम के सचिव सुरेश चौधरी, सीकर जिला अध्यक्ष आकाश नेहरा, राज सिंह ताखर सहित कई वरिष्ठ नेता एवं पार्टी पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

पंजाब के छह जिलों में 30 जगह एनआईए की रेड, टेरर फंडिंग में कई संदिग्ध हिरासत में

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने बुधवार को पंजाब के छह जिलों में छापा मारकर कई संदिग्धों को हिरासत में लेते हुए भारी मात्रा में दस्तावेज बरामद किए हैं। एनआईए ने कनाडा में बसे आतंकी अर्श डल्ला के करीबियों पर दबिश दी है। एनआईए ने जिन लोगों के घरों को खंगाला है, उनकी लगातार फोन पर विदेशों में बातचीत होती रहती है। एनआईए ने पंजाब पुलिस की मदद से बुधवार सुबह पांच बजे पंजाब के अलग-अलग जिलों में एक साथ 30 स्थानों पर छापे मारे। यह कार्रवाई करीब पांच घंटे तक चलती रही। फिरोजपुर में खालिस्तानी आतंकी अर्श डल्ला के साथी जोरा सिंह को पकड़ा गया है। वह कई सालों से डल्ला के संपर्क में था। एनआईए की टीमों ने आज सुबह मच्छी मंडी स्थित घर से सर्च के दौरान उसे पकड़ा है। उसके मोबाइल में अर्श डल्ला से चैटिंग मिली है। वह हथियारों की तस्करी करता है। बठिंडा में

एनआईए ने दो जगहों पर छापा मारा है। गांव जेठूके में गुरप्रीत सिंह उर्फ गुरी के घर टीम द्वारा सर्च की गई। गुरी हत्या समेत कई केसों में बठिंडा पुलिस का वांछित आरोपी है। एक टीम ने मौड़ मंडी स्थित गैंगस्टर हैरी के आवास पर जांच की। पंजाब के पटियाला जिले के अंतर्गत आते के राजपुरा इलाके के गांव खैरपुर जट्टां में रेड की है। जांच में पता चला है कि इस गांव के जगजोत सिंह ने विदेश जाने के लिए जैतो की रहने वाली ट्रैवल एजेंट खुशदीप कौर के खाते में चार लाख रुपए डलवाए थे। फरीदकोट में सुखजीत सिंह उर्फ भोला निहंग के घर रेड हुई है। वह डेरा प्रेमी की हत्या की साजिश में जेल में बंद है। उसके भाई कर्मजीत सिंह से टीम पूछताछ कर रही है। भोला निहंग के खालिस्तानियों से कनेक्शन होने का शक है। मोगा के निहाल सिंह वाला के गांव तख्तुपुरा के पूर्व सरपंच के घर एनआईए की रेड हुई है। टीम उसके वाइन कांट्रैक्ट बेटे का मोबाइल अपने साथ ले गई है। लुधियाना के जगराओं में विजय नगर में एक मनी एक्सचेंजर के घर रेड हुई है। इसके यहां पहले भी सात बार रेड हो चुकी है। बरनाला के गांव संघेड़ा में दर्शन सिंह के घर रेड हुई है। वह गुरुद्वारे में ग्रंथी है। दर्शन सिंह के बेटे के गैंगस्टर्स के साथ संबंध हैं। यह परिवार संगरूर शिफ्ट हो चुका है। जिसके बाद टीम वहां गई। मानसा में साधू सिंह के घर रेड हुई है। साधू सिंह इस वक्त उत्तराखंड की जेल में बंद है।

शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर हुई श्रद्धांजलि सभा

सिरसा (हिंस)। शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर बुधवार को यहां के शहीदी चौक में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा संस्था के अध्यक्ष प्रीतम बांसल के सानिध्य में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेकेंड लेफ्टिनेंट शशिकांत शर्मा ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें शहीदों को सदैव याद रखना चाहिए जिनकी बदौलत हमें आजादी प्राप्त हुई। शहीद हमारे राष्ट्र की एक अमूल्य धरोहर हैं। पंजाब नेशनल बैंक के रिटायर्ड एजीएम परमजीत कोचर ने कहा कि शहीदों की पहचान किसी धर्म एवं जाति से नहीं बल्कि उन द्वारा देश के लिए की गई अमूल्य कुर्बानी से की जाती है।

मोहाली की केमिकल फैक्टरी में आग लगने के बाद लगातार धमाके, आठ मजदूर झुलसे

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के कुराली स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार को केमिकल फैक्टरी में आग लगने से आठ व्यक्ति बुरी झुलस गए। इनमें तीन की हालत गंभीर होने के कारण मोहाली के अस्पताल में रेफर कर दिया गया है, जबकि पांच अन्यों को कुराली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग लगने के बाद से फैक्टरी में लगातार ब्लास्ट हो रहे हैं, लेकिन दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार दोपहर करीब डेढ़ बजे जब कुराली स्थित केमिकल फैक्टरी में भोजन अवकाश के कारण सभी कर्मचारी बाहर थे, तभी अचानक धमाके के साथ आग लग गई और पूरे आसमान में धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलने पर आग बुझाने के

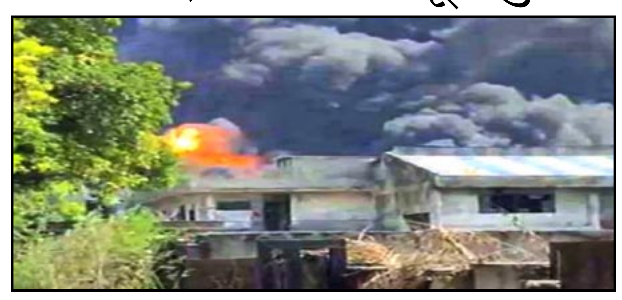

लिए मोहाली और रोपड़ से फायर ब्रिगेड की करीब 24 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के प्रयासों के बावजूद फैक्टरी के अंदर से लगातार धमाकों की आवाज आती रही। इन दोनों शहरों से एंबुलेंस और डॉक्टर की टीम भी पहुंच गई है। जिस केमिकल फैक्टरी में आग लगी है, उसके बगल में भी केमिकल फैक्ट्री है। अगर वहां पर भी आग पकड़ती है, तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों ने आसपास के उद्योग परिसर को खाली कराया है, लेकिन यहां स्थिति काफी गंभीर बन गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह आग फैक्टरी के अंदर रखे हुए केमिकल के कारण लगी है।

हड़ताल को 50 दिन पूरे होने पर आशा वर्करों ने निकाला मशाल जुलूस

जींद (हिंस)। हड़ताल को 50 दिन पूरे होने पर आशा वर्करों ने बुधवार को पटियाला चौक से रुपया चौक तक मशाल जुलूस निकाला। इसमें जींद शहर की आशा वर्करों सहित अमरहेड़ी, अहिरका, कैरखेड़ी, रूपगढ़, कंडेला आदि गांवों की आशा वर्कर भी शामिल हुई। आशा वर्करों ने अपनी हड़ताल को 10 अक्तूबर तक बढ़ा दिया है। अगर 29 सितंबर की बातचीत में आशा वर्करों की मांगों का समाधान नहीं हुआ तो जेल भरो आंदोलन कि तरह आगे के कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। आशा वर्करों के कार्यक्रम की अध्यक्षता कंडेला पीएचसी प्रधान नेहा ने की। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली गठजोड़ सरकारों की पूंजीवाद परस्त नीतियों के कारण तमाम मेहनत करने वाले लोगों के जीवन में चौतरफा संकट पैदा हो गया है। स्कीम वर्करों सहित कच्चे

कर्मचारियों को न तो पक्का कर रही और ना ही न्यूनतम वेतन 26 हजार दे रही है। ऊपर से श्रम कानूनों में बदलाव करके मेहनतकश तबकों का भारी शोषण किया जा रहा है। प्रदेशभर की आशा वर्कर अपनी जायज मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। आशा वर्कर 2005 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं व जनता के बीच कड़ी का काम कर रही हैं। आशा वर्करों ने कोरोना महामारी में किए गए काम की वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी आशा वर्कर्स को ग्लोबल हेल्थ लीडर्स का अवार्ड दिया था। इसके बावजूद सरकार उनके बुनियादी कामों के अतिरिक्त रोज नए-नए काम आशा वर्कर्स पर थौंप रही है। काम बढ़ाने के बाद भी सरकार आशा वर्करों के मानदेय में कोई बढ़ोत्तरी नहीं कर रही और सिर्फ चार हजा रुपए मासिक मानदेय ही आशा वर्करों को दिया जा रहा है। अब उनकी हड़ताल 29 सितंबर की बातचीत पर निर्भर करती है। अगर सरकार ने उनकी मांगों को नहीं माना तो आगे का जो भी निर्णय राज्य कमेटी का होगा, उस पर आगे बढा दिया जाएगा।

अपना दायित्व ईमानदारी से निभाएं पुलिस कर्मचारी : राकेश आर्य

फरीदाबाद (हिंस)। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने बुधवार को डीसीपी बल्लबगढ़ के कार्यालय में बल्लबगढ़ जोन के पुलिस अधिकारियो के साथ क्राइम मीटिंग ली। बैठक में डीसीपी बल्लबगढ राजेश दुग्गल, एसीपी बल्लबगढ़ मुनीष सहगल, एसीपी तिगांव राजेश कुमार लोहान सहित बल्लबगढ़ जोन के सभी थाना प्रबंधक, सभी चौकी प्रभारियों क्राइम रिब्यू मीटिंग में अपराध में अंकुश लगाने के सख्त निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने मीटिंग के दौरान कहा कि एरिया में किसी भी क्राइम की सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियो को सूचित करे। किसी एरिया में होने वाले क्राइम जैसे लडाई-झगडे, चोरी व अन्य क्राइम को लेकर एरिया को चिन्हित करे। क्राइम को रोकने के लिए एरिया में गस्त बढाए। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए ग्राम प्रहरी/ वार्ड के द्वारा अपने क्षेत्र में रहने वाले हर व्यक्ति की जानकारी एप्लीकेशन पर अपलोड करते है। ग्राम प्रहरी के द्वारा नशा तस्करी पर भी लगाम, नशे की समस्या से निपटने के लिए ग्राम प्रहरी और वार्ड प्रहरी अपने-अपने क्षेत्र में नशा करने वालों और नशा बेचने वालों का डाटा तैयार करे। इसके अलावा आम जनता को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक भी करते रहे। जो व्यक्ति नशे के चंगुल में फंस चुका है उनके माता-पिता से बात करके उसका नशा छुड़वाने का प्रयास किया जाए ताकि वह भी समाज की मुख्यधारा से जुड़कर एक बेहतर जीवन व्यतीत कर सके। ग्राम प्रहरी अपराधियों पर नजर रखने के साथ-साथ,गांव में अकेले रह रहे बुजुर्गों का डाटा भी जुटाए। साथ ही बुजुर्गों को किसी भी मदद की आवश्यकता होने पर उन्हें मदद दी जानी चाहिए।

देश के सभी नौजवानों को रोजगार की गारंटी मिले : एआईवाईएफ

यमुनानगर (हिंस)। देश के बेरोजगार नौजवानों के रोजगार की गारंटी को लेकर बुधवार को ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन की और से लघु सचिवालय के सामने अनाज मंडी गेट पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर एआईवाईएफ के प्रदेश उपाध्यक्ष सूबे सिंह मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे। एआईवाईएफ के प्रदेश मीडिया प्रभारी विपिन बरार ने मंच का संचालन करते हुए बताया कि चुनावी माहौल के समय बहुत से राजनैतिक दल रोजगार के वायदे करते है, लेकिन खोखले साबित होते है। उन्होंने कहा कि सभी राजनैतिक दलों को बेरोजगार नौजवानों की ओर से रोजगार की समस्या को लेकर रोजगार कार्यक्रम का मसौदा दिया जा रहा है। जिसके तहत हर नौजवान को रोजगार की गारंटी मिले। देश में भगत सिंह राष्ट्रीय रोजगार गारंटी एक्ट संसद में लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि कानून अशिक्षित युवा को भी रोजगार के बदले 35000 रुपए प्रति माह वेतन की गारंटी देता है। अगर अशिक्षित युवा को रोजगार ना मिल सके तो इस वेतन का आधा 17500 रुपए प्रति महीना रोजगार इंतजार भत्ता की गारंटी यह कानून देता है। उन्होंने बताया की देश में आज तक बेरोजगार युवाओं के लिए कोई कानून नहीं ले कर आई। हरियाणा में 2016 में सक्षम योजना चलाई गई थी। उस योजना के तहत ना तो कोई रोजगार मिल पा रहा है और ना ही बेरोजगार युवाओं को 100 घंटे का काम दिया जाता है। उन्होंने देश भर में भगत सिंह राष्ट्रीय रोजगार गारंटी एक्ट की मांग को लेकर युवाओं को जागरूक करने की रणनीति पर चर्चा की व देशव्यापी जागरूकता आंदोलन की बात कही। प्रदर्शन का समापन नौजवानो ने भगत सिंह चौक पर पहुंच कर किया। इस मौके पर एआईवाईएफ के जिला पधाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस : पर्यटकों का तिलक लगा और माला पहनाकर किया स्वागत

जयपुर (हिंस)। विश्व पर्यटन दिवस पर बुधवार को राजधानी के पर्यटन स्थलों व संग्रहालयों पर देशी-विदेशी सैलानियों का राजस्थानी परंपरानुसार स्वागत सत्कार किया गया। पर्यटकों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया गया। पर्यटन स्थलों पर लोगों को निशुल्क प्रवेश दिया गया। वहीं परकोटे में सुबह हेरिटेज वॉक-वे का आयोजन किया गया।शहर के आमेर महल, हवा महल, जंतर मंतर सहित सभी पर्यटन स्थलों पर राजस्थानी लोकरंग की छटा बिखरी रही है। आमेर महल अधीक्षक पंकज धरेन्द्र ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस पर बुधवार को आमेर महल में सुबह से ही पर्यटकों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। महल में लोक-कलाकार अपनी प्रस्तुति दी गई। जिनके साथ देशी-विदेशी सैलानी भी नाचते नजर आए। सुबह से ही यहां पर्यटकों की भीड़ नजर आई। राजकीय संग्रहालय हवामहल जयपुर अधीक्षक सरोजनी चंचलानी ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर देशी-विदेशी पावणों का हवा महल के सामने राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया गया। हवामहल में पर्यटकों के स्वागत के लिए प्रवेश द्वार पर रंगोली बनाई गई। पर्यटन विभाग के सहयोग से शहनाई वादन कार्यक्रम,बहरूपिया कलाकारों की ओर से कला-पदर्शन किया गया और मांगनियार लोककलारों की ओर से कच्छी घोड़ी नृत्य व लोकगीतों की प्रस्तुती दी गई। मुगल और राजपूत वास्तुकला के मिश्रण और गुलाबी पत्थरों से बनी यह इमारत पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। 953 खि ?कियों की यह इमारत महाराजा सवाई प्रताप सिंह द्वारा राजघराने की महिलाओं के लिए बनाई गई थी, जिस से बिना किसी की निगाह पड़े महिलाएं खिडकियों से नीचे सडकों के समारोह व गलियारों को देख पाए। लेकिन अब यह जयपुर के पर्यटन स्थलों में से सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला स्थल है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राजधानी के सभी पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की निशुल्क एंट्री रही। वहीं निशुल्क प्रवेश होने के कारण

पर्यटक भी बड़ी संख्या में पर्यटक स्थल देखने पहुंचे। साथ ही गुलाबी नगरी के अल्बर्ट हॉल, जंतर मंतर, सिटी पैलेस, आमेर महल और नाहरगढ़ फोर्ट सहित विभिन्न स्मारकों पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर देशी-विदेशी सैलानी उत्साहित नजर आए। सैलानियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों को अपने कैमरे में भी कैद किया। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से परकोटे में दो रूट पर हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। पहली हेरिटेज वॉक स्कूल ऑफ आर्ट से शुरू होकर चौड़ा रास्ता स्थित टूरिस्ट फैसेलिटी सेंटर तक पहुंची। दूसरी हेरिटेज वॉक जंतर-मंतर से शुरू होकर हवामहल तक आई। सुबह पौने छह बजे से सुबह साढ़े सात बजे तक खासा कोठी से आमेर तक हेरिटेज राइड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी वॉलंटियर्स को पर्यटन विभाग की ओर से सर्टिफिकेट दिए गए। हेरिटेज वॉक में पर्यटकों के साथ साथ आईएचएम जयपुर के विद्यार्थियों को भी भ्रमण करवाया गया, जो कि राजस्थान की वास्तुकला, वॉक वे में किए गए संरक्षण और सौंदर्यीकरण के कार्यों से रूबरू हो सकें। साथ ही इस क्षेत्र में स्थित शिल्पी-कारीगरों के पारंपरिक कार्यों को नजदीक से देखकर इनके बारे में जान सकें। वहीं पन्ना मीणा कुंड से नेचर ट्रैक का भी शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पर्यटन विभाग की ओर से कराए गए विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण किया। शेखावत ने बताया कि विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हर साल की तरह इस साल भी प्रदेशभर में सेलिब्रेशन मनाया गया। पर्यटन विभाग की ओर से जयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पुरातत्व और संग्रहालय विभाग, भारत पर्यटन कार्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, जयपुर और गाइड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ह्युंडई ने नई आई 20 एन लाइन को किया लॉन्च, मैनुअल ओर डीसीटी गियरबॉक्स में किया ऑफर

नई दिल्ली।
ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी ह्युंडई ने इंडिया में नई आई 20 एन लाइन को लॉन्च किया है। परफॉर्मेंस्ड फोकस आई 20 एन लाइन को कंपनी ने मैनुअल ओर डीसीटी गियरबॉक्स में ऑफर किया है। कार में कई डिजाइन और कॉस्मैटिक के साथ साथ फीचर्स के भी बदलाव किए गए हैं।

आई 20 एन लाइन को कंपनी ने एन 6 और एन 8 दो वेरिएंट्स में ऑफर किया है। कार के लॉन्च होने के साथ ही माना जा रहा है कि अब हैचबैक सेगमेंट पर ह्युंडई का कब्जा फिर एक बार हो सकता है। कार की बुकिंग कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट और डीलरशिप पर शुरू हो चुकी है। नई एन लाइन में ऑल ब्लैक थीम के साथ रेड इंसर्ट दिए गए हैं। ये आपको स्टीयरिंग, सीट्स और गियर नॉब पर देखने को मिलेंगे।

कार में फीचर्स के तौर पर स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, नेविगेशन और कनेक्टेड कार टेक, 7-स्पीकर बोस सिस्टम और सी-टाइप चार्जर पोर्ट का ऑप्शन मिलेगा। सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, हिल असिस्ट कंट्रोल, व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑल डिस्क ब्रेक और ऑटो हेडलैम्प सहित 35 फीचर्स मिलेंगे। कार के इंजन की बात की जाए तो इसमें कंपनी ने 1.0 लीटर का टर्बोचार्ज पेट्रोल इंजन दिया है। ये कार को 118 बीएचपी की पावर देता है। इसी के साथ 172 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

कार में अब कंपनी ने 16 इंच के नए अलॉय व्हील दिए हैं। फ्रंट ग्रिल पर आपको एन की ब्रांडिंग भी देखने को मिलेगी। कार को एक नया कलर एबिस ब्लैक भी दिया गया है। इसी के साथ एटलस वाइट, टाइटन ग्रे, थंडर ब्लू, स्टारी नाइट ऑप्शन भी आप सलेक्ट कर सकते हैं। बता दें कि आई 20 फेसलिफ्ट के लॉन्च के कुछ ही समय में ह्युंडई ने एक और धमाका कर दिया है। इसको सीधे तौर पर हैचबैक बाजार पर कब्जा करने की स्ट्रैटेजी के तौर पर देखा जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

फोर्ब्स की '30 अंडर 30 सूची' में शामिल टेक सीईओ अपार्टमेंट में मृत मिलीं, सिर पर कई चोट के निशान

वाशिंगटन । अमेरिका में 26 साल की एक टेक सीईओ सोमवार को एक अपार्टमेंट में मृत पाई गई हैं। उनके सिर पर चोट के निशान मिले हैं। बाल्टीमोर पुलिस विभाग (बीपीडी) ने बताया कि ईकोमैप टेक्नोलॉजीज कंपनी की सह संस्थापक पावा लापरे डाउनटाउन बाल्टीनोर अपार्टमेंट में मरी हुई मिलीं। इस मामले में एक 32 वर्षीय युवक पर शक है। पुलिस कमिश्नर रिचर्ड वॉर्ले ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वह जेसन डीन बिलिंगस्ले की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। वहां, लापरे मृत मिलीं। जांच करने पर पाया कि उनके सिर पर कई चोट के निशान थे। अधिकारी का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आ पाएगी। रिचर्ड का कहना है कि जेसन खतरनाक अपराधी हो सकता है। उस पर फर्स्ट डिग्री हत्या, हमला, लापरवाही से खतरे में डालने और कई अन्य आरोप हैं। उसके पास हथियार भी हो सकता है। उन्होंने चेताते हुए कहा कि आरोपी नुकसान पहुंचाने के लिए कुछ भी कर सकता है। वह मार भी सकता है और दुष्कर्म भी कर सकता है। लापरे की टेक कंपनी ने उनकी मौत की पुष्टि की है। वहीं, एक रिपोर्ट के अनुसार, लापरे को उनकी स्टार्टअप कंपनी के कारण इस साल सामाजिक प्रभाव के लिए फोर्ब्स की 30 अंडर 30 सूची में शामिल किया गया था।

निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट 30 जून 2024 तक जारी रहेगी, सरकार ने किया ये एलान

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कहा कि उसने निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट योजना के तहत 30 जून 2024 तक समर्थन जारी रखने का एलान किया है। निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट योजना (आरओडीटीईपी) में उन करों और शुल्कों की वापसी का प्रावधान है जो निर्यातकों द्वारा वस्तुओं के विनिर्माण और वितरण की प्रक्रिया में वहन किए जाते हैं और जिनमें केंद्र, राज्य या स्थानीय स्तर पर किसी अन्य तंत्र के तहत राहत नहीं दी जा रही है। यह योजना सितंबर 2021 से चालू है। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आरओडीटीईपी समर्थन जो 30 सितंबर 2023 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब मौजूदा निर्यात वस्तुओं के समान दरों पर 30 जून 2024 तक बढ़ाया जा रहा है। यह पहल निर्यातक समुदाय को बेहतर शर्तों पर वर्तमान अंतर्राष्टीय वातावरण में निर्यात अनुबंधों पर बातचीत करने में मदद करेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

मुम्बई । घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में हल्की बढ़त रही है। सुबह 6 बजे के करीब क्रूड 0.37 फीसदी बढ़कर 90.72 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा जबकि ब्रेंट क्रूड 0.33 फीसदी ऊपर आकर 94.27 डॉलर प्रति बैरल पर कामकाज करता नजर आया इससे घरेलू बाजार में भी कीमतें प्रभावित हुई हैं। कुछ जगह कीमतें बढ़ी हैं जबकि कुछ जगह घटी हैं। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 42 पैसे और डीजल 39 पैसे महंगा हुआ है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25 पैसे बढ़ी हैं। नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति पहुंच गया है। गाजियाबाद में भी पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है. लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है महाराष्ट्र में पेट्रोल 32 और डीजल 30 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा केरल, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और तेलंगाना समेत कई अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। दूसरी ओर राजस्थान में पेट्रोल 19 पैसे और डीजल 17 पैसे सस्ता हुआ है। राजस्थान के अलावा हरियाणा में भी पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर है।

अदाणी पोर्ट्स अपने 195 मिलियन डॉलर के बॉन्ड को करेगी बायबैक, समय से पहले चुकाएगी कर्ज

नई दिल्ली।
अदाणी ग्रुप का अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन समय से पहले अपना कर्ज चुकाएगा। एपीएसईजी ने कहा कि 2024 में चुकाए जाने वाला 195 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज कंपनी जल्द ही चुकाएगी जिससे हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा।

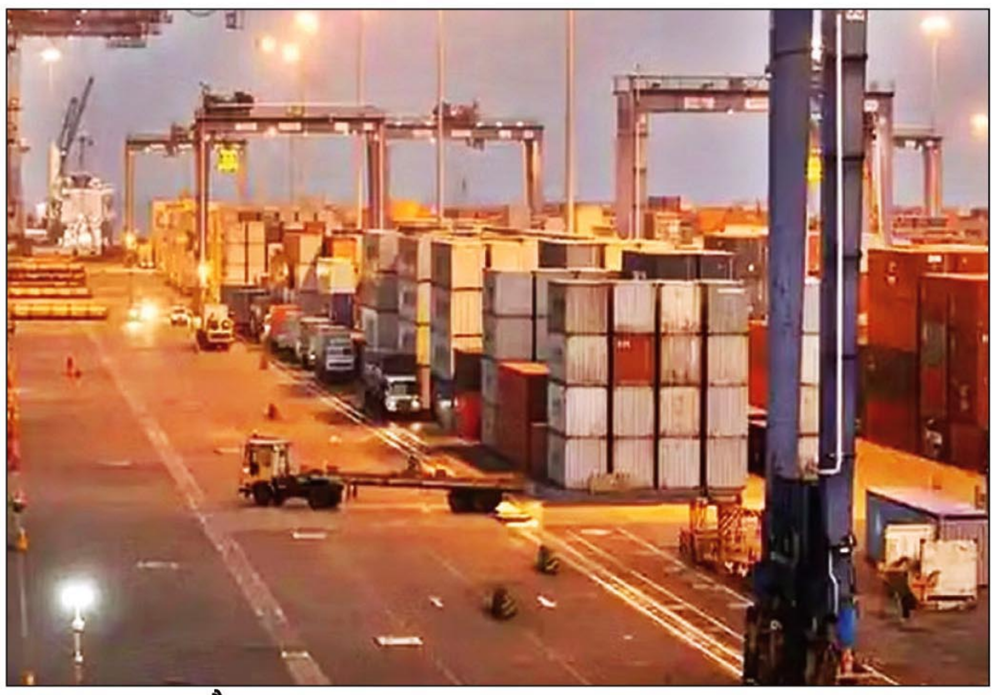

बॉन्ड को बायबैक करेगी कंपनी

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में, कहा कि कंपनी अपने कैश रिजर्व का उपयोग करके 2024 में देय 195 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को वापस खरीदेगी। कंपनी ने बाताया कि 520 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल बकाया में से 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर बायबैक के बाद बचे रहेंगे।

मई में भी कंपनी ने अपने बॉन्ड को किया था बायबैक

आपको बता दें कि इस साल मई में भी कंपनी ने जुलाई 2024 के बॉन्ड को मूल राशि के कुल 130 मिलियन अमेरिकी डॉलर कैश में वापस खरीदा था और कहा था कि वह अगली चार तिमाहियों में से प्रत्येक में बॉन्ड की मूल राशि का 20 प्रतिशत वापस खरीदेगी।

इसकी दूसरी किश्त में कंपनी अब 195 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के बॉन्ड खरीदने का प्रस्ताव कर रही है। यह बॉन्ड की मूल राशि (650 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का 30 प्रतिशत है।

26 अक्टूबर तक बायबैक का खुला रहेगा टेंडर

मई में 130 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बायबैक के बाद, 520 मिलियन अमेरिकी डॉलर बकाया और रह गया है। कंपनी ने फाइलिंग में कहा कि बायबैक टेंडर 26 अक्टूबर तक के लिए खुला है।

अदाणी ग्रुप का यह कदम निवेशकों के विश्वास को दोबारा जीतने का है। साल की शुरुआत में अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी ग्रुप पर धोखाधड़ी और स्टॉक हेरफेर के लिए ऑफशोर टैक्स हेवन के अनुचित उपयोग का आरोप लगाया था।

आयकर विभाग ने नए एंजल टैक्स नियमों को नोटिफाई किया

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने स्टार्टअप कंपनियों की तरफ से निवेशकों को जारी किए जाने वाले शेयरों के मूल्यांकन से संबंधित नए एंजल टैक्स नियमों को अधिसूचित किया है। आयकर नियमों के नियम 11 यूए में बदलाव के अनुसार केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) में प्रावधान है कि गैर-सूचीबद्ध स्टार्टअप द्वारा जारी अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयरों (सीसीपीएस) और इक्विटी शेयरों का मूल्यांकन उचित बाजार मूल्य पर आधारित हो सकता है। डेलॉयट इंडिया के सुमित सिंघानिया के अनुसार एक निवेशक के नजरिये से संशोधित नियम शेयरों के मूल्यांकन के तरीके का व्यापक दायरा मुहैया कराते हैं और इससे अनुपालन कम जटिल होने की उम्मीद है। सिंघानिया ने कहा कि इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर शेयरों के मूल्यांकन में उचित मूल्य से 10 प्रतिशत गिरावट की मंजूरी देकर एक सुरक्षित स्थिति बनाई गई है। एक स्टार्टअप कंपनी के शेयरों की बिक्री से उचित बाजार मूल्य से मिलने वाली पूंजी पर वसूले जाने वाले टैक्स को एंजल टैक्स कहा जाता है। पहले एंजल टैक्स सिर्फ स्थानीय निवेशकों पर ही लगता था ।

कसीनो और ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को 55,000 करोड़ के जीएसटी बकाये का नोटिस, ड्रीम11 समेत 12 पर कार्रवाई

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार कसीनो और ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के खिलाफ शिकंजा कस रही है। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) ने 12 ऑनलाइन रियल-मनी गेमिंग कंपनियों को 55,000 करोड़ के जीएसटी बकाया को लेकर नोटिस जारी किया है। इन कंपनियों में हेड डिजिटल वर्क्स, ड्रीम11 और अन्य हैं। कुल गेमिंग आय पर जीएसटी का भुगतान न करने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ड्रीम11 को सबसे अधिक 25,000 करोड़ के बकाये का नोटिस मिला है। यह देश में दिया गया सबसे बड़ा अप्रत्यक्ष कर नोटिस है। आने वाले समय में गेमिंग कंपनियों को एक लाख करोड़ रुपये तक के नोटिस पहुंच सकते हैं। यह नोटिस सरकार ने कसीनो और ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने के निर्णय के बाद भेजे हैं।

ड्रीम11 ने पूर्व-कारण बताओ नोटिस मिलने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। बंगलूरू की ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट टेक्नोलॉजी को सितंबर 2022 में 21,000 करोड़ रुपये का कर नोटिस मिला था। अप्रत्यक्ष कर के इतिहास में इससे पहले इस तरह का यह सबसे बड़ा दावा था। पिछले सप्ताह डेल्टा कॉर्प को भी ब्याज और जुर्माने के साथ 11,139 करोड़ रुपये का कर नोटिस भेजा गया है।

अधिकतर मामलों में जीएसटी को लेकर है विवाद

नए नियम में उपयोगकर्ताओं की ओर से ऑनलाइन गेमिंग के लिए चुकाई रकम पर कर लगाया जाएगा। इससे कौशल और अवसर वाले खेल के बीच कोई अंतर नहीं होगा। अधिकतर मामलों में इस पर विवाद है। नए नियम के तहत कौशल और अवसर दोनों पर आधारित खेल में कर वसूला जाएगा। ऑनलाइन गेमिंग को इंटरनेट या इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क के जरिये खेले जाने वाले गेम के रूप में परिभाषित किया गया है।

शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत

मुम्बई।
घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 65,800 पर कारोबार करता दिखा। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 54 अंक टूटकर 19,610 के स्तर पर कामकाज करता नजर आया। सुबह गिफ्ट निफ्टी में भी गिरावट रही और ये 50 अंक नीचे आकर 19,600 के स्तर पर कामकाज करता नजर आया।

जानकारों के अनुसार चीन और ऑस्ट्रेलिया के महंगाई आंकड़ों के आने से पहले ही एशियाई बाजारों में भी दबाव का माहौल है। निक्केई, कोस्पी और एएसएक्स करीब 0.75 फीसदी के दायरे में नीचे थे, जबकि हैंग सेंग 0.03 फीसदी बढ़ा। इसके अलावा अमेरिकी वायदा बाजारों में हल्की मजबूती दर्ज की गयी। डॉव में 1.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी, यह मार्च के बाद से सबसे अधिक गिरावट है, जबकि एसएंडपी 500 1.47 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा नैस्डैक कंपोजिट 1.57 फीसदी गिरा।

इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे। सेंसेक्स 78.22 अंक करीब 0.12 फीसदी नीचे आकर 65,945.47 अंक पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 9.85 अंक तकरीबन 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 19,664.70 अंक पर बंद हुआ।

आदित्य बिड़ला फैशन और टीसीएनएस क्लोदिंग में 51 प्रतिशत की हिस्सेदारी का किया अधिग्रहण, टीसीएनएस बनी सहायक कंपनी

नई दिल्ली।
आदित्य बिड़ला ग्रुप की आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने टीसीएनएस क्लोदिंग में अपने 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया। टीसीएनएस बनी एबीएफआरएल की सहायक कंपनी अधिग्रहण के बाद टीसीएनएस क्लोदिंग अब एबीएफआरएल की सहायक कंपनी बन गई है इसके अलावा सेबी लिस्टिंग विनियमों के अनुसार टीसीएनएस एबीएफआरएल की मटेरियल कंपनी भी होगी।

ADITYA BIRLA
FASHION & RETAIL

शेयर खरीद समझौते एसपीए के अनुसार, एबीएफआरएल ने कुल 1.41 करोड़ इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण किया है। एबीएफआरएल ने कहा कि

कितना था टीसीएनएस का टर्नओवर

31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए टीसीएनएस ने 1,201.59 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया था। वहीं एबीएफआरएल का रेवेन्यू वित्तीय वर्ष 2022-23 में 12,418 करोड़ रुपये था।

कब किया था अधिग्रहण की घोषणा

एबीएफआरएल ने 5 मई को यह घोषणा की थी कि वह 1,650 करोड़ रुपये के डील में टीसीएनएस क्लोदिंग में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगी। डील के अनुसार कंपनी एक एसपीए (शेयर खरीद समझौते) के माध्यम से टीसीएनएस क्लोदिंग के संस्थापक प्रमोटर की हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया, जिसके बाद एक ओपन ऑफर दिया गया।

एबीएफआरएल के पास 4 हजार से ज्यादा स्टोर

आपको बता दें कि एबीएफआरएल के पास 30 जून, 2023 तक पूरे भारत में डिपार्टमेंट स्टोर्स में 6,837 प्वाइंट ऑफ सेल के साथ 33,874 मल्टी-ब्रांड आउटलेट्स में 4,008 स्टोर्स का नेटवर्क है।

कंपनी के पास लुई फिलिप, वैन ह्यूसेन, एलन सोली और पीटर इंग्लैंड जैसे ब्रांड है। कंपनी के पास प्रमुख फैशन रिटेल चेन पैंटालून भी है।

एयर इंडिया-विस्तारा के मर्जर को सीसीआई ने दी मंजूरी, प्रतिस्पर्धा से बचाव का ये है प्लान

नई दिल्ली।
एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस दिल्ली-सिडनी और दिल्ली-पेरिस सहित विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्गों पर न्यूनतम क्षमता सुनिश्चित करेंगी। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एक सितंबर को एयर इंडिया के साथ विस्तारा के प्रस्तावित विलय को मंजूरी दे दी, जिसमें सिंगापुर एयरलाइंस भी एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। प्रस्तावित विलय के कारण प्रतिस्पर्धा संबंधी कुछ चिंताएं नियामक ने उठाई थीं और उन्हें दूर करने के लिए विमानन कंपनियों ने विलय के संबंध में कुछ प्रतिबद्धताएं जताई हैं। प्रतिबद्धताओं के अनुसार, एयर इंडिया ने स्वेच्छा से घरेलू और विदेशी मार्गों पर कुछ अतिव्यापी ओ एंड डी (उत्पत्ति और गंतव्य) पर न्यूनतम क्षमता/आपूर्ति स्तर बनाए रखने की पेशकश की है।

सीसीआई के 73 पन्नों के आदेश के अनुसार घरेलू खंड में भुवनेश्वर-दिल्ली, बेंगलुरु-गुवाहाटी, कोचीन-दिल्ली, दिल्ली-तिरुवनंतपुरम, अमृतसर-दिल्ली, भुवनेश्वर-मुंबई और बेंगलुरु-दिल्ली शामिल हैं। जिन अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एयर इंडिया न्यूनतम क्षमता/आपूर्ति स्तर बनाए रखेगी, उनमें दिल्ली-सिडनी, दिल्ली-मेलबर्न, दिल्ली-पेरिस और दिल्ली-फ्रैंकफर्ट शामिल हैं। इन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एयर इंडिया और विस्तारा दोनों उड़ानें संचालित करती हैं। इसके अलावा, एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस भारत और सिंगापुर के बीच कुछ अतिव्यापी ओएंडडी जोड़े - दिल्ली-सिंगापुर, मुंबई-सिंगापुर, तिरुचिरापल्ली-सिंगापुर और चेन्नई-सिंगापुर के संबंध में न्यूनतम क्षमता/आपूर्ति स्तर बनाए रखेंगे। एक सितंबर को जारी आदेश में आयोग ने कहा है कि पार्टियों द्वारा प्रस्तावित स्वैच्छिक क्षमता प्रतिबद्धताओं से प्रतिस्पर्धा संबंधी संभावित चिंताओं का समाधान होता प्रतीत होता है और इसलिए मामले में जांच आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया गया है। विलय सौदा भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में एक प्रमुख समेकन को चिह्नित करेगा। विलय पूरा होने के बाद सिंगापुर एयरलाइंस को तरजीही आवंटन के जरिये विलय के बाद बनने वाली इकाई में अतिरिक्त शेयर आवंटित किए जाएंगे। इस सौदे से एयर इंडिया देश की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनी और दूसरी सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी बन जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट (पहले एयरएशिया इंडिया के नाम से जाना जाता था) के विलय की प्रक्रिया चल रही है। टाटा समूह की चार विमानन कंपनियां एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, एआईएक्स कनेक्ट और विस्तारा हैं जिसमें सिंगापुर एयरलाइंस की 73 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सेल्टॉस की 2 महीने में 50 हजार से ज्यादा बुकिंग,14 जुलाई को ही शुरू कर दी थी बुकिंग

नई दिल्ली । बीते 21 जुलाई को लॉन्च हुई किआ कंपनी की सेल्टॉस की 2 महीने के अंदर ही 50 हजार से ज्यादा बुकिंग हो गई हैं। कार की बुकिंग कंपनी ने हालांकि 14 जुलाई को ही शुरू कर दी थी। इसी के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में सेल्टॉस सबसे तेज 50 हजार की बुकिंग का आंकड़ा छूने वाली गाड़ी बन गई है। आसान शब्दों में इस बात को समझें तो देश भर में हर दिन किआ सेल्टॉस की 833 यूनिट्स से ज्यादा बुकिंग हो रही है। किआ इंडिया के सेल्स एंड बिजनेस हैड मायुंग सिक सोहन ने कहा कि सेल्टॉस लोगों के लिए भरोसेमंद कारों में से एक बन गई है। उन्होंने बताया कि वेटिंग पीरियड को कम करने के लिए हमने प्रोडक्शन को ऑप्टिमाइज किया है। हम चाहते हैं कि ग्राहकों तक उनकी पसंदीदा एसयूवी बिना इंतजार के पहुंचे। किआ सेल्टॉस के टॉप मॉडल को लोग सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। सेल्टॉस एचटीएक्स की कुल बुकिंग में 77 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं 47 प्रतिशत बुकिंग उन मॉडल्स की है जो अडास फीचर से लैस हैं। इससे ये साफी पता चलता है कि लोग लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ ही बेस्ट इन क्लास फीचर्स और एक सेफ कार की चाहत रखते हैं।

आदित्य चोपड़ा जारी करेंगे टाइगर का मैसेज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता आदित्य चोपड़ा यश चोपड़ा की जयंती पर टाइगर का मैसेज जारी करेंगे। एक वीडियो जारी किया जाएगा, जिसे प्रमोशन की शुरूआत माना जा रहा है। मैसेज टाइगर 3 के ट्रेलर से पहले का वीडियो होगा। सूत्रों की माने तोयह वीडियो टाइगर 3 के ट्रेलर की प्रस्तावना है। इसमें एजेंट टाइगर के रूप में सलमान खान एक महत्वपूर्ण संदेश देंगे। सलमान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के ओजी हैं, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को आकार देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म टाइगर 3 की सभी पर निगाहें हैं। टाइगर 3, जो टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान का अनुसरण करती है, एक शानदार एक्शन मनोरंजक है, जिसे लोगों ने पहले स्क्रीन पर नहीं देखा है। आदित्य चोपड़ा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का निर्माण कर रहे हैं और सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर 3 उनकी अगली फिल्म है। सूत्र ने आगे कहा, इस दिवाली पर रिलीज होने वाली टाइगर 3 से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। यह प्रसिद्ध वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, इसलिए दर्शकों ने अब तक इस बात पर भारी निवेश किया है।

भाग्यश्री को किया जा रहा जबरदस्त ट्रोल

- नाइट सूट पहनकर डांस करने से आई निशाने पर

मुंबई (ईएमएस)। राजश्री प्रोडक्शन की सूरज बड़जात्या के निर्देशन की पहली फिल्म मैंने प्यार किया की नायिका भाग्यश्री को सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रोल किया जा रहा है। कारण उनका नाइट सूट पहनकर डांस करना है। गौरतलब है कि 56 वर्षीय भाग्यश्री अभी उदयपुर में हिमालय के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है। इसमें वह अन्य साथी डांसर्स के साथ झूमती नजर आ रही हैं। वह डांस तो अच्छा कर रही हैं, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स उनकी ड्रेस पर सवाल उठा उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने नाइट सूट पहना है। यूजर्स ने उन्हें सलाह दी कि डांस करते समय लहंगा चोली पहनना चाहिए था। उनका मानना है कि भाग्यश्री को राजस्थान का मान-सम्मान रखना चाहिए था। इससे पहले भाग्यश्री जब उदयपुर पहुंची थीं तो कयास लगाए जा रहे थे कि वह परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी में शामिल होने के लिए वहां आई हैं। तब उन्होंने मीडिया को साफ किया है कि वह तो पति के साथ वेकेशन के लिए आई हैं। बता दें कि भाग्यश्री का बेटा अभिमन्यु दासानी भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुका है। उनके एक बेटी अवंतिका दासानी भी हैं। बता दें कि राजश्री फिल्म मैंने प्यार किया की नायिका भाग्यश्री और सलमान खान को रातों रात फिल्म उद्योग को चमकता सितारा बना दिया था। इस फिल्म की सफलता के बाद भाग्यश्री को फिल्मों के कई प्रस्ताव आए लेकिन उन्होंने उन सभी प्रस्तावों को ठुकरा दिया। उनका कहना था कि वे सिर्फ हिमालय दासानी के साथ ही परदे पर काम करेंगी। हालांकि एक-दो निमार्ताओं ने उनकी बात मानी पर फिल्में असफल रही। इसके बाद भाग्यश्री ने हिमालय के साथ शादी करके फिल्मों से दूरी बना ली।

अरशद वारसी संभालेंगे जज की कुर्सी!

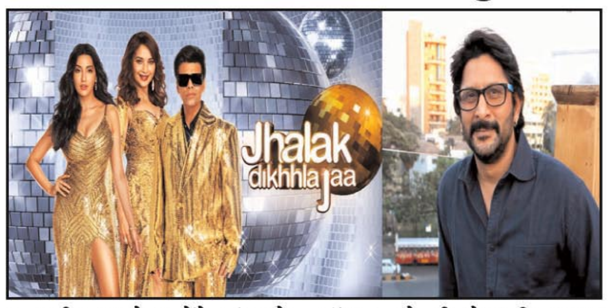

डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा अपने मूल मंच सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर लौटने के लिए तैयार है। शो के जज पैनल में भी काफी बदलाव लाने की प्लानिंग हो रही है। पैनल पर बैठे 3 जज में इंडस्ट्री के जाने माने बॉलीवुड एक्टर, कोरिओग्राफर और फिटनेस आइकन शामिल होंगे। इनमें से अरशद वारसी का नाम लिस्ट में सबसे टॉप पर है। फिलहाल अभिनेता से मेकर्स की बातचीत चल रही है और अगर सब सही रहा तो इस महीने के अंत तक कॉन्ट्रैक्ट साइन कर दिया जाएगा। शुरूआती प्लानिंग के मुताबिक, शो इस साल के अंत तक प्रीमियर होगा। अरशद के टेलीविजन करियर की बात की जाए तो उन्होंने डांस शो रज्जमाताज में बतौर होस्ट शुरूआत की थी। 2003 से 2004 तक टीवी धारावाहिक करिश्मा - द मिरेकल्स ऑफ डेस्टिनी में अभिनेत्री करिश्मा कपूर के साथ अभिनय किया। 2006 में चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 1 को भी होस्ट किया था। 2010 में उन्होंने टीवी शो ईशानः सपनों को आवाज दे में एक छोटा सा कैमियो किया था। इसी साल वे रियलिटी शो जरा नचके दिखा में जज की कमान संभालते हुए नजर आए थे।

जवान की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन

बालीवुड सुपर स्टार शाहरुख खान के मीर फाउंडेशन ने हाल ही में फिल्म जवान की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इस स्क्रीनिंग का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से अन्प्रीविलिज्ड बच्चों को खुशी देना है। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं और यह अभिनेता के प्रोडक्शन रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। फिल्म 7 सितंबर, 2023 को अपनी वैश्विक रिलीज के बाद से ऑडिएंस के बीच जबरदस्त क्रेज पैदा की। अपने प्रशंसकों के साथ आस्क एसआरके सेसन के दौरान, शाहरुख खान ने अपने फाउंडेशन के काम के बारे में जानकारी साझा की। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक जवाब दिया, मुझे लगता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जितना संभव हो सके उतने लोगों को खुशहाल जीवन जीने में मदद कर रहे हैं। इस बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन बहुत उत्साहित होकर मैंने उन्हें यह दिखाने के लिए कहा है। फिल्म #जवान इस सप्ताह सभी एनजीओज के लिए।

आलिया भट्ट एक अभिनेत्री और निर्माता के रूप में उभरेंगी, आने वाली फिल्म 'जिगरा' का ऐलान

आलिया भट्ट हाल ही में "रॉकी और रानी की प्रेम कहानी" में नजर आई थीं और अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की घोषणा कर दी है। आलिया की आने वाली फिल्म का नाम 'जिगरा' है। फिल्म के मेकर्स ने एक वीडियो भी शेयर किया है। 'जिगरा' में आलिया एक्टिंग के अलावा प्रोड्यूसर के तौर पर भी नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर वासन बाला ने किया है। वीडियो में हम देख सकते हैं कि आलिया भट्ट कंधे पर बैग लटकाए गहरी सोच में खड़ी हैं। साथ ही बैकग्राउंड में आलिया की आवाज भी सुनाई दे रही है। साफ है कि आलिया का किरदार अपने भाई से बात कर रही हैं। यह भी साफ है कि इस फिल्म की कहानी भाई-बहन के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। एक बहन अपने भाई की सुरक्षा के लिए क्या करती है। आलिया ने इस फिल्म को करण जौहर के साथ प्रोड्यूस किया है। इस बात से आलिया फिलहाल बेहद खुश हैं। फिल्म "जिगरा" 27 सितंबर 2024 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के अलावा आलिया भट्ट "जी ले जरा" में भी नजर आएंगी, जिसमें कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा भी हैं। हालांकि प्रियंका की वजह से फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है। 2023 आलिया के लिए काफी अच्छा साल रहा। इस साल उनकी दो फिल्में रिलीज हुईं और "गंगूबाई काठियावाड़ी" के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

'द वैक्सीन वॉर' के अपने किरदार में नाना पाटेकर को देखकर भावुक हुए डॉ. बलराम भार्गव

नाना पाटेकर स्टारर द वैक्सीन वॉर 28 सितंबर को रिलीज होने वाली है। यह फिल्म कोरोना वायरस के दौरान वैक्सीन पर शोध कर रहे वैज्ञानिकों की सच्ची कहानी है। इसमें नाना ने कोवैक्सिन की खोज करने वाली टीम के प्रमुख डॉ. बलराम भार्गव की भूमिका निभाई है। अपने किरदार में नाना पाटेकर को देखकर डॉ. बलराम भार्गव भावुक हो गए। नाना पाटेकर ने खुलासा किया है कि उनकी बलराम भार्गव से मुलाकात नहीं हुई है। आम तौर पर जब आप कोई भूमिका निभाते हैं, तो आप उसे समझने की कोशिश करते हैं। अगर किसी जीवित व्यक्ति का किरदार निभाना हो, तो हम उनसे मिलते हैं, लेकिन मैंने डॉ. भार्गव से मिलने से इनकार कर दिया। मैंने कहा कि बहुत कम समय है। किसी व्यक्ति से मिलने के बाद, वे कैसे दिखते हैं, कैसे बात करते हैं, कैसे चलते हैं, इसकी नकल करने की कोशिश करेंगे, जिससे भ्रम पैदा हो सकता है। इसलिए मैंने उनसे कहा कि मैं फिल्म पूरी होने के बाद उनसे मिलूंगा। नाना पाटेकर ने बताया, कुछ दिन पहले डॉ. बलराम भार्गव और अन्य सभी वैज्ञानिकों के लिए एक फिल्म शो आयोजित किया गया था। इनमें से 70 प्रतिशत महिला वैज्ञानिक हैं। उन्हीं की वजह से आज हम सब बिना मास्क पहने बैठ सकते हैं। फिल्म देखने के बाद डॉ. भार्गव मेरे पास आए और बोले, तुमने मेरा रोल इतना अच्छा कैसे निभाया? क्योंकि आप मुझसे कभी मिले ही नहीं। मैंने कहा कि मैंने वैसा ही किया जैसा मेरे निर्देशक ने मुझसे कहा था। इस पर उन्होंने कहा, हां, लेकिन ये इतना सटीक कैसे हो सकता है। मैंने इसका श्रेय विवेक को दिया और कहा कि यह आसान था, क्योंकि उन्होंने इसे समझाया।

कंटेंट के मामले में स्टार प्लस दर्शकों की पहली पसंद

कंटेंट के मामले में एक बार फिर स्टार प्लस दर्शकों की पहली पसंद है। बार्क की रिपोर्ट में टीआरपी चार्ट में स्टार प्लस के शो आगे है, जबकि चैनल ने लगातार 175 हफ्तों तक नंबर 1 बने रहने का मील का पत्थर पूरा कर लिया है। स्टार प्लस दर्शकों का सबसे पसंदीदा चैनल है। इस चैनल पर दर्शकों को रोमांस से लेकर ड्रामा और थ्रिलर शैलियों तक कई अलग अलग तरह के शोज परोसे जाते हैं। वैसे स्टार प्लस अपने दर्शकों के बीच दिलचस्प और मजेदार कंटेंट पेश करने के लिए जाना जाता है। चैनल के पास अनुपमा जैसे शो की एक शानदार लाइनअप है, जो वुमन एम्पावरमेंट को प्रदर्शित करता है, ये रिश्ता क्या कहलाता है, तेरी मेरी डोरियां, इमली, ये है चाहतें, तितली, बातें कुछ अनकही सी, और कह दूं तुम्हें, जो फैमिली ड्रामा और रोमांस पर फोकस्ड है, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। एक बार फिर स्टार प्लस ने अपने कंटेंट से खुद को साबित किया है।

"डंकी" के सामने खड़ी होगी "सालार"!

पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि शाहरुख खान की "डंकी" और प्रभास की "सालार" दोनों एक ही दिन रिलीज होंगी। "सालार" के निमार्ताओं ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स और कुछ ट्रेड एक्सपर्ट्स के मुताबिक "सालार" के मेकर्स ने 22 दिसंबर 2023 की तारीख तय की है। इस दिन शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी की "डंकी" भी रिलीज होगी। अब कहा जा रहा है कि सालार के मेकर्स होम्बले फिल्म्स ने ये फैसला जानबूझ कर लिया है। व्यापार विशेषज्ञ मनोबाला विजयबालन ने कहा कि यह सालार के निमार्ताओं की एक मास्टर रणनीति है। वह आमतौर पर अपनी फिल्मों के लिए सभी अच्छी तारीखें ब्लॉक कर देते हैं। अपने ट्वीट में वह आगे लिखते हैं, 'प्रभास की "सालार" के लिए 14 अप्रैल, 2022 तय की गई थी फिर तारीख टाल दी गई और इसकी जगह उन्होंने 'केजीएफ 2' रिलीज कर दी, जो विजय की "बीस्ट" के साथ रिलीज हुई। अब भी, उन्होंने युवा के लिए 22 दिसंबर की तारीख आरक्षित की थी लेकिन अब वे इसके बजाय सालार को रिलीज करने जा रहे हैं। थलपति विजय की "बीस्ट" बॉक्स ऑफिस पर "केजीएफ चैप्टर 2" के सामने टिक नहीं पाई।

अब कई ट्रेड एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर "डंकी" से पहले "सलार" रिलीज होती है तो इसका असर शाहरुख की फिल्म की कमाई पर जरूर पड़ सकता है। हालांकि अभी इस बारे में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है लेकिन "सालार" के मेकर्स की रणनीति को देखते हुए इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दोनों फिल्में एक ही दिन रिलीज हो सकती हैं।

रणबीर कपूर की 'एनिमल' में दिखेंगे बॉबी देओल, शानदार लुक रिलीज

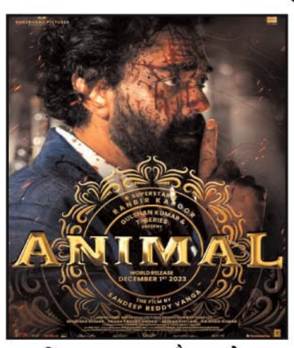

एक्टर रणबीर कपूर की आने वाली फिल्म एनिमल का इस समय दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म का टीजर कुछ ही दिनों में रिलीज किया जाएगा, लेकिन उससे पहले फिल्म की कास्ट की पहली झलक जारी की जा रही है। हाल ही में एनिमल से रणबीर कपूर, अनिल कपूर और साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक सामने आया था। इसके बाद अब बॉबी देओल का शानदार लुक रिलीज हुआ है। इसमें बॉबी देओल का खून से लथपथ चेहरा देखा जा सकता है। बॉबी ने फिल्म का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर एनिमल का दुश्मन कैप्शन के साथ शेयर किया है। बॉबी देओल के इस लुक को बॉलीवुड एक्टर्स के साथ-साथ उनके फैंस ने भी खूब पसंद किया है। एक नेटिजन ने लिखा, मैं यह फिल्म रणबीर के लिए नहीं, बल्कि आपके लिए देखने जा रहा हूं। एक अन्य नेटिजन ने लिखा, रॉकस्टार। साथ ही तीसरे नेटीजन ने लिखा है कि, सर, आपने सिस्टम हैंग कर दिया है। फिल्म एनिमल 11 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, लेकिन वीएफएक्स के चलते रिलीज टाल दी गई है। निर्देशक इस फिल्म के लिए अधिक समय चाहते थे, इसलिए मेकर्स ने एनिमल की रिलीज रोक ली। अब चर्चा चल रही है कि फिल्म 1 दिसंबर 2023 को रिलीज होगी।

स्टेज परफॉर्मेंस के 25 लाख चार्ज करती हरियाणवी छोरी

आपको जानकर हैरानी होगी कि करियर के शुरूआती दौर में हरियाणवी छोरी सपना चौधरी को स्टेज शो करने के लिए महज 3100 रुपये मिला करते थे। लेकिन आज वह करोड़ों की मालकिन हैं, उनकी नेटवर्थ 50 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट्स की मानें तो सपना चौधरी एक स्टेज परफॉर्मेंस के 25-50 लाख रुपये तक चार्ज करती हैं। अगर 2 से 3 घंटे के लिए किसी इवेंट में शामिल होने जाती हैं तो तीन लाख रुपये तक चार्ज करती हैं। सपना चौधरी के नाम पर एक बंगला भी है। इतना ही नहीं, सपना चौधरी ऑडी क्यू7 और बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज जैसी महंगी गाड़ियों से यात्रा करना पसंद करती हैं। हरियाणा का बच्चा बच्चा सपना चौधरी का नाम जानता है। सपना चौधरी इंस्टाग्राम पर भी काफी फेमस है। इंस्टाग्राम पर सपना के 50 लाख फॉलोअर्स हैं।

रुबीना दिलैक ने खुद किया प्रेग्नेंट होने का ऐलान, बेबी बंप की तस्वीरें शेयर की

एक्ट्रेस रुबिना दिलैक इस वक्त चर्चा में हैं। पिछले कुछ दिनों से रुबिना के प्रेग्नेंट होने की अफवाहें जोरों पर हैं। अब रुबिना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर ऐलान किया है कि वह मां बनने वाली हैं। रुबिना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट में अपने बेबी बंप की तस्वीरें शेयर की हैं। रुबिना की इस फोटो पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। कई लोगों ने कमेंट कर उन्हें बधाई दी है। रुबिना के काम की बात करें तो वह कई हिंदी सीरियल्स में काम कर चुकी हैं। अपनी एक्टिंग के दम पर रुबिना ने एक अलग पहचान बनाई है। उन्हें असली पहचान सीरियल छोटी बहू से मिली। रुबिना ने हिंदी बिग बॉस में भी हिस्सा लिया था। वह शक्ति और झलक दिखला जा शो में भी नजर आईं। रुबिना 2018 में अभिनेता अभिनव शुक्ला के साथ शादी के बंधन में बंधी। इसी बीच उनके तलाक की अफवाहें भी सुनने को मिलीं। दोनों ने बिग बॉस 14 में हिस्सा लिया था। इसी बीच दोनों के बीच दूरियां कम हुईं और देखा गया कि दोनों करीब आ गए।

सूडोकु नवताल- 6566

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6565 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7313

शब्द जाल में नौशाद द्वारा संगीतबद्ध 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रेमनगर, बैजू बावरा, दीवाना,मदर इंडिया,दिल दिया दर्द लिया, आदमी,धर्मकांटा,लव एंड गॉड, मुगल ए आजम, गीत.

म	क	मु	ग	ल	ए	आ	ज	म	ल	ट
द	वि	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	ड़
र	स	ल	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	न	दि	वा	स	ध	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	ल	ज	ना	तू	ग	झ	क
या	ल	द	र	दि	झ	उ	ती	ण	घ	क
ती	व	ल	मी	या	प	बै	जू	बा	व	रा
क	एं	ऊ	ई	द	ब	क	फ	ए	श	क
क	ड	ल	प	र्द	गी	स	री	औ	प	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	द
क	ड	ल	प	या	प	स	व्य	ब	प	म

शब्दजाल - 7312 का हल

भा	क	ल	व	ग	ब	ना	क	प	ल	क
र	वि	ल	न	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
त	स	र्म	ल	र्म	छ	पु	रा	रा	ख	क
क	ज	ज	य	पु	र	न	प	न	ल्ली	क
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	क
जी	क	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	आ	स्ट्रे	लि	या	प	ल	श	र	ला	ल
क	ता	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	पा
ने	बा	चे	न्न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	कि
द	पा	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	स्ता
क	क	ल	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6266

6			7	4		
1	28	3	35	5	34	7
	5		3		2	6
7	34		26		33	
3	6			1	7	
	30	4	33		32	1
2	1		6		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6265 का हल

1	5	3	7	4	2	6
2	29	4	36	6	29	1
5	2	7	4	1	6	3
3	33	6	33	7	32	2
6	3	1	5	2	7	4
4	32	5	29	5	34	7
7	4	2	6	3	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

नेपाल ने रचा इतिहास; टी20 मैच में बना दिए 314 रन, युवराज-रोहित के रिकॉर्ड भी टूटे

हांगझोऊ ।
नेपाल की पुरुष टीम ने मंगोलिया के खिलाफ एशियाई खेलों के ग्रुप मैच के दौरान इतिहास रच दिया। हांगझोऊ में पुरुष क्रिकेट के शुरुआती मैच में ही नेपाल ने टी20 क्रिकेट के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। महिला क्रिकेट में भारत के स्वर्ण पदक जीतने के बाद, पुरुषों की स्पर्धा के पहले ही मैच में विश्व रिकॉर्ड बन गया। नेपाल ने 20 ओवरों में 314/3 का अविश्वसनीय स्कोर बनाया और टी20 क्रिकेट में 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पहले ही पुष्टि कर दी थी कि एशियाई खेलों के मैचों को अंतरराष्ट्रीय टी20 का दर्जा दिया जाएगा।

इसके अलावा, दीपेंद्र सिंह ऐरी ने युवराज सिंह के सबसे तेज टी20 अर्धशतक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया। युवराज ने 2007 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंद में अर्धशतक लगाया था। इसी पारी में उन्होंने एक ओवर में छह छक्के लगाए थे। वहीं, दीपेंद्र सिंह ऐरी ने सिर्फ नौ गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 10 गेंदों में 52 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें से 48 रन छक्कों से आए। कुशाल मल्ला ने भारत के कप्तान रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज डेविड मिलर को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज टी20 शतक बनाया। उन्होंने केवल 34 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। जबकि रोहित और मिलर ने 35 गेंद में शतक लगाया था। मल्ला ने आठ चौके और 12 छक्के लगाए और सिर्फ 50 गेंदों पर 137 रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल ने हांगझोऊ में झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी क्रिकेट फील्ड में अपनी पारी की धीमी शुरुआत की थी, जिसमें दोनों सलामी बल्लेबाज 100 से कम स्ट्राइक रेट से खेल रहे थे। इसके बाद, मल्ला ने कप्तान रोहित पौडेल (27 गेंदों में 61 रन) के साथ 193 रन की साझेदारी करके पारी को आगे बढ़ाया। इसके बाद दीपेंद्र ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया।

क्वार्टर फाइनल में शामिल होगा भारत

एशियाई खेलों में पुरुषों की प्रतियोगिता के पहले दौर में तीन टीमों के तीन समूह हैं। प्रत्येक समूह से शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी, जहां भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसी टीमें टूर्नामेंट में शामिल होंगी। भारत का नेतृत्व ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे, जो हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए वनडे टीम का हिस्सा थे और पहले दो मैचों में खेले थे।

न्यूज ब्रीफ

आयोजन के विलंब से हुआ नेहा को फायदा, तय समय पर होते खेल तो भाग भी नहीं ले पाती रजत पदक विजेता

हांगझोऊ । चीन में कोविड-19 महामारी के कारण एशियाई खेलों को जब एक साल के लिए टाला गया तो यह कई खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक रहा लेकिन भारतीय सेलर (पाल नाविक) नेहा ठाकुर के लिए यह फैसला वरदान साबित हुआ।

नेहा ने यहां हांगझोऊ खेलों में लड़कियों की डिंगी आईएलसीए-4 स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इस खेल में देश के लिए पदकों का खाता खोला। एशियाई खेलों का आयोजन अगर पिछले साल अपने मूल कार्यक्रम के अनुसार होता तो नेहा भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होती, क्योंकि उस समय रितिका डांगी इस स्पर्धा में देश की नंबर एक खिलाड़ी थीं। एशियाई खेलों में जगह बनाने वालीं रितिका हालांकि आईएलसीए-4 स्पर्धा के लिए जरूरी 17 साल की आयु सीमा को पार कर गई और उनकी जगह टीम में नेहा को शामिल किया गया। नेहा ने पिछले साल अबू धाबी में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। नेशनल सेलिंग (पाल नौकायन) स्कूल (एनएसएस) के कोच अनिल शर्मा ने कहा, ' एशियाई खेलों में रितिका को हिस्सा लेना था लेकिन दुर्भाग्य से वह आयु सीमा को पार कर गई। वह इस साल 18 बरस की हो गई।' नेहा राष्टीय चयन ट्रायल में हिस्सा लेने वाली एनसीसी की तीन खिलाड़ियों में से एक थी। शर्मा ने कहा, ' नेहा ने तीन महीने के लिए स्पेन में अभ्यास किया और इस दौरान उन्होंने काफी सुधार की। हम उसे सेलिंग के ओलंपिक वर्ग महिला आईएलसीए-6 में रितिका के साथ रखने की योजना बना रहे हैं। उम्मीद है कि वह अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर पाएगी। हमारा अगला लक्ष्य यही है।' नेहा का अभियान 11 रेस की स्पर्धा में कुल 32 अंक के साथ खत्म हुआ। उनका नेट स्कोर हालांकि 27 अंक रहा जिससे वह थाईलैंड की स्वर्ण पदक विजेता नोपासोर्न खुनबूनजान के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। किसान पिता के लिए आसान नहीं था तीन साल बेटी को परिवार से दूर भेजना नेहा के पिता मुकेश कुमार किसान हैं और उनके लिए अपनी सबसे बड़ी बेटी को तीन साल पहले परिवार से दूर सेलिंग अकादमी में भेजने का फैसला काफी मुश्किल भरा था। मुकेश ने कहा, ' खेती में मुझे हर साल नुकसान हो रहा है। इस साल भी सूखे जैसी स्थिति है और मुझे नहीं लगता की मैं अपनी लागत निकाल पाउंगा। वह (नेहा) बचपन में हमेशा बहुत महत्वाकांक्षी रही है और प्रतिभा-खोज कार्यक्रम में चुने जाने के बाद मैंने सोचा कि उसके सपने को पूरा करने का मौका मिलना चाहिए।' मुकेश ने कहा, 'उसके दो भाइयों ने भी उसे बहुत प्रेरित किया था और मैं उसके लिए वास्तव में खुश हूं। उसकी मां शुरुआत में उसे हमसे दूर भेजने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब हर कोई खुश है और हमारे गांव में हर कोई उसके बारे में बात कर रहा है।

ब्राजील के पूर्व फुटबॉलर रोनाल्डो ने की तीसरी शादी

इबीसा । ब्राजील की विश्वकप विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य रहे रोनाल्डो ने 47साल की उम्र में तीसरी शादी की है। पूर्व फुटबॉलर रोनाल्डो ने 33 साल की मॉडल पार्टनर सेलिना लॉक्स से इबीसा के एक चर्च में शादी की। इस जोड़े ने इसी साल जनवरी में सगाई की थी। सेलिना ने 7 साल पहले पूर्व रियल मैड्रिड और इंटर मिलान के स्ट्राइकर रहे रोनाल्डो के साथ डेटिंग शुरू की थी। इन दोनो ने अपनी शादी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर भी भेजी है। इसमें इस मॉडल ने लिखा, आज हम अपने परिवारों को एक अंतरंग धार्मिक उत्सव के लिए एक साथ लाए और इस तरह कई समारोहों के एक सप्ताह की शुरुआत हुई। इस जोड़े ने अपनी शादी पर क्रीम रंग के कपड़े पहने हुए थे। वहीं मेहमानों में रिश्तेदारों के अलावा रोनाल्डो के पूर्व रियल मैड्रिड टीम के साथी खिलाड़ी जूलियो बैप्टिस्टा भी शामिल थे। रोनाल्डो, जो अब स्पेनिश सेकेंड डिवीजन टीम रियल वलाडोलिड के अध्यक्ष हैं, ने चर्च में प्रवेश करने से पहले प्रशंसकों के साथ सेल्फी भी खिंचवाई। इस फुटबॉलर ने इससे पहले ब्राजील की ही मिलेन डोमिंगुएस से पहली जबकि मारिया बीट्रिज एंटनी से दूसरी शादी की थी। इनके एक बेटा और दो दो बेटियां हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 13-0 से हराया

हांगझोउ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने शुरुआती मुकाबले में ही सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से संगीता कुमारी ने हैट्रिक लगायी जबकि नवनीत कौर ने दो गोल किये। नवनीत ने 14वें मिनट में एक के बाद एक ये गोल किये। इसके अलावा दीपिका ने 11वां वें, सुशीला चानू ने आठवें उदिता ने छठे और नेहा ने 19 वें मिनट में गोल दागे। दीप ग्रेस इक्का ने 17 वें सलीमा टेटे ने 35 वें और वंदना कटारिया ने 56 वें मिनट में गोल किया। वहीं मोनिका ने 52वें मिनट में एक गोल किया।

भारत की बेटियों मनु भाकर, ईशा और रिदम सांगवान ने शूटिंग में लहराया परचम, जीता सोना

नई दिल्ली ।
एशियाई खेलों में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। चौथे दिन भारतीय एथलीट्स ने अब तक चार पदक जीत लिए हैं। पहला स्वर्ण भारत की बेटियों ने शूटिंग इवेंट में जीता। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की महिला टीम ने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की बेटियों ने चीन को तीन अंकों से हराया।

मनु भाकर मुक्केबाज बनना चाहती थीं, लेकिन आंख में चोट के कारण शूटिंग में करियर बनाया युवा अवस्था में ही मनु भाकर रैंकिंग के माध्यम से भारत की शूटिंग स्टार बन गईं। भारत का हरियाणा राज्य मुक्केबाजों और पहलवानों के लिए विख्यात है, लेकिन मनु ने इस जगह को शूटिंग से अलग पहचान दिलाई। हरियाणा के झज्जर में जन्मीं मनु भाकर ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी मुकाबलों में हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली थांग ता नामक एक मार्शल आर्ट में भी भाग लिया। मनु मुक्केबाज बनना चाहती थीं, लेकिन आंख में चोट लगने के कारण मुक्केबाजी छोड़ दी।

14 साल की उम्र में मनु कि रुचि शूटिंग की तरफ बढ़ी। तब रियो ओलंपिक 2016 खत्म ही हुआ था। इसके एक हफ्ते के अंदर ही उन्होंने अपने पिता राम किशन भाकर से शूटिंग पिस्टल लाने को कहा। यह एक ऐसा फैसला था जिसने मनु भाकर को भारत का स्टार शूटर बना दिया। 2017 की राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में मनु ने ओलंपियन और पूर्व विश्व नंबर एक हीना सिद्धू को हराकर और 242.3 के स्कोर के साथ एक नया रिकॉर्ड बनाया। वह राष्ट्रीय चैंपियन बनीं और फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगस्त 2020 में मनु भाकर को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने एक वर्चुअल पुरस्कार समारोह में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। जून 2022 में पंचकूला के इंद्रधनुष सभागार में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मनु भाकर को भीम अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

ईशा सिंह | मनु भाकर | रिदम सांगवान

नौ वर्ष की उम्र से ही शूटिंग सीख रही हैं ईशा, 18 वर्ष में एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण - ईशा सिंह ने भी एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में शूटिंग में काफी अच्छा नाम बना लिया है। ईशा के पिता सचिन सिंह मोटरस्पोर्ट्स में नेशनल रैली चैंपियन रह चुके हैं। इसलिए उनमें एक एथलीट वाले गुण अपने पिता से ही मिले हैं। ईशा अभी केवल 18 साल की हैं और उन्होंने नौ वर्ष की उम्र से ही शूटिंग की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी थी। साल 2014 में ईशा ने पहली बार बंदूक पकड़ी थी। उन्होंने साल 2018 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप का खिताब जीता। महज 13 वर्ष की उम्र में ही ईशा ने कई अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड जीते। साथ ही ईशा ने यूथ, जूनियर और सीनियर कैटेगरी में तीन स्वर्ण अपने नाम किए। ईशा का कहना है कि उन्हें पिस्टल की गोली की आवाज किसी संगीत से कम नहीं लगती। ईशा तेलंगाना में ऐसी जगह पर रहती थीं जहां आसपास कोई भी शूटिंग रेंज नहीं था, जिसके चलते उन्हें ट्रेनिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। ट्रेनिंग के लिए उन्हें अपने घर से एक घंटे की दूरी पर स्थित गाचीबॉली स्टेडियम तक जाना होता था। यहां पहुचंकर ईशा मैनुअल रेंज पर प्रैक्टिस करती थीं। ट्रेनिंग के साथ ही ईशा को पढ़ाई और यात्रा भी करनी होती थी। इतनी कम उम्र में जहां दूसरे बच्चे जिंदगी का आनंद ले रहे थे, वहीं ईशा खुद को मुश्किलों के लिए तैयार कर रही थीं। बाकी चीजों से ध्यान हटाकर शूटिंग पर ध्यान लगाना भी ईशा के लिए आसान नहीं था। हालांकि, अर्जुन की तरह उनका निशाना अपने लक्ष्य पर टिका रहा। ईशा को इस स्थान तक पहुंचाने के लिए उनके पिता को भी अपने मोटर ड्राइविंग के करियर का भी त्याग करना पड़ा। पिता के साथ ही ईशा की मां ने भी उनके लिए काफी त्याग किए। अब दोनों के त्याग को ईशा ने खाली नहीं जाने दिया। चार साल की कड़ी मेहनत के बाद नेशनल चैंपियन बनीं और अब एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भारत सरकार ने उन्हें साल 2020 में प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार से सम्मानित किया था।

पिता की सर्विस रिवॉल्वर देख रिदम ने शूटिंग में रखा कदम, अब नाम किया रौशन, ओलंपिक में गोल्ड लाना है लक्ष्य - पुलिस विभाग में तैनात पिता नरेंद्र सांगवान की वर्दी और सर्विस रिवॉल्वर से प्रभावित होकर शूटिंग में कदम रखने वालीं गांव मेहड़ा निवासी रिदम सांगवान का फैसला सही साबित हुआ है। उन्होंने देश के लिए एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर देश का नाम रौशन किया है। अब तक वो शूटिंग वर्ल्ड कप समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में 10 स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। मेहड़ा निवासी रिदम के पिता नरेंद्र सांगवान हरियाणा पुलिस में डीएसपी के पद पर हैं। पिता नरेंद्र के अनुसार, रिदम ने 2017 में सर्विस रिवॉल्वर चलाने की जिद कई बार की, लेकिन हर बार उन्होंने उसे समझाने का प्रयास किया। इसके बाद भी रिदम की जिद जारी रही तो उन्होंने उसे शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण दिलाने के लिए भेजना शुरू कर दिया। रिदम के प्रशिक्षण और मेहनत के जल्द ही सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे। पिस्टल चलाने का शौक पूरा करते हुए रिदम जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने लगीं। इसके बाद रिदम सीनियर वर्ग में भी पदक जीतने लगी। पिता नरेंद्र सांगवान ने बताया कि बेटी रिदम का लक्ष्य आगे चलकर भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने बताया कि रिद्धम ने पहली बार वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लिया था।

पूर्व तेज गेंदबाज आसिफ ने पाक टीम पर सवाल उठाये

लाहौर ।
पाकिस्तान के एक पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आसिफ ने विश्वकप में उतर रही अपने देश की टीम की आलोचना की है। आसिफ ने कहा कि विश्वकप टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं है। आसिफ ने कप्तान बाबर आजम के खराब फार्म पर भी सवाल उठाये हैं। इसके अलावा उन्होंने टीम में शामिल सलमान आगा के प्रदर्शन को भी खराब बताते हुए कहा कि उन्हें शामिल करना फायदेमंद नहीं रहेगा।

उन्होंने बाबर की बल्लेबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा, मैं आज भी टी20 क्रिकेट में आजम को मेडेन ओवर कर सकता हूं, साथ ही कहा कि अगर आप उन्हें अच्छी गेंद करेंगे तो वह गेंद को मार नहीं सकते। आसिफ ने साथ ही कहा, अभी हमारे पास आजम को कप्तान बनाये रखने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है।

उन्होंने कहा, मैंने आज़म को ट्रायल में केवल दो गेंदों का सामना करने के बाद चुना था, आप उनके पिता से पूछ सकते हैं कि मैंने बाबर को ट्रायल में चयनित किया था। मैं उन्हें उच्च रेटिंग देता हूं, वह देश के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं पर वह पावरप्ले में रन नहीं बना पाते और रिज़वान पर दबाव बनाते हैं।

उन्होंने पाक के गेंदबाजी आक्रमण को भी उम्मीद के अनुरुप नहीं माना है। उन्होंने कहा कि हसन अली, शादाब खान, मोहम्मद वसीम और सलमान आगा औसत स्तर के गेंदबाजी हैं। केवल शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ ही बेहतर गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, हमारी टीम में शाहीन और हारिस के अलावा सभी औसत गेंदबाज हैं, कोई भी विशेष नहीं है। मैं आगा सलमान को खिलाड़ी नहीं मानता, वह समय की बर्बादी करता है। वह जितने रन बनाता है, मैं भी उतने रन बना सकता हूं। वह तभी रन बनाता है जब पाकिस्तान एक टीम के रूप में पहले ही काफी रन बना चुका होता है।

स्वदेश पहुंचने पर मंधाना का भव्य स्वागत

मुम्बई ।
एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। मंधाना ने खिताबी मुकाबले में शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उस मैच में मंधाना ने सबसे अधिक 46 रन बनाये थे। इससे भारतीय टीम एशियाई खेलों में पहली बार में ही स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। स्वागत के समय मंधाना भावुक हो गयीं। उन्होंने कहा, 'जब राष्ट्रगान के दौरान राष्ट्रीय ध्वज लहराया तो मेरी आंखों में आंसू आ गए, यह बहुत खास अनुभव था। उन्होंने कहा, हमने देखा है जब नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था तब देश में खुशी की लहर छा गयी थी, वहीं अब देश को पदक दिलाकर हमें बहुत खुशी हैं।

वहीं कुछ वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई है, जिसमें एयरपोर्ट पहुंचने पर परिजन और प्रशंसक मंधाना का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए दिखाई दिए। मंधाना वर्तमान समय की बेहतरीन महिला बल्लेबाजों में से एक मानी जाती हैं। वह एकदिवसीय और टी-20 दोनों की महिला बल्लेबाजी रैंकिंग में मौजूद रहने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

2019 में मंधाना भारत की दूसरी सबसे तेज 2,000 एकदिवसीय रन बनाने वाली क्रिकेटर बनी थीं। मंधाना ने महिला टी-20 में भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक भी लगाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने केवल 24 गेंदों में ही अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। इसके अलावा वह एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेज 3000 हजार रन बनाने वाली क्रिकेटर भी हैं।

भारत ने 41 साल बाद घुड़सवारी में जीता स्वर्ण, टीम को कोर्ट में लेनी पड़ी थी शरण

नई दिल्ली ।
सुदीप्ति हजेला, दिव्याकृति सिंह, विपुल ह्रदय छेड़ा और अनुष अगरवाला की घुड़सवार चौकड़ी ने ड्रेसेज में देश को पहली बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक दिलाया। यह वही टीम है जिसे एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट की शरण लेनी पड़ी थी।

कोर्ट जाने के बाद ही भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) इन घुड़सवारों को एशियाई खेलों के चौथे क्वालिफाइंग में खेलने की अनुमति देने के लिए राजी हुआ था। उसके बाद इन घुड़सवारों ने अदालत से मामला वापस लिया और उनके एशियाड में खेलने का रास्ता साफ हुआ।

भारतीय घुड़सवारों ने 209.205 प्रतिशत अंक हासिल कर चीन को उसी के घर में पराजित किया। चीन ने 204.882 प्रतिशत अंक के साथ रजत और हांगकांग ने 204.852 प्रतिशत अंक के साथ कांस्य जीता। भारत का घुड़सवारी में यह 41 साल बाद स्वर्ण पदक है। इससे पहले 1982 के दिल्ली एशियाड में भारत ने घुड़सवारी में तीन स्वर्ण पदक जीते थे।

1986 में जीता था कांस्य

इससे पहले ड्रेसेज में अंतिम बार कांस्य पदक भारत ने 1986 के सियोल एशियाड में जीता था। इंदौर की 21 वर्षीय घुड़सवार सुदीप्ति के पिता मुकेश हजेला बताते हैं कि अगर उस दौरान कोर्ट की शरण नहीं ली होती तो टीम इन खेलों में शिरकत नहीं कर पाती। हालांकि घुड़सवारों ने बाद में ईएफआई के कहने पर मामला वापस लिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घुड़सवारी टीम को बधाई दी। उन्होंने लिखा, यह अत्यंत गर्व की बात है कि कई दशकों के बाद हमारी घुड़सवारी ड्रेसेज टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। ह्रदय, अनुष, सुदीप्ति और दिव्याकृति ने अद्वितीय कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर हमारे देश को सम्मान दिलाया है। मैं इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए टीम को हार्दिक बधाई देता हूं।

सिफ्त कौर ने डॉक्टरी छोड़ शूटिंग में बनाया करियर, पिता हैं किसान

हांगझोऊ ।
हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत के लिए 50 मीटर थ्री पोजिशन राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा (महिला) में स्वर्ण जीतने वाली पंजाब की निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने एमबीबीएस पर देश के लिए पदक जीतने को वरीयता दे डाली। 2021 में फरीदकोट के मेडिकल कॉलेज में नीट के जरिए एमबीबीएस में दाखिला लेने वाली सिफ्त के सामने ऐसा समय आया जब उन्हें एमबीबीएस और शूटिंग में से एक को चुनना था।

इसी वर्ष भोपाल निशानेबाजी विश्व कप में 50 मीटर थ्री पोजीशन में पदक जीतने वाली 21 वर्षीय सिफ्त ने शूटिंग को चुना और डॉक्टरी को छोड़कर अमृतसर में फिजिकल एजुकेशन में दाखिला ले लिया। सिफ्त कहती हैं कि डॉक्टरी की पढ़ाई और शूटिंग एक साथ नहीं चल सकती थी। उन्हें दोनों में से एक को चुनना था। उन्होंने और उनके माता-पिता ने शूटिंग को चुना।

पहले शूटिंग के लिए छोड़ी थीं परीक्षाएं

सिफ्त ने हाल ही में पेरिस ओलंपिक की रेंज से अभ्यस्त होने के लिए भारतीय शूटिंग टीम के साथ पेरिस की यात्रा की थी। वह बताती हैं कि शूटिंग के चलते 80 प्रतिशत उपस्थिति पूरी नहीं होने के चलते वह एमबीबीएस की परीक्षाएं नहीं दे पाई थीं। उस दौरान भी उनके सामने बड़ा धर्मसंकट था कि परीक्षाएं चुनें या शूटिंग, उन्होंने तब भी शूटिंग को चुना। उन्हें एमबीबीएस जारी रखने के लिए फिर से प्रथम वर्ष की पढ़ाई करनी थी, लेकिन भोपाल विश्व कप में पदक जीतने के दौरान जब वह पोडियम पर चढ़ीं और देश का झंडा ऊपर गया तो उनका सिर गर्व से ऊंचा हो गया। उनके पिता पवनदीप सिंह और उन्होंने उसके बाद एमबीबीएस छोड़ने का फैसला ले लिया।

पांच साल पहले शुरू की शूटिंग

सिफ्त ने पांच साल पहले ही शूटिंग शुरू की है। बीते वर्ष उन्होंने जूनियर विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और कांस्य जीता। इसके बाद उन्होंने सीनियर टीम में जगह बनाई और अब वह एशियाड में स्वर्ण जीत चुकी हैं। सिफ्त ने जुलाई के अंत में में चीन में हुए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भी हिस्सा लिया था, जहां उन्हें मल्टी स्पोर्ट्स खेल आयोजन का अनुभव मिला था। सिफ्त ने इसमें भारत के लिए दो स्वर्ण पदक जीते थे। खासतौर पर खाने के बारे में उन्हें पता लग गया था। इस अनुभव का फायदा उन्हें एशियाई खेलों में मिला।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भी सिफ्त दो कांस्य पदक जीत चुकी हैं। जूनियर कप में तो उनका रिकॉर्ड और शानदार है। उन्होंने पिछले साल एक ही जूनियर कप में एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीते थे। हालांकि, वर्ल्ड चैंपियनशिप में अभी तक सिफ्त का खाता नहीं खुला है। 2008 ओलिंपिक में अभिनव बिंद्रा ने भारत को शूटिंग में गोल्ड दिलाया था। 2012 में तो शूटिंग में दो मेडल मिले, लेकिन पिछले दो ओलिंपिक में भारत को शूटिंग में एक भी मेडल नहीं मिला है। अब पेरिस में देश को शूटिंग से एक बार फिर काफी उम्मीदें होंगी। सिफ्त से भी काफी उम्मीदें होंगी।

भाई ने शूटिंग को छोड़ डॉक्टरी को अपनाया

सिफ्त के पिता तो किसान हैं, लेकिन उनका परिवार डॉक्टरों का परिवार है। उनके चार से पांच चचेरे भाई-बहन डॉक्टर हैं। उनका छोटा भाई भी निशानेबाज है और स्कूल नेशनल में पदक जीत चुका है। सिफ्त के मुताबिक उसने 12वीं की परीक्षा के बाद नीट क्वालिफाई किया, लेकिन उसने शूटिंग छोड़ दी है और वह डॉक्टरी की पढ़ाई करेगा।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत

जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती, लेकिन बुखार इसी रेंज ज्यादा दिन तक लगातार बना रहे तो इलाज की जरूरत होती है।

विटामिन डी दूर भगा सकता है प्रोस्टेट कैंसर

शरीर की मजबूती और बेहतर स्वास्थ्य के लिए विटामिन डी की जरूरत तो सब जानते हैं। विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने से बिना सर्जरी या रेडिएशन के ही कम तीव्रता या हल्के स्तर (लो ग्रेड) के प्रोस्टेट कैंसर को रोकना संभव है। यहां तक कि यह उस ट्यूमर को खत्म करने में भी सक्षम है। डॉक्टर के अनुसार अब तक इस बात को नहीं जान सके हैं कि कैसे प्रोस्टेट कैंसर का इलाज या रोकथाम करता है।

आसानी से दूर हो सकेगी निकोटिन की लत

आम तौर पर तमाम उपायों के बावजूद सिगरेट, तंबाकू जैसे पदार्थों के सेवन से छुटकारा नहीं मिल पाता। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने इसकी लत से निजात पाने का नया तरीका ईजाद करने का दावा किया है। वैज्ञानिकों ने एक विशेष प्रोटीन की 3डी संरचना बनाने में सफलता हासिल की है। इस की मदद से निकोटिन मोलेक्यूल के प्रभाव का विश्लेषण कर इसकी लत से निजात पाना अब संभव हो सकेगा।

हेल्थ अलर्ट

शब्द भूलने की आदत है लेथोलॉजिका बीमारी

क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप किसी शब्द को याद कर रहे हो और वह दिमाग में आकर भी आपकी जुबा पर नहीं आ पाते। अगर ऐसा है तो इस समस्या को नजरअंदाज न करें क्योंकि ये एक बीमारी है।

कई बार ऐसा होता है कि हम कुछ बोलने की कोशिश करते है और शब्द हमारे मुंह स बाहर ही नहीं निकलते, ऐसा आपके साथ हुआ होगा। ऐसा लगभग सबके साथ होता है। बार-बार वह शब्द आपकी जुबां पर होने के बावजूद बाहर नहीं आ पाता। वैसे मिलते-जुलते कई शब्द आपके मन में आते हैं, मगर लाख कोशिश करने के बावजूद वह विशेष शब्द आपको समझ में नहीं आता और आप झुंझलकार रह जाते हैं।अगर यह बड़े स्तर पर हो रहा हो तो नजरअंदाज न करें क्योंकि ये एक बीमारी है। वैज्ञानिकों ने इस बीमारी का नाम लेथोलॉजिका रखा है। 'लेथोलॉजिका' ऐसी बीमारी है, जिसमें हम शब्द भी भूल जाते हैं। ये ग्रीक भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला शब्द है लेथे, यानी भूलने की आदत। और दूसरा ग्रीक शब्द है लोगोस जिसका मतलब है पढ़ाई। जुबां पर आने के बावजूद शब्द न याद कर पाने वाली इस बीमारी को ये नाम, बीसवीं सदी के मशहूर मनोवैज्ञानिक, कार्ल गुस्ताव जंग ने दिया था।

जानकारी को समझना या महसूस करना

ब्रिटिश मनोवैज्ञानिकों के अनुसार हमारा दिमाग किसी कंप्यूटर की तरह काम नहीं करता कि आपने किसी चीज को ढूढ़ा और झट से उसका जवाब हाजिर हो जाए। असल में किसी शब्द या जानकारी को हम जितनी शिद्दत से समझते या महसूस करते हैं। हमारा दिमाग उसी हिसाब से उस शब्द या जानकारी को अपने अंदर अलग-अलग खांचों में रखता है।

इंसान का एक्टिव शब्दकोश

किसी भी व्यक्ति के लिए पढ़ा हुआ हर शब्द सही समय पर याद करना करीब-करीब नामुमकिन होता है। आमतौर पर हर इंसान बोलने और लिखने में औसतन पचास हजार शब्दों का इस्तेमाल करता है। इसे वैज्ञानिकों की भाषा में किसी इंसान का एक्टिव शब्दकोश कहते है। इसके अलावा भी लगभग हर व्यक्ति को बहुत से और शब्द पता होते हैं। इन शब्दों को कम ही इस्तेमाल में लाते हैं। और इस तरह अपने दिमाग को संदेश देते हैं कि इन शब्दों की अहमियत हमारे लिए कम है। दिमाग इन शब्दों को छांटकर किसी ऐसी जगह रख देता है, कि, पता होने के बावजूद भी ये याद नहीं आते। ऐसा लगता है कि बस अभी आपकी जुबां पर ये शब्द आया, मगर याद नहीं आता। ये वैसा ही होता है, हम कोई चीज बक्से में बंद करके भूल जाते हैं।

गैरजरूरी जानकारी दिमाग से साफ करें

लेथोलॉजिका एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हम शब्द भी भूल जाते हैं, और उसका पता ठिकाना भी। मतलब उससे हमारा रिश्ता टूट सा जाता है। मगर वह हमारे दिमाग के स्टोरेज की जगह, भी घेरे रहते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम गैरजरूरी जानकारी दिमाग से साफ करें और जरूरत वाली बातें ही याददाश्त के बक्से में रखें, ताकी जब जरूरत पड़े तो हमें फौरन

तीसरी आंख और इसके मसाज के फायदे

हिंदू धर्म ग्रंथों में तीसरी आंख का धार्मिक वर्णन मिलता है, और भगवान शंकर में तीसरी आंख होने की बात भी कही गई है। हालांकि तीसरी आंख को किसी ने नहीं देखा , यह केवल मानसिक चेतना की बात है। लेकिन विज्ञान की मानें तो तीसरी आंख यानी अवचेतन मन का हमारे दिमाग पर बहुत असर पड़ता है। यह एक ऐसा बिंदु है जिस पर मसाज करने से शरीर के साथ-साथ दिमाग को भी फायदा होता है। महिलाएं इसी बिंदु पर बिंदी लगाती हैं, और इसके फायदों को विज्ञान ने भी माना है। इस लेख में हम आपको थर्ड आई यानी तीसरी आंख में मसाज के तरीके और इससे होने वाले फायदों के बारे में बता रहे हैं।

कहां हैं तीसरी आंख

प्राचीन परंपराओं में ही कई वर्तमान समस्याओं का उपचार निहित है। तीसरी आंख हमारी दोनों भौहों के बीच का हिस्सा है। इस पर मसाज करने के कई फायदे हैं - जैसे इससे दिमाग को केंद्रित करने में मदद मिलती है, इससे तनाव दूर होता है, यह आंखों की थकान भी दूर करता है, इसके अलावा इसके कई दूसरे अन्य फायदे भी हैं। योग में भी इसक बहुत अधिक महत्व है, इसको जागृत करने के लिए कई योग और ध्यान मुद्रायें भी हैं।

कैसे करें मसाज

तीसरी आंख के बिंदु पर मसाज करने के लिए मन को शांत कर लेट जाएं। दोनों आंखों को बंद कर लें। फिर दोनों अंगूठों से भौहों के बीच में दबाव डालें। हाथों की दूसरी उंगलियरों से सिर के

दूसरे हिस्सों को पकड़ें। मसाज के दौरान अंगूठों को बिंदु से दूर ले जाकर आराम से पास ले आएं। शुरू में हल्का दबाव डालें, फिर दबाव और बढ़ा सकते हैं। शरीर को अच्छा एहसास होने तक मसाज करें। इससे तनाव और थकान तुरंत छूमंतर हो जाएगा।

क्या हैं फायदे

तीसरी आंख सीधे पाइनियल ग्रंथि से जुड़ी है, जिसपर मसाज करने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं। यह शरीर का वह हिस्सा है जिसके अंदर से मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव होता है। यह वही हार्मोन है जो इंसान के सोने और उठने की दिनचर्या को नियमित करता है। इससे तनाव दूर होता है, मूड अच्छा होता है, शरीर को ऊर्जा मिलती है, थकान दूर होती है। दिनभर के कामकाज से थकने के बाद अगर इस बिंदू पर चंद मिनट ही मसाज की जाए तो सभी तरह का दर्द और थकान दूर हो जाएगा और आपको चैन की नींद आएगी। ऐसा माना जाता है कि इस बिंदु की खोज 5 हजार साल पहले हुई थी। आज हमारे शरीर में 400 से ज्यादा बिंदु ऐसे हैं जिनपर दबाव डालने से शरीर के कई रोग दूर होते हैं और आराम मिलता है।

हेल्थ केयर

ताकि त्वचा को मिले राहत की सांस...

सर्दी जुकाम हो या फिर त्वचा की देखभाल, भाप लेना एक बेहतरीन कारगर प्रक्रिया है। बगैर किसी साइड इफेक्ट के, कई स्वास्थ्य और सेहत के फायदे पाने के लिए भाप लेना स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है

- सर्दी-जुकाम और कफ होने की स्थिति में भाप लेना रामबाण उपाय है। भाप लेने से न केवल आपकी सर्दी ठीक होगी बल्कि गले में जमा हुआ कफ भी आसानी से निकल सकेगा और आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।
- त्वचा की गंदगी को हटाकर अंदर तक त्वचा की सफाई करने और त्वचा को प्राकृतिक चमक प्रदान करने के लिए भाप लेना एक बेहतरीन तरीका है। बगैर किसी मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल किए यह तरीका आपकी स्किन को ग्लोइंग बना सकता है।

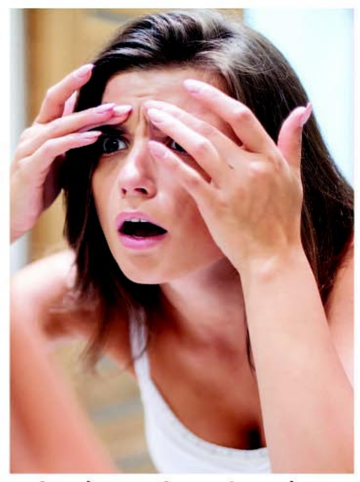

- अस्थमा जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में भी भाप लेना काफी फायदेमंद साबित होता है। डॉक्टर्स ऐसी परिस्थिति में भाप लेने की सलाह देते हैं, ताकि मरीज को राहत की सांस मिल सके।
- चेहरे की मृत त्वचा को हटाने एवं झुर्रियों को कम करने के लिए भी भाप लेना एक बढ़िया उपाय है। यह आपकी त्वचा को ताजगी देता है, जिससे आप तरोताजा नजर आते हैं। त्वचा की नमी भी बरकरार रहती है।
- अगर चेहरे पर मुंहासे हैं, तो बिना देर किए चेहरे को भाप दीजिए। इससे रोमछिद्रों में जमी गंदगी और सीबम आसानी से निकल पाएगा और आपकी त्वचा साफ हो पाएगी।

दिमागी विकास के लिए करें कमलगट्टे का सेवन

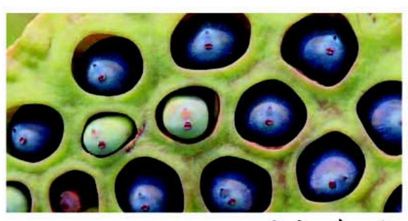

कमलगट्टे का नाम तो आपने सुना ही होगा। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि पूजा-पाठ और मंत्रजाप की माला में प्रयोग किया जाने वाला कमलगट्टा खाने के काम भी आता है।... बेशक आपको हैरानी हो, लेकिन एक बार अगर आप इसका स्वाद चखेंगे तो इसे बार-बार खाना चाहेंगे। दरअसल कमलगट्टा, कमल का ही फल है, जिसका निर्माण कमल के फूल से ही होता है। कमल के इस फल में मौजूद बीजों को छीलकर खाया जाता है, जो मूंगफली की तरह होते हैं। इनका स्वाद भी मूंगफली की तरह ही होता है, बल्कि... यह कहा जा सकता है कि मूंगफली से भी ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं। यह स्वादिष्ट छोटा सी बीज कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह डाइबिटीज, दिमागी क्षमता, किडनी और पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद होता है। कमलगट्टे की खासियत यह है कि यह साल भर में एक बार कुछ ही समय के लिए बाजार में उपलब्ध होते हैं। लेकिन इनकी मांग बनी रहती है और इसके प्रशंसकों की संख्या

कभी कम नहीं होती। कमलगट्टे की तरह ही कमल की जड़..यानि कमल-ककड़ी का प्रयोग भी सब्जी के रूप में किया जाता है। खास तौर से पंजाब में इसे लोग काफी पसंद करते हैं। इसके अलावा भी सिंधी और पंजाबी लोगों में कमल-ककड़ी को बेहद पसंद किया जाता है।

तनाव के कारण पैदा होता है त्वचा में सोरायसिस

ठहाका लगाकर हंसने से दूर होती है बीमारी

त्वचा में सोरायसिस (हाथ-पैर में चमड़े की परत छूटना) ठहाका या जोर से हंसने से काफी कम हो जाता है। यह बीमारी सबसे अधिक तनाव के कारण होती है। सबसे अधिक युवा इस बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं। बिहार में इस बीमारी से पीड़ितों की संख्या लगभग 56 लाख है। 300 मरीजों पर किए गए अध्ययन के बाद पता चला कि सोरायसिस में कोशिकाएं टूटने लगती हैं, जिससे त्वचा की ऊपरी परत में सूखापन आ जाता है।

इसमें परत छोड़ती है त्वचा

इस बीमारी में त्वचा परत छोड़ने लगती है। अध्ययन में पाया गया कि ठहाका लगाने पर नसों का टूटना कम हो जाता है। यह रक्त संचार तेज होने से होता है। पीएमसीएच में 300 मरीजों में 30 ऐसे हैं] जिन्होंने ठहाका, जोर से हंसने, योग करने से इस बीमारी पर नियंत्रण पाया है । बीमारी सबसे पहले कोहनी, सिर और घुटने में होती है। इसके बाद यह पूरे शरीर में फैलना शुरू हो जाती है। हालांकि इससे ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। नारियल का तेल इस बीमारी में काफी फायदेमंद साबित होता है।

अमेरिकी विशेषज्ञों ने दी थी जानकारी

ठहाका लगाकर हंसने से सोरायसिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण पाने का पता अमेरिकी विशेषज्ञों ने लगाया था। फिर अमेरिका में ऐसे मरीजों को लॉफिंग क्लबों में जाने की सलाह दी गई। यह काफी कारगर हुआ। इसके बाद एम्स नई दिल्ली और रिम्स रांची में विशेषज्ञों ने अलग-अलग अध्ययन किया। इसी आधार पर पटना के पीएससीएच में भी 300 मरीजों का अध्ययन किया।

सबसे ज्यादा युवा होते हैं पीड़ित, लंबे समय तक चलता है इलाज

एक अध्ययन में पाया गया कि सोरायसिस पीड़ितों में सबसे ज्यादा युवा हैं। इन्हें यह बीमारी तनाव, अनियमित दिनचर्या, हाइपरटेंशन और रोग प्रतिरोधी क्षमता कम होने के कारण हुई है। यह ऐसी बीमारी है जिसकी दवा लम्बे समय तक चलती है। ठहाका, जोर से हंसना, योग इसका बेहतर उपचार हैं। मरीजों को ऐसा करने की सलाह दी जा रही है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरुआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकते हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

कलेक्शन के लिए जुनून

कलेक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से लेकर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलेक्शन लंबे समय में आपको अच्छा रिटर्न दे सकता है।

पैशन को दें दिशा...

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलेक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

अभिभावकों की भूमिका...

अगर किसी बच्चे में कलेक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलेक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें।

डीलर की पहचान जरूरी...

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणति हो।

संकलन का बाजार...

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाण-पत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

रेसिपी

स्पाईसी चायनीज पिज़्ज़ा

सामग्री

4 थिन क्रस्ट पिज़्ज़ा बेस, 1 कप कसा हुआ मोज़रैला चीज़, चायनीज़ टॉपिंग के लिए , 1 1/2 कप उबले हुए हक्का नूडल्स, 1/2 कप सेज़वान सॉस, 1 स्पून सोया सॉस, 1 1/2 स्पून जैतून का तेल, 2 टी-स्पून बारिक कटा हुआ लहसुन, 1 1/2 कप तिरछी कटी हुई हरी प्याज़, 1 1/2 कप तिरछे कटे और हल्के उबाले हुए बेबी कॉर्न, 1 1/2 कप तिरछी कटी हुई रंग-बिरंगी शिमला मिर्च, 2 टेबल-स्पून टमाटर की प्युरी, नमक स्वादअनुसार

विधि

चायनीज़ टॉपिंग के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड के लिए भून लें। हरी प्याज़, बेबी कॉर्न और रंग-बिरंगी शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए भून लें। उबले हुए हक्का नूडल्स, सेज़वान सॉस, सोया सॉस, टमाटर की प्युरी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। टॉपिंग को 4 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** पिज़्ज़ा बेस को साफ, सूखी जगह पर रखकर, प्रत्येक पिज़्ज़ा बेस पर चायनीज़ टॉपिंग के 1 भाग और 1/4 कप मोज़रैला चीज़ डालकर अच्छी तरह फैला लें। पिज़्ज़ा बेस को चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रखकर, पहले से गरम अवन में 200°c (400°f) के तापमान पर 10-12 मिनट के लिए बेक कर लें। कप दोहराकर 2 और पिज़्ज़ा बना लें। बराबर टुकड़ो में काटकर तुरंत परोसें।

स्प्राउटस् सेन्डविच

सामग्री

8 गेहूं के ब्रेड के स्लाईस, 8 प्याज़ के स्लाईस, 2 स्पून लो-फैट मक्खन, 1 कप उबले मिले-जुले अंकुरित दाने, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 स्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 स्पून पाव भाजी मसाला, 2 स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 स्पून काला नमक, 1 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू

विधि

स्प्राउटस् मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या उनके पारदर्शी होने तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। पाव भाजी मसाला, धनिया-ज़ीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, काला नमक, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें और आलू डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें के मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गेहूं के ब्रेड स्लाईस को सूखे समतल जगह पर रखें और अंकुरित दानें के मिश्रण के एक भाग को उपर फैला लें। 2 प्याज़ के स्लाईस रखकर दूसरे ब्रेड स्लाईस से सेन्डविच बना लें। ग्रिलर को गरम करें और सेन्डविच को 1/2 टी-स्पून लो-फैट मक्खन के साथ सेन्डविच दोनो तरफ से के सुनहरा और करारा होने तक ग्रिल कर लें। दोहराकर 3 और सेन्डविचस् बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)